

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत National Innovation Foundation - India

वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2018-19









वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत



डॉ.पी.एस.गोयल अध्यक्ष, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत

वर्ष 2018-19 में भारत के लिए एक और सफल अध्याय का साक्षी बना, जब रानप्र द्वारा समर्थित तीन तृणमूल नवप्रवर्तकों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया और पहली बार रानप्र द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत होने के बाद एक लंबा सफर तय किया। तृणमूल नवप्रवर्तन आधारित प्रौद्योगिकियों, नवाचारों जैसे ट्रैक्टर संचालित धान रोपाई की मशीन, दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए इंटेलीजेंट चश्मा, गोल्डन एम्बॉसिंग के लिए सिक्स एक्सिस प्रिंटर, ट्रैक्टर संचालित छिड़काव की मशीन, छोटे पशुओं के ऑपरेशन के लिए टेबल, ट्रैक्टर संचालित कॉम्बी टीलेज उपकरण, स्वतः सफाई वाला शौचालय संलग्न खाट, यांत्रिक सेंसर के साथ बहुद्देशीय कृषि उपकरण और अन्य विकसित उपकरणों के उद्भवन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के लिए संस्थान के बधाई का पात्र है।

वर्ष 2018-19 के दौरान रानप्र को देश के नवोन्मेषी नागरिकों से भारी समर्थन के रूप में 8,000 से अधिक तृणमूल नवप्रवर्तन और पद्धितयां मिली। रानप्र-भारत ने 60 से अधिक तकनीकों को विकसित करने के अलावा, कुल 89 पेटेंट दायर किए और 21 पूर्ववर्ती वर्षों में दायर किए गए पेटेंट स्वीकृत किये गए। इसी तरह, पीपीवी और एफआर अधिनियम 2001 के तहत 4 आवेदन दायर किए गए और पीपीवी एंड एफआर प्राधिकरण पूर्ववर्ती वर्षों के 6 पादप किस्मों को स्वीकृति प्रदान की गई।

इस वर्ष एक महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव (फाइन) का आयोजन पहली बार राष्ट्रपति भवन के बाहर रानप्र-भारत, गांधीनगर के परिसर में किया गया। हालाँकि, पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा इसका उद्घाटन किया गया और इसमें नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी और समसामायिक महत्व के विषयों पर गोलमेज सम्मेलन शामिल रहा। नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019 के दौरान माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के विजेताओं, तृणमूल नवप्रवर्तकों और छठें बैच के नवप्रवर्तक विद्वानों से बातचीत की और साथ ही 10वें तृणमूल नवप्रवर्तन एवं उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान पुरस्कार प्रदान किये, जो की भारत की नवप्रवर्तकों के प्रति प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। नतीजतन, राष्ट्रपति सचिवालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और रानप्र द्वारा नवप्रवर्तकों को पहचान, सम्मान और पुरस्कार के साथ सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की यह अनूठी पहल जारी रही। इसके अलावा भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा बच्चों को उनके तकनीकी विचारों और नवाचारों के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2018 से पुरस्कृत किया गया।

इस वर्ष शासी बोर्ड द्वारा कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें सबसे पहला एक ऑनलाइन पोर्टल विकिसत करना था, जहां सभी विचारों, नवाचारों और पारंपिरक ज्ञान के उदाहरणों को समाज को जानने, सीखने और उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार लोगों के ज्ञान को लोगों के लिए सुलभ बनाया जाएगा। इस प्रकार लोगों के ज्ञान को लोगों के साथ नेटवर्क स्थापित करना था, जिनके समर्थन से नवाचारों को अगले चरण में ले जाया जा सकता है। इसके तहत भारतीय नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (INAE) के साथ संपर्क स्थापित करने की शुरुआत की गई। साझेदारी में काफी कम समय होने के बावजूद कुछ नवप्रवर्तनों में मूल्य संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में इस तरह की अधिक भागीदारी उभर रही है और आने वाले दिनों में इसे ठोस रूप दिया जाएगा। रानप्र का कार्य सभी सार्वजनिक या निजी क्षेत्र के उपक्रमों में अद्वितीय है और इस तरह की अच्छी साझेदारियां उसके उद्देश्य को सही तरीके से पूरा करेगी।

रानप्र को अपने सभी प्रयासों को एक ही दिशा में प्रसारित करने का सुझाव दिया गया है, जिसका उद्देश्य गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक लाभ उत्पन्न कराना है। जब तक आम लोग नवप्रवर्तनों के माध्यम से लाभ नहीं उठाते और यह नवप्रवर्तन देश में सामान्य नहीं बन जाते, तब तक रानप्र इसके लिए अथक प्रयास करता रहेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि रानप्र उद्योग में स्थायी साझेदारी की पहचान और निर्माण करने में सक्षम होगा, ताकि देश में अंतिम छोर तक अभिनव समाधान पहुंचाया जा सके।

अंत में मैं सभी पाठकों को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि वे रानप्र द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों को पढ़ने का आनंद लेंगे और अपनी प्रतिक्रिया को साझा करेंगे।

शुभकामनाओं के साथ,

पी.एस.गोयल



डॉ. विपिन कुमार निदेशक एवं मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) - भारत के लिए वर्ष 2018-19 कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का वर्ष था, जिसने देश के रचनात्मक नागरिकों के साथ सहभागिता के स्तर को आगे बढ़ाया। शासी मंडल के पुनर्गठन के साथ, शासन संरचना के परिवर्तन का कार्य पूरा हुआ।ऐसे में यह समय संस्थान द्वारा उन सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त करने का है, जिन्होंने इन वर्षों में संस्थागत पहल को बढ़ाने में मदद की है। साथ ही हम नए शासी मंडल के सदस्यों का स्वागत करते हैं, जिनका नेतृत्व देश के भावी नवप्रवर्तकों की पीढ़ियों पर एक अमिट प्रभाव डालने के लिए तैयार है। रानप्र-भारत नए शासी मंडल के सदस्यों के सामूहिक ज्ञान से बहुत कुछ हासिल करना चाहता है, जो कि विविध पृष्ठभूमि और लंबे पेशेवर अनुभवों से आते हैं। रानप्र की युवा टीम उनके मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

रानप्र ने इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के तहत जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जिरए देशभर के नागरिकों से अपना जुड़ाव बनाये रखा, जिसमें नई पीढ़ी के नवप्रवर्तकों के साथ विचारों का आदान-प्रदान सबसे ज्यादा रहा। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रक्रिया और नवाचार उत्सव का हिस्सा बनने के लिए रानप्र भारत द्वारा प्रारंभिक स्तर पर कुछ लाख नवाचारों से सावधानीपूर्वक शीर्ष विचारों और नवाचारों को चयनित करने का एक बड़ा कार्य किया गया। भविष्य के लिए नवाचार क्षमता के उत्सव का हिस्सा बनकर संगठन को काफी कुछ सीखने को मिला।

यह देखकर खुशी हुई की इंस्पायर अवार्ड्स - मानक कार्यक्रम हमारे समाज के विभिन्न वर्गों को सहयोग के लिए आकर्षित करने में कामयाब रहा, जिन्होंने हमें मूल्यांकन करने में मदद की या जिन्होंने जागरूकता निर्माण में मदद की या जिन्होंने सैकड़ों छात्रों को सलाह दी और उनके सीखने की खोज में अपने दरवाजे खोले। इसी तर्ज पर, 10 वां राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन एवं पारम्परिक पुरस्कार और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2018 पुरस्कार सामाजिक भलाई के लिए नवप्रवर्तनों का प्रसार की देश की भावना की मजबूत इढ इच्छा शक्ति को प्रदर्शित कर रहा था।

यह वर्ष विभिन्न अवसरों के संदर्भ में भी बहुत खास है, जिसने रानप्र को राष्ट्रीय स्तर पर और कुछ मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डालने का मौका दिया। कौशल विकास मंत्रालय ने रानप्र को राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कारों की कोर समिति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। रानप्र ने जकार्ता, इंडोनेशिया में पहले ग्रासरूट इनोवेशन फोरम का आयोजन किया, जिसमें आसियान के सदस्य देशों (AMS) के साथ भारत के छात्रों ने नवाचार प्रतियोगिता और तृणमूल नवाचार प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसके जिरए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के आधार पर इन देशों के साथ भारत का संबंध मजबूत हुआ। यह 11 देशों के नवप्रवर्तकों के लिए एक-दूसरे की इनोवेशन क्षमता का अनुभव करने और विभिन्न राष्ट्र के नागरिकों के लिए "इनोवेशन" का अर्थ जानने का एक शानदार अवसर था।

रानप्र जो कुछ भी कर सका या प्राप्त कर सका, वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग के बिना संभव नहीं था। डॉ. हर्षवर्धन जी, माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री की तृणमूल नवप्रवर्तनों में गहरी रुचि और विश्वास रानप्र के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। प्रो. आशुतोष शर्मा, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और विभाग के अधिकारी संस्थान की सभी गतिविधियों में उनके सतत समर्थन के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। रानप्र में मेरे सहयोगी और औपचारिक क्षेत्र में सहयोगी जो रानप्र की विभिन्न गतिविधियों में मदद करते हैं, उन्हें भी संस्थान के काम और विकास में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया जाना चाहिए। रानप्र नवप्रवर्तकों और समाज की जरूरतों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहेगा और अपने देश और अपने लोगों के लिए उसके अधिदेश को हासिल करने की दिशा में अथक प्रयास करेगा।

सभी को शुभकामनाओं के साथ,

विपिन कुमार

विषय सूची

1.	शासा मडल	11
2.	वित्त समिति	13
3.	बढ़ते कदम	15
4.	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2018	17
5.	10वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार 2019	19
6.	नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019	21
7.	इंस्पायर अवार्ड्स -मानक 2018-19	24
8.	अनुभागीय गतिविधियां	26
9.	नई पहल और साझेदारियां	39
10.	अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां एवं साझेदारी	40
11.	नवप्रवर्तकों को मिली पहचान	42
12.	संस्थानिक नीतियां	43
13.	प्रशासनिक मामले	43
14.	प्रकाशन	43

अध्यक्ष

डॉ. पी. एस. गोयल
 पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

उपाध्यक्ष-सदस्य

 श्री एन. पी. राजीव कार्यकारी निदेशक, विभा वाणी, दिल्ली

सदस्य

- प्रो. अनिल के. गुप्ता अतिथि प्राध्यापक, आईआईएम-अहमदाबाद
- प्रो अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे अध्यक्ष, एआईसीटीई, नई दिल्ली
- 5. प्रो सत्यजीत मजूमदार टीआईएसएस, मुंबई
- डॉ. सी शम्भू प्रसाद सीएसईई, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद
- डॉ. के विजया लक्ष्मी उपाध्यक्ष, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव, नई दिल्ली
- सुश्री अनुराधा भवनानी स्थानीय प्रमुख, शेल फाउंडेशन, गुरूग्राम
- 9. सुश्री लक्ष्मी एन. शासी, गुड कर्मा फाउंडेशन, कोचि

पदेन सदस्य अथवा उनके नामित सदस्य

 प्रो. आशुतोष शर्मा सचिव, डीएसटी, भारत सरकार

- 11. डॉ. रेनू स्वरूप सचिव, डीबीटी, भारत सरकार
- 12. सुश्री रीना र७ाय सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, एमएचआरडी, भारत सरकार
- डॉ. अरूण कुमार पांडा सचिव, एमएसएमई, भारत सरकार
- वैद्य श्री राजेश कोटेचा सचिव, आयुष, भारत सरकार
- प्रो. बलराम भार्गव
 डीजी-आईसीएमआर, भारत सरकार
- डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा
 डीजी-आईसीएआर-भारत सरकार
- डॉ. शेखर सी. मंडे
 डीजी-सीएसआईआर, भारत सरकार
- डॉ. जे. एन. सिंह मुख्य सचिव, गुजरात सरकार
- 19. श्री बी. आनंद वित्तीय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार सदस्य-सचिव, पदेन सदस्य
- डॉ. विपिन कुमार
 मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक, रानप्र

वित्त समिति

अध्यक्ष

डॉ. पी. एस. गोयल
 पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

सदस्य

- प्रो. सत्यजीत मजूमदार टीआईएसएस, मुंबई
- डॉ. संजीव सक्सेना
 सहायक महानिदेशक (बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन)
 आईसीएआर, नई दिल्ली
- 4. श्री बी. आनंद वित्तीय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार

सदस्य-सचिव

डॉ. विपिन कुमार
 मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक, रानप्र

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत (रानप्र) को वर्ष 2018-19 के दौरान देश के साथ विदेशों में भी कई सार्थक गतिविधियों के लिए चिन्हित किया गया।रानप्र-भारत के 10 वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान पुरस्कार समारोह का आयोजन 15 मार्च 2019 को किया गया, जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने तृणमूल नवप्रवर्तकों को पुरस्कार प्रदान किया। यह देश के सभी नवप्रवर्तकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और संतोषजनक क्षण था। इसने नवप्रवर्तन को बढावा देने के प्रति भारत के दृढ संकल्प को दोहराया और अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। रानप्र ने समय के साथ कदमताल करते हुए बच्चों की रचनात्मकता को आवश्यक समर्थन और प्रोत्साहन देना जारी रखा। रानप्र द्वारा आयोजित की जाने वाली डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड्स 2018 और इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के तहत शुरुआती स्तर पर ही देश के भविष्य की प्रतिभाओं को पहचान दिलाई गई। वर्ष के दौरान सर्वाधिक तीन तृणमूल नवप्रवर्तकों को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होना उस कड़ी का एक प्रमुख आकर्षण था, जिसमें तृणमूल नवप्रवर्तकों को पहला पुरस्कार रानप्र द्वारा दिए जाने के बाद उन्हें देश के सर्वोच्च महत्व वाले नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता रहा है। इसने न केवल तृणमूल नवप्रवर्तनों द्वारा अवसरों को पैदा करने की दृढ इच्छा शक्ति को प्रदर्शित किया है बल्कि रानप्र के इनक्यूबेशन प्रक्रिया में निहित योग्यता को चिह्नित करने का कार्य किया है।

वर्ष के दौरान बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार की तकनीकियों जैसे इंजीनियरिंग, पशु चिकित्सा विज्ञान, कृषि, मानव स्वास्थ्य आदि का मूल्य संवर्धन किया गया, जो कि आने वाले दिनों में सामाजिक और वाणिज्यिक प्रसार से पहले का एक महत्वपूर्ण कदम है। नवप्रवर्तकों/विशिष्ट पारम्परिक ज्ञानधारकों के प्रौद्योगिकियों के दावे का सत्यापन, प्रोटोटाइप के विकास एवं उत्पाद, बौद्धिक संपदा

अधिकारों का संरक्षण, विपणन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवाचार के सामाजिक प्रसार जैसी अन्य पूरक गतिविधियों के साथ इनका समर्थन किया गया। प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता मॉडल के संबंध में रानप्र ने अनुभव किया कि देश में अधिक से अधिक लोगों का झुकाव नौकरी निर्माता बनने और नए व्यवसायों की शुरुआत करने का है।

खोज एवं प्रलेखन की निरंतर गतिविधियों के साथ ही रानप्र ने देश के लोगों के लिए लोगों के द्वारा प्राप्त जानकारियों को उपलब्ध कराने के लिए विचारों, नवाचारों और पारंपरिक ज्ञान की विशेषता वाले एक ऑनलाइन पोर्टल को विकसित करने का प्रयास शुरू किया है। आसियान - भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार आधारित भागीदारी के तहत रानप्र ने सामाजिक नवाचारों के लिए आसियान इंडिया इनोवेशन प्लेटफार्म (ASEAN - India Innovation Platform) विकसित किया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने वर्ष 2018 से शुरू किये गए राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार (NEA) के कार्यान्वयन के लिए रानप्र को एक कोर समिति सदस्य संस्था के रूप में आमंत्रित किया।

रानप्र-भारत के लिए यह बहुत संतोष की बात थी कि वर्ष 2019 की शुरुआत में कुछ महीने के भीतर ही नवप्रवर्तन से संबंधित राष्ट्रीय महत्व की कई गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के तहत राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन 14-15 फरवरी 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में किया गया, जबिक रानप्र ने अपने परिसर में 15 से 19 मार्च तक नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव (फाइन) की मेजबानी की।यह उत्सव राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली के बाहर पहली बार आयोजित किया गया, जब इसे वर्ष 2015 में शुरू किया गया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार बच्चों के रचनात्मक विचारों/नवाचारों की एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसमें कक्षा 12 तक के विद्यार्थी या स्कूल छोड़ चुके 17 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। बच्चों में सृजनात्मकता और मौलिकता का विकास करने के लिए साल 2008 से प्रति वर्ष राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2018 के दौरान 11 राज्यों के 31 छात्रों को 21 विचारों/नवप्रवर्तनों के लिए पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा 17 नवम्बर 2018 को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत, गांधीनगर में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विजेता विचारों/नवप्रवर्तनों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इग्नाइट प्रतियोगिता 2018 के दौरान देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 643 जिलों से कुल 90000 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिसका आयोजन 1 सितम्बर 2017 से 31 अगस्त 2018 तक किया गया था।

इग्नाइट प्रतियोगिता का आयोजन रानप्र द्वारा केन्द्रीय माध्यमिक

शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साझेदारी से किया जाता है। इसे अन्य राज्यों के शैक्षिक बोर्ड; वेस्ट बंगाल काउंसिल ऑफ रवीन्द्र ओपन स्कूलिंग, उत्तराखंड स्कूल शिक्षा बोर्ड, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड त्रिपुरा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड, नागालैंड स्कूल शिक्षा बोर्ड, महाराष्ट्र माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, मणिपुर, असम, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश आदि ने भी इस अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन प्रदान किया।

श्री प्रणब मुखर्जी ने पुरस्कार समारोह के दौरान विजेताओं को बधाई दी और कहा कि देश के बच्चों में रचनात्मकता व्यापक और प्रचुर मात्रा में है, जोिक इस प्रतियोगिता के अनुभव ने हाल के वर्षों में प्रदिश्ति किया है। उन्होंने आगे कहा कि बच्चे स्थानीय समस्याओं की पहचान करने, संभावित समाधानों के बारे में सोचने, उनका मूल्यांकन करने और सर्वोत्तम संभव समाधान विकसित करने में सक्षम हैं। उन्होंने इस तथ्य पर ध्यान देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि



युवा छात्र नवप्रवर्तक, आरुषी टंडन को 'अभिनव और कम कीमत वाला अलग किया जा सकने वाला व्हील चेयर सह बेड' के लिए पुरस्कृत करते भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी।



डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2018 के दौरान अपने नवप्रवर्तनो को प्रदर्शित करते बच्चे।

इग्नाइट प्रतियोगिता के माध्यम से बड़ी संख्या में पहचाने जाने वाले बच्चे सरकारी स्कूलों, ग्रामीण क्षेत्रों और समाज के वंचित वर्गों से हैं। किसी भी देश और समाज का भविष्य तभी उज्जवल हो सकता है, जब बच्चे समस्याओं की पहचान कर उन्हें अपने दम पर हल करना सीखते हैं। उन्होंने देश भर के अभिभावकों और शिक्षकों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि हमारे बच्चों को एक ऐसा पृष्टिवर्धक और सशक्त वातावरण मिले, जहां उनके कौशल, रचनात्मकता, ज्ञान में वृद्धिहो, और न कि कमी हो। डॉ. पी.एस. गोयल, अध्यक्ष, रानप्र ने उल्लेख किया कि इग्नाइट प्रतियोगिता नवाचार के संदेश को दूर-दूर तक फैला रही है। यह बचपन से ही नवाचार और रचनात्मक सोच की संस्कृति बनाने में भी मदद कर रहा है। डॉ. विपिन कुमार, निदेशक, रानप्र ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और साथ ही उन्होंने इग्नाइट अभियान का समर्थन करने के लिए सीबीएसई और विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड/परिषदों/निदेशालयों की प्रशंसा की।



10वां राष्ट्रीय द्विवार्षिक तृणमूल नवप्रवर्तन एवं पारंपरिक ज्ञान पुरस्कार 2019

रानप्र-भारत ने वर्ष 2001 में द्विवार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन शुरू किया था, ताकि हमारे समाज के नायकों और नायिकाओं के प्रयासों का जश्न मनाया जा सके। एक कदम आगे बढ़कर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने वर्ष 2002 के बाद से तृणमूल नवप्रवर्तकों को ये पुरस्कार देने की पहल की। तब से राष्ट्रपति सचिवालय ने रानप्र को इन पुरस्कारों को प्रदान



10वें राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट ज्ञान पुरस्कार समारोह 2018 में माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द से पुरस्कार प्राप्त करते युवा नवप्रवर्तक अनंग टडर।

करने में मदद की है और इसी तर्ज पर मार्च 2019 में रानप्र में एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जहां भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

तृणमूल नवप्रवर्तनों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की दसवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (1 अप्रैल 2015 से 31 जून 2017) के लिए रानप्र को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 428 जिलों से लगभग 12500 विचार, नवाचार और पारंपरिक ज्ञान पद्धतियां प्राप्त हुई। दसवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन 15 मार्च 2019 को किया गया, जिसमें कुल 64 नवप्रवर्तकों को 59 पुरस्कार दिए गए, जिसमें एक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी शामिल था।

भारत के माननीय राष्ट्रपित श्री राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। राज्य, सांत्वना, प्रशंसा और भागीदारी पुरस्कार प्रो. आशुतोष शर्मा और डॉ. पीएस गोयल द्वारा दिए गए। अपने संबोधन के दौरान माननीय राष्ट्रपित ने रानप्र की सराहना की और उल्लेख किया कि रानप्र ने देश भर से विचारों.



माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019 के दौरान आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

नवाचारों और पारंपरिक ज्ञान पद्धतियों का एक विशाल डेटाबेस तैयार किया है। इसने पुरस्कारों के माध्यम से 800 से अधिक तृणमूल नवप्रवर्तकों को मान्यता दी है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से सैकड़ों नवप्रवर्तनों को मान्यकिया है।

माननीय राष्ट्रपित ने रानप्र द्वारा तृणमूल नवप्रवर्तकों को समर्थन देने के लिए किए गए प्रयासों की भी सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष पद्मश्री के लिए तीन तृणमूल नवप्रवर्तकों का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें अतीत में द्विवार्षिक राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार मिला और जो कि उनके नवप्रवर्तनों के लिए पहली मान्यता थी। ये नवप्रवर्तक जगदीश प्रसाद पारिख, जिन्होंने एक नई किस्म की फूलगोभी, उद्धव कुमार भराली, जिन्होंने एक अनार छिलने की मशीन, सुपारी छिलने की मशीन एवं एक बाँस को चीरने वाली मशीन विकसित की है। तीसरे नवप्रवर्तक वल्लभभाई वासराभाई मारवणिया ने एक संशोधित गाजर की किस्म विकसित की है। इन सभी नवप्रवर्तनों ने हजारों लोगों की मदद की है।

पुरस्कार समारोह में मान्यता के लिए एक विशेष राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों की नवीनता, सामाजिक उपयोगिता और / या लागत प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए एक विस्तृत टेक्निकल और पेटेंट प्रायर आर्ट सर्च किया जाता है। यदि नवाचार को व्यवसायीकृत किया गया है तो उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया के लिए बाजार अनुसंधान भी किया जाता है। इसके बाद नवाचारों की एक छोटी सूची बनाई जाती है, जो अनुसंधान सलाहकार सिमित (आरएसी) के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। इसमें शीर्ष प्रौद्योगिकीविद, शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के विशेषज्ञ संभावित पुरस्कारों की सिफारिश करने के लिए भारत के सभी हिस्सों से शामिल होते हैं। 10वें राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नवप्रवर्तनों के चयन और सिफारिश के लिए इंजीनियरिंग, कृषि और पशु चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के लिए एक-एक आरएसी बैठक आयोजित की गई थी।



माननीय राज्यपाल गुजरात, श्री ओपी कोहली ने 10वें राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट ज्ञान पुरस्कार पुस्तक का लोकार्पण किया और माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द को इसकी पहली प्रति भेंट की।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव (फाइन) देश के आम आदमी की रचनात्मकता को पहचानने और पुरस्कृत करने की देश की प्रमुख पहल है। इसका आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र)-भारत द्वारा राष्ट्रपति भवन के तत्वावधान में किया जाता है। फाइन एक अनूठा प्रयास है जो की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उद्यमिता में गहन रुचि के लिए नागरिकों के बीच एक सांस्कृतिक बदलाव लाता है। नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता 2019 का आयोजन 15 से 19 मार्च 2019 के दौरान रानप्र, गांधीनगर, गुजरात में किया गया।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने 15 मार्च, 2019 को रानप्र, गांधीनगर में नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने 10 वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार भी दिए और नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने इनोवेशन स्कॉलर्स इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के छठवें बैच के प्रतिभागियों से भी बातचीत की।

इनोवेशन स्कॉलर्स इन-रेजिडेंस में चुने गए प्रतिभागियों में प्याज की फसल काटने के यंत्र के लिए श्रवण कुमार बज्य (राजस्थान), ऑटोमैटिक कुकिंग मशीन के लिए अभिषेक भगत (बिहार), विफ्ट इंसर्शन मेथड के जिरये डिजायन के लिए दीपक भराली (असम), फूल गोभी की विकसित किस्म के लिए जगदीश प्रसाद पारीक (राजस्थान), पानी के नल की स्थापना के लिए, छाया ठाकोर (गुजरात), पूरी तरह से स्वचालित शौचालय की सफाई मशीन के लिए सुलोचना काकोडीया (मध्य प्रदेश), सोलर थ्रेशर के लिए दीपांकर दास (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), बहु-फसल थ्रेशर के लिए मदनलाल कुमावत (राजस्थान), हल्दी और



माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द द्वारा 15 मार्च 2019 को नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019 का शुभारम्भ किया गया।



नवप्रवर्तक विद्वानों के लिए इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के छठें बैच के साथ माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ।

अदरक बोने वाली मशीन के लिए इंद्रजीत सिंह खास (महाराष्ट्र), कचरा एकत्रित करने के अभिनव यन्त्र के लिए सिकांतो मंडल (उत्तर प्रदेश) और एक बहु उपयोगी हर्बल सूत्रीकरण के लिए ईश्वरसिंह कुंडू (हरियाणा) शामिल थे।

अपने भाषण के दौरान माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि जैसा कि हम महत्वपूर्ण विकासात्मक लक्ष्यों को पूरा करने के साथ एक समावेशी, खुशहाल समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें विविध क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में भारत की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए नवाचार की शक्ति को आकर्षित करना होगा। हमें नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने और एक अभिनव समाज बनने के लिए सभी प्रयास करने होंगे, जो कि हमें यह सुनिश्चित करने की सर्वोत्तम संभावना प्रदान करेगा कि प्रत्येक युवा भारतीय को अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलेगा।

माननीय राष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि अपने आप में केवल एक नया विचार पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है



नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019 के दौरान पांच अलग-अलग गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

कि उस रचनात्मक विचार को परिपक्क होने, प्रसार और जमीन पर वितरण के लिए आवश्यक समर्थन मिलता रहे। नवाचार के दो प्रमुख कारकों में पहला यह है कि यह कार्रवाई योग्य हो और दूसरा मुख्य कारक उद्यमशीलता है, जिसके जिरये देश के नागरिकों तक इसके फायदे को पहुंचाया जा सके। हमें नवाचारों को उद्यमों में परिवर्तित करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। युवा नवप्रवर्तकों और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहयोग, तकनीकी सलाह और नीतिगत समर्थन की आवश्यकता होती है।

फाइन के एक भाग के रूप में पांच अलग-अलग विषयों पर गोलमेज सम्मलेन आयोजित किए गए, जहां नवप्रवर्तकों, विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सार्वजिनक / निजी एस एंड टी संस्थानों, वैज्ञानिकों, उद्यिमयों / स्टार्ट-अप्स, नियंत्रकों, इंडस्ट्री चैम्बर्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित नवप्रवर्तनों को बढ़ावा और व्यवसायीकरण, भारतीय कृषि की क्षमता की उन्मुक्तता- धन सृजन और रोजगार को बढ़ावा, स्वास्थ्य सेवा और पोषण, समावेशी विकास और कचरे से धन बनाना गोलमेज सम्मेलन के पांच प्रमुख विषय थे।

इसके अलावा इनक्यूबेटर्स, स्टार्ट-अप और विशेषकर महिलाओं द्वारा चलाये जा रहे स्टार्टअप के विषय पर एक ओपन सत्र भी

आयोजित किया गया था, जिसमें युवाओं - नवोदित उद्यमियों और पेशेवर पाठ्यक्रमों के छात्रों ने भागीदारी की, जहां उन्हें वर्तमान में देश में उद्यमिता, इनक्यूबेशन और स्टार्ट-अप इको-सिस्टम के कई दिग्गजों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। देश में शैक्षणिक, सार्वजिनक और निजी संस्थानों के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और तृणमूल नवप्रवर्तकों के बीच एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में सार्थक इन्क्युबेशन के लिए नई दिशाओं की पहचान करना था।

नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में तृणमूल नवप्रवर्तकों, इनोवेटिव स्कूली बच्चों विशेषकर इंस्पायर अवार्ड्स - मानक 2018-19 के विजेताओं ने भागीदारी की और उन्हें प्रेरित करने के लिए हजारों दर्शकों ने उत्सव के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पहली बार आसियान सदस्य राज्यों के दो तृणमूल नवप्रवर्तकों ने भी नवाचार प्रदर्शनी में भागलिया।

नवप्रवर्तक एवं उद्यमिता उत्सव 2019 के समापन सत्र के दौरान 19 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति के समक्ष सभी पांच गोलमेज सम्मेलनों के सारांश के रूप में मुख्य सिफारिशें प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर इन-रेजिडेंस में इनोवेशन स्कॉलर्स प्रोग्राम के छठें बैच ने भी फाइन 2019 के दौरान अपने अनुभव साझा किए।



माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2019 के दौरान इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के विजेताओं से बातचीत की।

इंस्पायर अवार्ड्स -मानक (राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क) स्कूली बच्चों के नवप्रवर्तनों की एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत के द्वारा किया जाता है । योजना के तहत प्रति वर्ष 10 लाख विचारों में से एक लाख का चयन किया जाता है और उन्हें 10000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। इन एक लाख बच्चों को आगे जिला, राज्य स्तर पर चयनित किया जाता है और राष्ट्रीय स्तर पर 60 विचारों/नवप्रवर्तनों को पुरस्कृत किया जाता है, जिसे रानप्र द्वारा इन्क्यूबेशन प्रदान किया जाता है। इसे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ''स्टार्टअप इंडिया'' पहल के साथ जोड़ा गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों (कक्षा 6 से 10) के जिरये भविष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा और मजबूती देने के लिए एक बेहतर मानव बल श्रंखला तैयार किया जा सके।

इसकी शुरुआत 6 अप्रैल 2018 को दिल्ली में सभी राज्य नोडल अधिकारियों (एसएनओ) की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के साथ हुई, जिसमें 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसके साथ ही रानप्र ने नामांकन जुटाने के लिए देश भर के राज्य और जिला पदाधिकारियों के साथ काम करना जारी रखा। इंस्पायर-मानक 2018 में नामांकन को अधिकतम करने के लिए सम्बंधित साहित्य (15 क्षेत्रीय भाषाओं में बुकलेट, पोस्टर और पत्र) को देश के लगभग 7 लाख स्कूलों (सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त या बिना मान्यता प्राप्त स्कूल, कक्षा 6 से 10 तक) में पहुंचाया गया। इसके साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं असमिया, बंगाली, कन्नड़, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, उड़िया, मराठी, पंजाबी, तिमल, तेलुगु, उर्दू, गुजराती के अलावा हिंदी और अंग्रेजी में एनीमेशन फिल्म विकसित और वितरित किया गया।

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक प्रतियोगिता वर्ष 2018-19 के दौरान देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2,87,994 नामांकन प्राप्त हुए थे।इनमें से 50,279 को प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता और बाद में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता की एक श्रृंखला के बाद 34 राज्यों के 776 छात्रों ने आईआईटी (IIT) दिल्ली में दो दिवसीय 7वीं राष्ट्र स्तरीय



सुश्री सुलोचना काकोडिया (मध्य प्रदेश) को नवप्रवर्तन ''स्वचालित टॉयलेट क्लीनिंग मशीन'' के लिए आईआईटी दिल्ली में 15 फरवरी 2019 को आयोजित 7वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (एनएलईपीसी) के दौरान पहला पुरस्कार प्रदान किया गया।



श्री प्रकाश जावड़ेकर, तत्कालीन केंद्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास ने 20, 21 नवंबर, 2018 को एमएनआईटी, जयपुर में इंस्पायर अवार्ड्स - मानक की मेंटरिंग कार्यशाला के दौरान छात्रों के साथ बातचीत की।

प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (14-15 फरवरी, 2019) में भाग लिया। राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का उद्घाटन 14 फरवरी को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा द्वारा किया गया और पुरस्कार समारोह 15 फरवरी को आयोजित किया गया था। कुल 60 छात्रों को उनके अभिनव विचारों/नवप्रवर्तनों के लिए पुरस्कृत किया गया।



इंस्पायर अवार्ड्स-मानक कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों के साथ बातचीत करते विद्यार्थी।

खोज, दस्तावेजीकरण और डेटाबेस प्रबंधन

राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता

असहायता प्राप्त तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट परम्परागत ज्ञान की 11वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (1अप्रैल 2017-31 मार्च 2019) में 35 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों से 15000 से भी अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई। 1 अप्रैल 2019 से 12 वीं द्विवार्षिक प्रतियोगिता प्रारम्भ हुई है और 31 मार्च 2021 तक प्रविष्टियां स्वीकार की जाएंगी।

कृषि उपकरणों संबंधी तृणमूल नवप्रवर्तनों की खोज में कृषि विभाग, ओडिशा सरकार के साथ सहभागिता

रानप्र के सहयोग से कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग, ओडिशा सरकार ने किसानों और कृषि श्रमिकों के लिए छोटे-छोटे अभिनव उपकरणों (मैनुअल / बैल के जरिए उपयोग किये जाने वाला / पॉवर - 2HP से कम) का उपयोग करने वाले किसानों के लिए

''मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जंत्रपति सम्मान'' योजना शुरू की। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नवाचारों / प्रौद्योगिकियों की पहचान करना और सम्मान प्रदान करना था. जो किसानों के काम को आसान बनाने के साथ-साथ खेती में महिलाओं के श्रम को कम करता हो।रानप्र ने नवाचारों के खोज और प्रलेखन पर 21 जिला और तीन जोनल स्तर की कार्यशालाओं का आयोजन किया. जहां ओडिशा के सभी जिलों के ग्रामीण स्तर के श्रमिकों, आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, कृषि अधिकारियों और कृषि इंजीनियरों ने भाग लिया। रानप्र-भारत और कृषि विभाग, ओडिशा द्वारा 22 सितंबर 2018 को भुवनेश्वर में गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यशाला भी आयोजित की गई। कुछ महीनों में ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रतियोगिता में लगभग 2000 आवेदन प्राप्त हए।हर जिले से तीन नवप्रवर्तकों को प्रमाण पत्र के साथ 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। योजना का राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह 24 फरवरी 2019 को कृषि भवन ओडिशा में आयोजित किया गया था। जिला स्तर पर 90 पुरस्कार विजेताओं के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जहां प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन भी किया गया। कुल 14 नवप्रवर्तकों को राज्य स्तर के पुरस्कार समारोह में



मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जन्त्रपति सम्मान योजना के तहत भुवनेश्वर, ओडिशा में राज्य स्तर पर प्रदर्शित नवाचार।

सम्मानित किया गया और शीर्ष नवप्रवर्तकों को विभिन्न श्रेणियों में 2,00,000/-रुपयेतक के नकद पुरस्कार दिए गए।

देश भर में खोज एवं प्रलेखन गतिविधियों को बढावा देना

रजनप्र भुवनेश्वर सेल ने 11-12 दिसंबर 2018 के दौरान तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट पारम्परिक ज्ञान के खोज एवं दस्तावेजीकरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 80 स्काउट्स ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्षमता निर्माण, नवाचारों एवं पारंपरिक ज्ञान पर आधारित पद्धतियों की खोज एवं प्रलेखन, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना और नवाचारों के खोज के लिए नई रणनीति तैयार करना था।

रानप्र देहरादून सेल में 29 नवंबर 2018 को खोज एवं प्रलेखन गतिविधियों को सक्षम करने के लिए एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों (गढ़वाल और कुमाऊं) और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों चकराता, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, चमोली, पौड़ी गढ़वाल में गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्य करने वाले 47 व्यक्तियों ने भागीदारी की। असम के सात जिलों में तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की खोज एवं प्रलेखन के लिए असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, असम सरकार के साथ साझेदारी में 7 अगस्त 2018 को कार्यशाला आयोजित की गई।

खोज एवं प्रलेखन गितविधयों को बढ़ाने के लिए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश और एनवी पटेल कॉलेज ऑफ प्योर एंड एप्लाइड साइंसेज, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात में 25 दिसंबर 2018 और 11 जनवरी 2019 को क्रमशः आयोजित किए गए। जहां विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत दो सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य तृणमूल नवप्रवर्तनों और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान की खोज एवं प्रलेखन पर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करना था, तािक वे अपनी छुट्टियों और अपने क्षेत्र के काम के दौरान खोज एवं प्रलेखन का कार्य कर सके। मिजोरम विश्वविद्यालय के वािनकी विभाग में नवंबर-दिसंबर 2018 के दौरान इसी तरह की गितिविध आयोजित की गई।

झारखंड राज्य आजीविका मिशन (JSLPS), झारखंड सरकार के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, स्वयं सहायता समूह (SHG) सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी शुरुआत झारखंड के दुमका जिले में 4 जनवरी 2019 को की गई। इसके साथ ही 5 जनवरी 2019 को झारखंड राज्य आजीविका मिशन के सखी सम्बद्ध कार्यक्रम के तहत दुमका जिले के स्वयं सहायता समूहों के लिए नवाचारों और पारंपरिक ज्ञान के स्काउटिंग एवं प्रलेखन और उनके सामाजिक और वाणिज्यिक प्रसार पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैठक आयोजित की गई।

रानप्र ने जम्मू एवं कश्मीर के अछूते और सीमावर्ती क्षेत्र जैसे चिनाब घाटी, विशेष रूप से रामबन, डोडा किश्तवाड़ और लद्दाख जैसे जिलों में स्काउटिंग और प्रलेखन शिविर भी आयोजित किए।शिक्षकों और छात्रों के साथ प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए ताकि उन्हें इस क्षेत्र से सर्वोत्तम पद्धितयों और नवाचारों का दस्तावेजीकरण करने में विशेष रूप से महिलाओं और महिलाओं के लिए नवाचारों को शामिल किया जा सके। पंजाब के मानसा जिले और हरियाणा के जींद, हिसार और सिरसा जिलों में स्काउटिंग और प्रलेखन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

पारंपरिक ज्ञान धारकों के साथ जुड़ाव

वर्ष के दौरान उत्तराखंड के मुक्तेश्वर, नैनीताल और पौड़ी गढ़वाल जिले, हिमाचल प्रदेश के ऊना और मंडी जिले; गुजरात के अरावली जिले; सिक्किम के पूर्व सिक्किम जिला, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिले, मणिपुर में चूरनचंदपुर जिला, असम के नगांव और नलबाड़ी जिले और बिहार के बांका जिले के गांवों में हर्बल उपचारकों (हर्बल हीलर्स) और किसानों के साथ कई कार्यशालाएं आयोजित की गई। हैदराबाद, तेलंगाना के वन अकादमी में हर्बल उपचारकों की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें आठ जिलों (महबूबाद, जोगुलम्बा गडवाल, नलगोंडा, जयशंकर भूपालपल्ली, निजामाबाद, नागरकुरनुल, रंगा रेड्डी और वारंगल ग्रामीण) के सैकड़ों उपचारकों/ किसानों ने भाग लिया। कार्यशालाओं का आयोजन ज्ञान धारकों के बीच एक दूसरे से सीखने को बढ़ावा देना, तृणमूल नवप्रवर्तनों के बारे में जागरूकता फैलाने और कृषि, पशु चिकित्सा एवं मानव स्वास्थ्य से संबंधित हर्बल पद्धितयों का दस्तावेजीकरण करने के लिए किया गया था।

इसके अलावा, 41 वीं शोध यात्रा के दौरान नवप्रवर्तकों और छात्रों के कई रचनात्मक विचारों के साथ-साथ कृषि, मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए कई पारंपरिक ज्ञान पद्धतियों का दस्तावेजीकरण किया गया। दो द्विभाषी (हिंदी / बंगाली) पुस्तिकाएं, पहला उपयोगी तृणमूल नवप्रवर्तनों पर और दूसरा कृषि एवं पशु चिकित्सा से संबंधित हर्बल पद्धतियों पर तैयार की गई और किसानों एवं ग्रामीणों के बीच वितरित की गई।

अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग)

इंजीनियरिंग टीम ने व्यापक क्षेत्र दौरे किए, जिसमें कई नवप्रवर्तनों का विस्तृत मूल्यांकन, प्रायर आर्ट सर्च, बाजार में उपलब्ध विकल्पों के साथ बेंचमार्किंग, मामले के विशेषज्ञों (एसएमई) की प्रतिक्रिया आदिली गई।



इंजीनियर, नवप्रवर्तकों, डिजाइन इंटर्न द्वारा फैबलैब में 24 तकनीकियों; रैपर पिकर, अखरोट तोड़ने की मशीन, कपास की बाती बनाने की मशीन, ट्रैक्टर संचालित ओनियन हार्वेस्टर, पानी उठाने वाला पंप, पशु शव उठाने की मशीन, फंसे हुए पशु संकेतक वाला डस्टिबन, व्हील चेयर के साथ सोने का बिस्तर, चिरौंजी का छिलका निकालने की मशीन, बाथरूम में गिरने की जानकारी देने वाला संकेतक, सार्वजनिक भवनों में दृष्टिहीनों के लिए सुविधाजनक नेविगेशन सुविधा प्रणाली, अनिवार्य सुरक्षा मॉस्क के साथ कीटनाशक स्प्रे पंप, दृष्टिहीनों के लिए इंटीलिजेंट चश्मा आदि के प्रोटोटाइप तैयार किये गए।

ओडिशा, असम और आंध्र प्रदेश में आठ स्थानों पर सामुदायिक कार्यशालाएं स्थापित की गई। इस प्रकार से अब 23 राज्यों में सामुदायिक कार्यशालाओं की संख्या बढ़कर 59 हो गई है। तृणमूल प्रौद्योगिकियों के मूल्य संवर्धन और सत्यापन के लिए एनआईटी मणिपुर में एक ग्रासरूट डिज़ाइन स्टूडियो (GRIDS) की शुरुआत की गई। आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, केरल, हरियाणा, ओडिशा, मणिपुर, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड सिहत बीस राज्यों के 39 नवप्रवर्तकों को अपने नवाचारों के बेहतर प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की गई।



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के फैब लैब में प्रोटोटाइप का विकास।

इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (INAE) के साथ रानप्र ने 20 सितंबर 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज (NIAS), बेंगलुरु में आईएनएइ (INAE) फेलो द्वारा फ्रूगल इनोवेशन नर्चिरिंग प्रोग्राम (FINP) के तहत मूल्य संवर्धन के लिए तकनीकियों के चयन के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। आईएनएइ (INAE) द्वारा सात तकनीकियों को आगे के मूल्यांकन, मूल्य संवर्धन और उन्हें टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में परिवर्तित करने के लिए चयनित किया गया। आईएनएइ (INAE) के साथ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज (NIAS), बेंगलुरु में 16 जनवरी, 2019 को एक अनुवर्ती कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां नवप्रवर्तकों और भारतीय विज्ञान संस्थान (IISC) बेंगलुरु के विशेषज्ञों द्वारा अन्य बातों के अलावा एफआईएनपी (FINP) के तहत मूल्य संवर्धन की गुंजाइश पर चर्चा की गई।

तृणमूल नवप्रवर्तनों के लिए मानक बनाने में रानप्र का हस्तक्षेप - बुलेट सैंटी

कृषि समुदाय और छोटे निर्माताओं के लाभ के लिए रानप्र ने बुलेट सैंटी (बहुउद्देशीय कृषि उपकरण) के निर्माण और प्रसार को औपचारिक रूप से आईएस/आईएसओ मानकों के अनुसार परीक्षण और प्रमाणन के लिए सक्षम प्राधिकारियों से संपर्क किया। हालांकि, मानकों का अभाव होने के कारण बुलेट सैंटी के परीक्षण और प्रमाणन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। रानप्र को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) - राष्ट्रीय मानक और नियामक संस्था द्वारा इस मुद्दे पर नए मानक विकसित करने का संज्ञान प्राप्त हुआ। बीआईएस ने रानप्र को विश्व निर्माता सूचकांक (डब्ल्यूएमआई) प्राप्त करने के लिए निर्माताओं की ओर से सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स इंक (एसएई), यूएसए से संपर्क करने का सुझाव दिया। एसएई इंटरनेशनल डब्ल्यूएमआई कोड के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी है। डब्ल्यूएमआई (WMI) कोड, निर्मित वाहनों के लिए पहचान संख्या की संरचना की स्थापना के संदर्भ के एक ढांचे के रूप में कार्य करता है।रानप्र और बीआईएस ने एसएई इंटरनेशनल के साथ मिलकर संयुक्त रूप से डब्ल्यूएमआई कोड के आवंटन के लिए दो निर्माताओं; नवप्रवर्तक मनसुखभाई जगानी के मालिकाना हक के तहत मैसर्स जय खोदियार वेल्डिंग वर्क्स और एम. एस राठौड एग्रो इंडस्ट्रीज के लिए कार्य किया और दोनों निर्माताओं को अब एसएइ (SAE) इंटरनेशनल द्वारा डब्ल्यूएमआई कोड आवंटित किया गया है।

कृषि

पौधों की किस्में

वर्ष के दौरान देशभर के कुल 14 किसानों की फूलगोभी, मटर, प्याज, गाजर, केला और धान की संशोधित किस्मों का सत्यापन सात कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों; बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, (बिहार), केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, (मणिपुर), डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, (महाराष्ट्र) और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ और केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, (केरल), राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, जयपुर (राजस्थान) और राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र केले (NRCB), तिरुचिरापल्ली, (तिमलनाडु) में किया गया। इसमें फूलगोभी की किस्म अपने सापेक्ष



चयन विधि से विकसित धान की कुबरी किस्म।

जाँची गई किस्म से गुणवत्ता और पैदावार के मामले में श्रेष्ठ पाई गई। गोपिका धान की किस्म ने अपने सापेक्ष किस्मों के समान लम्बे बाल का प्रदर्शन किया और इसे यांत्रिक कटाई के लिए भी उपयुक्त पाया गया। कमल-2 में अच्छी सुगंध के साथ मोटा अनाज पाया गया, जबिक हेमंत धान से उच्च उपज और अच्छे वाणिज्यिक मूल्य वाला बारीक पतले अनाज की पैदावार हुई। किसान की मटर किस्म को अपने सापेक्ष किस्मों से बेहतर पाया गया, जबिक प्याज की किस्मों (संदीप प्याज और सोना 40) ने उच्च उपज, औसत बल्ब वजन, छल्ले की अच्छी मोटाई और संदीप प्याज किस्म के मामले में उत्कृष्ट

शैल्फ जीवन देखा गया। किसानों की गाजर किस्मों मधुवन गाजर और दुर्गा -4 को राष्ट्रीय और स्थानीय संदर्भ किस्मों के मुकाबले बेहतर पाया गया।

दो आम की किस्मों का ऑन-साइट मूल्यांकन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चरल रिसर्च, बेंगलुरु द्वारा किया गया। यह बताया गया 'सेब का आम' और 'मोसम्बी का आम' किस्म क्रमशः अपने रूपात्मक गुणों और स्वाद के लिए अद्वितीय और अभिनव थे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पाइस रिसर्च, कोझीकोड (केरल) द्वारा छह किसानों की जायफल किस्मों का जैव रासायनिक विश्लेषण किया गया, जिसमें बताया गया था कि सौरीअमक्कल किस्म में ज्यादा तेल (24.30%) और माइरिस्टिसिन (Myristicin) (25.95%) की मात्रा होती है, जबिक एडावेरिम्बल गोल्ड (Edavarembil gold) में अन्य विभिन्न प्रकार की संदर्भ किस्मों की तुलना में काफी अधिक तेल (13.3%), कुल फिनोल (20.7 मिलीग्राम जीएई/जी) और अल्फा-लिमोनेन (9.84%) पाई गई। देश भर में सेब की किस्म-हिंग्मन 99 के 10,000 से अधिक पौधों



श्री हरिमन शर्मा द्वारा कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए विकसित हरिमन-99 सेब की किस्म का फलोत्पादन मणिपुर राज्य में हुआ।

को लगाने और 15 गैर-सेब उत्पादक राज्यों में फल प्राप्त होने के बाद (मिणपुर में संगठित रूप से खेती) किस्म के फल की गुणवत्ता का विश्लेषण आईसीएआर रिसर्च कॉम्प्लेक्स, इम्फाल द्वारा किया गया। मिणपुर में खेती के लिए विविधता की रिपोर्ट के आधार पर रानप्र ने मिणपुर के छह जिलों में आठ किसानों के बागों में हिरमन 99 सेब किस्म की व्यावसायिक खेती का प्रोजेक्ट शुरू किया गया।

पौध संरक्षण

भिन्डी के पत्ते को चूसने और छेद करने वाले कीटों के खिलाफ 13 हर्बल पद्धतियों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन परीक्षण कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी में किया गया। व्हाइटफ्लाइज़ और लीफहॉपर्स के खिलाफ दो पद्धतियाँ प्रभावी पाई गई।फल और शूट बोरर के खिलाफ भी दो पद्धतियाँ, जबिक भिन्डी के लाल कण के खिलाफ एकेरिसाइडल गुणों (acaricidal property) के लिए एक पद्धति रिपोर्ट की गई।

छह हर्बल पौधों के संरक्षण के जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन परीक्षण रानप्र अनुसंधान फार्म में भिन्डी के कीटों के खिलाफ किया गया था, जहां लीफहॉपर्स के खिलाफ पांच पद्धतियां उपचार के 14 दिनों बाद तक उत्कृष्ट नियंत्रण प्रदान करने में प्रभावी पाए गए। मूंगफली और धान के पौधों कों चूसने और छेद करने वाले कीटों के खिलाफ पांच किसानों के खेत में कीटनाशक गुणों वाले कई पौधों को मिलाकर तैयार दो मूल्य वर्धित मिश्रणों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन किया गया था।

मूल्य संवर्धन वाला जलीय-कीट-मिश्रण रासायनिक नियंत्रण के सापेक्ष छेदक कीटों और लाल बालों वाले कैटरिपलर के खिलाफ बहुत प्रभावी था। मूंगफली में व्हाइटबीट और जेसिड जैसे चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए भी यह फॉर्म्यूलेशन प्रभावी था, जबिक खरीफ 2018 के दौरान धान में भी भूरे पौधों के हॉपर, सफेद बैक प्लांट हॉपर और हरी पत्ती के हॉपर के प्रबंधन में भी प्रभावी पाया गया था।

रबी 2018-19 के दौरान रानप्र फ़ार्म के साथ-साथ किसानों के खेतों में मिर्च के कीटों के खिलाफ 13 हर्बल पद्धतियों का परीक्षण किया गया। व्हाइटफ्लाई और पीली माइट्स के खिलाफ दो पद्धतियां प्रभावी पाई गई, जबिक चार फॉर्म्यूलेशन व्हाइटफ्लाई के खिलाफ

प्रभावी थे और पीली माइट्स के खिलाफ पांच पद्धतियों का परीक्षण दो स्थानों पर प्रभावी पाया गया।

रानप्र के अनुसंधान फार्म में टमाटर और बैंगन को चूसने और छेद करने वाले कीटों के खिलाफ पेटेंट अनुप्रयोगों से संबंधित डेटा निर्माण के लिए तीन जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन परीक्षण किया गया। टमाटर में रासायनिक नियंत्रण की तुलना में लीफ माइनर और टोमैटो फूट बोरर के आबादी को प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया, जबिक बैगन कीटों के खिलाफ सभी मिश्रणों ने चूसने वाले कीटों (वाइटफ्लाई और जिस्सिड्स) की आबादी को कम किया और लाभकारी कीटों मकड़ियों, लेडीबर्ड बीटल पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला।

किसानों के खेतों में परीक्षण

रानप्र ने खरीफ और रबी 2018 के दौरान 16 राज्यों में 500 से अधिक किसानों के खेतों में 30 किसानों के पौधों की किस्मों के प्रदर्शन का मूल्यांकन परीक्षणों किया। इसमें गेहूं, धान, प्याज, बैगन, बाजरा, अरहर और सेम की किस्मों ने अध्ययन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया। धान की 15 किस्मों का प्रदर्शन मूल्यांकन परीक्षण गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किया गया। किसानों की किस्मों हेमंत, कमल और दादाजी एचएमटी में क्रमशः लंबे और अधिक पुष्पगुच्छ और अधिक संख्या में उपजाऊ बालियाँ पाई गई। जीएआर-13 (GAR-13) किस्म द्वारा किसानों की किस्म कुदरत-5 और चिनार-20 से अधिक अनाज की पैदावार दर्ज की गई।

कुल 53 किसानों को विभिन्न फसलों जैसे- बैंगन, भिंडी, कपास, मूंग बीन, तुरई और टमाटर के प्रदर्शन के परीक्षण के लिए मूल्यविर्धित तेल आधारित फॉर्म्यूलेशन प्रदान किया गया, जोिक व्हाइटफ्लाई, एफिड्स, मिली बग्स और जेसिड्स जैसे चूसने वाले कीटों के खिलाफ 80% तक नियंत्रण प्रदान करने में प्रभावी पाया गया। मूंग बीन के मामले में कैटरपिलर के खिलाफ फॉर्म्यूलेशन बहुत प्रभावी था और उत्कृष्टनियंत्रण प्रदान करता था।

पारंपरिक ज्ञान पर आधारित कीट प्रबंधन विषय पर फार्मस फील्ड्स स्कूल

कृषि में रसायनों के बोझ को कम करने के लिए स्थानीय उपलब्ध जैव संसाधनों के उपयोग से विभिन्न फसलों में कीट प्रबंधन के लिए किसानों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर और पश्चिम बंगाल में विभिन्न जिलों में आयोजित किया गया, जिसमें 500 से अधिक किसान शामिल हुए। किसानों को स्थानीय रूप से उपलब्ध विभिन्न पौधों से अवगत



सिक्किम में फार्मस फील्ड स्कूल का आयोजन।

कराया गया, जिनका उपयोग विभिन्न कीटों के नियंत्रण के लिए किया जा सकता है। हर्बल मिश्रण के जिरये मक्का में इनवेसिव कीट-स्पोडोप्टेरा फ़ुजीपेरडा के प्रबंधन के लिए गुजरात के दो जिलों में पहल की गई, जिसमें 50 से अधिक किसानों को शामिल किया गया।

पशु चिकित्सा

वर्ष के दौरान स्वदेशी दवाओं से टिक इन्फैक्शन, ब्लोट, गोजातीय अल्पकालिक बुखार, गैलेक्टोगॉग गुण (पशुओं में दूध बढ़ाने का गुण), लैक्टेशनल एनेस्ट्रस, अपरा स्थितियों का प्रतिधारण, एंडोपैरासाइट संक्रमण, ब्रायलर पिक्षयों में मस्टाइटिस कोक्सीडियल संक्रमण, मुर्गी पालन में रानीखेत रोग विषाणु और द्वितीयक जीवाणु जिटलता सिहत अन्य बीमारियों का इलाज पशु चिकित्सा नैदानिक

परीक्षण के समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा थे।

सात पशु चिकित्सा संस्थानों को 37 अद्वितीय औषधीय पद्धतियों के मूल्यांकन के लिए नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम से जोड़ा गया। कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, भुवनेश्वर (मस्टाइटिस), नागपुर वेटरनरी कॉलेज, नागपुर (एनेस्ट्रस), श्री वेंकटेश्वर वेटरनरी युनिवर्सिटी, तिरुपति (एनेस्ट्स), कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री, जबलपुर (एनेस्ट्रस) डॉ. जीसी नेगी कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज, पालमपुर (रिटेंशन ऑफ प्लेसेंटा), पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संकाय, आरएस पुरा (गैलेक्टोगॉग गुण) और कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज, उदगीर (बोवाइन अल्पकालिक बुखार) से पशु चिकित्सा के स्वदेशी पद्धतियों को वैज्ञानिक रूप से मान्य करने के शोध प्रस्ताव मांगे गए थे। उत्पाद विकास के प्रस्तावों को इंडियन जेनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड (हैदराबाद) और राकेश फार्मास्युटिकल्स (कलोल, गांधीनगर) की मदद से विकसित किया गया था, ताकि मवेशियों के मस्टटाइटिस, टिक और ब्लोट के इलाज में वैज्ञानिक रूप से मान्य प्रौद्योगिकियों के निर्माण को मानकीकृत किया जा सके।

इस दौरान नागपुर वेटरनरी कॉलेज एंड कॉलेज ऑफ़ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री, अंजोरा, दुर्ग में मस्टाइटिस, एनेस्ट्रस, पशुओं में ब्लोट और मुर्गीपालन में कोक्सीडीयोसिस (coccidiosis) के उपचार के लिए 10 अद्वितीय हर्बल पशु चिकित्सा दवाओं का परीक्षण किया गया। इसमें सभी दवाएँ ब्लोट की स्थिति से राहत दिलाने में कारगर पाई गई। नैदानिक परीक्षण शुरू करने और देश भर में पशु चिकित्सा संस्थानों के बीच पशु चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए 4 फरवरी 2019 को एक प्रोजेक्ट समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी।

रानप्र और तिमलनाडु वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी (TANUVAS) ने 26 जून, 2018 को वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (VCRI), ओरथानडू में 'पशुधन की स्वास्थ्य देखभाल के लिए स्वदेशी तकनीकी ज्ञान आधारित पद्धतियाँ' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में तंजावुर क्षेत्र के राज्य पशुपालन विभाग के 23 पशु चिकित्सा सहायक सर्जन और वीसीआरआई के संकाय ने भाग लिया। यहां पर स्वदेशी तकनीकी ज्ञान आधारित पद्धतियों का उपयोग करने के अवसर और प्रदर्शनों

को आगे बढ़ाने के लिए प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। रानप्र के राष्ट्रीय अभियान के तहत पॉलीहर्बल एकारिसाइड को लोकप्रिय बनाने के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें किसान अपने खेत में औषधी तैयार कर सकते हैं, इसके लिए ओरथानडू के निकट एक डेयरी सोसायटी, वेल्लोर में प्रदर्शन भी किया गया। राकेश फार्मास्युटिकल, गुजरात के सहयोगन से 11 जुलाई 2018 को फ़ीड अनुपूरक (विधि) के रूप में एक अनूठी पशु तकनीकी उत्पाद को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लांच किया गया।

रानप्र और छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्व विद्यालय ने 24 जुलाई 2018 को कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, दुर्ग में पशुधन स्वास्थ्य देखभाल के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में राज्य के पशुपालन विभाग के पांच जिलों धमतरी, दुर्ग, महासमुंद, राजनांदगांव और रायपुर के अधिकारियों साथ-साथ विश्वविद्यालय संकाय और पशुपालन विभाग द्वारा अठारह सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारियों को शामिल किया गया था। विश्वविद्यालय राज्य के भीतर टिक संक्रमण के नियंत्रण में रानप्र की तकनीक को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

डीजीसीएन कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज, पालमपुर ने रानप्र की एकारिसाइड तकनीक को अपनाया और इसे पूरे हिमाचल प्रदेश में लागू किया जा रहा है। दूरदर्शन केंद्र (DDK), शिमला ने इस विकास पर ध्यान दिया और 31 मई 2018 को एक वृत्तचित्र बनाने के लिए प्रदर्शन स्थलों का दौरा किया। इस कम लागत वाली प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने में रानप्र की भूमिका को विधिवत मान्यता और स्वीकृति मिली।

मानव स्वास्थ्य

अभिनव हर्बल पद्धितयों का सत्यापन - वर्ष के दौरान नौ संस्थानों / नैदानिक अनुसंधान संगठनों (सीआरओ) राष्ट्रीय जालमा कुष्ठ एवं अन्य माइक्रोबैक्टीरियल रोग संस्थान, आगरा, सीएसआईआर- सीमैप, केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ, एम्स नई दिल्ली, केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड, बेंगलुरु, हनागल श्री कुमारेश्वर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बगलकोट, कर्नाटक, आनंद

फार्मेसी कॉलेज, आनंद, डाबर रिसर्च फाउंडेशन, गाज़ियाबाद और पीइआरडी (PERD) सेंटर, अहमदाबाद में पूर्व-नैदानिक सत्यापन के लिए 33 नए प्रोजेक्ट शुरू किये गए। मसूड़े की सूजन के लिए एक नैदानिक परीक्षण प्रोजेक्ट एम्स, नई दिल्ली में भी शुरू किया गया।

रानप्र ने अस्थमा, मोतियाबिंद, मधुमेह, गैस्ट्रिक अल्सर, उच्च रक्तचाप, पीलिया, हीपेटो-प्रोटेक्शन, यूरोलिथियासिस, तपेदिक, मसूड़े की सूजन, ऑस्टियोपोरोसिस, तंत्रिका संबंधी विकार, मलेरिया, गठिया, टाइफाइड और कैंसर सिहत 16 रोगों के उपचार के लिए विभिन्न संस्थानों में चल रहे वैधता परीक्षण के प्रोजेक्ट्स का समन्वय किया गया, जो कि पूर्व-नैदानिक मान्यता के विभिन्न चरणों में है। वर्तमान में इन सभी रोगों की लगभग 125 अभिनव हर्बल पद्धतियां सत्यापन के अधीन है।

डाबर रिसर्च फाउंडेशन में परीक्षण के दौरान ऑस्टियोपोरोसिस के लिए चार पद्धितयाँ अस्थि पुनरुत्थान और हड्डी गठन के बीच संतुलन बनाए रखने में प्रभावी पाए गए, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित लोगों में फ्रैक्स का जोखिम कम हुआ। यक्ष्मा रोग से सम्बंधित दस में से चार हर्बल पद्धितयां राष्ट्रीय जालमा कुष्ठ एवं अन्य माइक्रोबैक्टीरियल रोग संस्थान, आगरा में जांच के दौरान माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के लिए बहुत प्रभावी पाया गया। विषाक्तता के अध्ययन के बाद वर्तमान में प्रभावकारिता का मूल्यांकन और न्यूनतम मानव खुराक की गणना के लिए इन-विवो सत्यापन का कार्य चल रहा है।

आनंद फार्मेसी कॉलेज, आनंद और एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड -बेंगलुरु में 12 हर्बल पद्धितयों के एंटी-एपिलेप्टिक एक्टिविटी का मूल्यांकन किया गया। दस हर्बल पद्धितयों का उनके मार्कर फाइटोकेमिकल के लिए आगे का मूल्यांकन और उत्पाद का विकास किया जाएगा, जिसे मानक दवा के समान पाया गया था। डाबर रिसर्च फाउंडेशन, गाजियाबाद में तीन हर्बल पद्धितयों का सूजन और गठिया प्रतिरोधी गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया जो आगे के सत्यापन के लिए आशाजनक परिणाम दिखाएगा।

उत्पाद विकास

हर्बल तकनीकियों में मच्छर से बचाने वाली हर्बल क्रीम (आयुर्वेदिक लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया), मोतियाबिंद आई ड्रॉप और जेल (बीवीपीडीयू, पुणे में नैदानिक परीक्षणों में) और हर्बल माउथ वॉश (एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में) ने अच्छी प्रगति की है।

बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन

इंजीनियरिंग से संबंधित नवाचारों के मामले में नवप्रवर्तकों के बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को हासिल करने के लिए रानप्र ने वर्ष के दौरान 57 पेटेंट आवेदन दायर किए। प्रथम मूल्यांकन रिपोर्ट (एफईआर) के जवाब 107 मामलों में जमा किए गए। अवधि के दौरान इंजीनियरिंग नवाचारों से संबंधित तेरह पेटेंट स्वीकृत किए गए।

मानव स्वास्थ्य संबंधी हर्बल पद्धितयों के लिए रानप्र ने हर्बल उपचारकर्ताओं / ज्ञान धारकों के नाम पर 32 पेटेंट के आवेदन और साथ ही 23 प्रथम मूल्यांकन रिपोर्ट (एफईआर) के लिए जवाब जमा किया। वर्ष के दौरान मानव स्वास्थ्य संबंधी हर्बल पद्धितयों पर छह पेटेंट स्वीकृत किए गए। पशु चिकित्सा पद्धितयों के 37 और कृषि पद्धितयों के छः मामले में अविध के दौरान, प्रथम मूल्यांकन रिपोर्ट के जवाब जमा किये गए। वर्ष के दौरान हर्बल कृषि पद्धितयों पर दोपेटेंट स्वीकृत किए गए।

वर्ष के दौरान कुल 89 पेटेंट दायर किए गए और 21 स्वीकृत हुए। इंस्पायर अवार्ड्स-मानक ट्रॉफी के लिए एक डिजा़इन पंजीकरण भी दायर किया गया।

रानप्र ने भी पीपीवी एंड एफआर प्राधिकरण में पादप किस्म पंजीकरण के लिए चार आवेदन (फूलगोभी, अंगूर और प्याज) दायर किए। वर्ष के दौरान किसानों द्वारा विकसित छह पौधों की किस्मों (चावल, अरहर, गेहूं) के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र पीपीवी एंड एफआर प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए।

तकनीकी हस्तांतरण

रानप्र ने इंजीनियरिंग से संबंधित पांच नवप्रवर्तनों एडजस्टेबल वॉकर, विस्को रिहैबिलिटेशन प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र), घर को गर्म रखने वाला बहुद्देशीय उपकरण, नूर आयरन एंड वर्क्स (जम्मू और कश्मीर), टाइमर आधारित ऑटो स्विच, एसके इलेक्ट्रॉनिक्स (मध्य प्रदेश), अखरोट का छिलका उतारने वाली मशीन,केएम ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज (जम्मू और कश्मीर), पशु शव वाहन, नेमारिट इंजीनियरिंग प्रा. लिमिटेड (गुजरात) का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने में सक्षम रहा।इसके साथ ही लकड़ी के खिलौनों के लिए हर्बल रंगों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक और समझौता गोगलगाई टॉयज एलएलपी (महाराष्ट्र) के साथ किया गया।

हर्बल पशु चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के व्यवसायीकरण के लिए रानप्र ने 24 अप्रैल 2018 को राकेश फार्मास्युटिकल्स, गुजरात के साथ एक समझौता किया। इस समझौते में एनेस्ट्रस, मस्टाइटिस और एक्टोपारासाइट संक्रमण के उपचार के लिए दवाएं शामिल हैं। रानप्र ने राकेश एनिमल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात के साथ 11 अक्टूबर 2018 को फार्म जानवरों के लिए इंडो पैरासाइट इनफेक्शन के नियंत्रण के लिए पेटेंट प्रौद्योगिकी के लिए प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौते किया। मस्टाइटिस के उपचार के लिए एक उत्पाद 'मस्तीरक', जो पशुधन को प्रभावित करने वाली बीमारी है, को सबक्लिनिकल और क्लिनिकल मस्टाइटिस (subclinical and clinical mastitis) के इलाज के लिए राकेश फार्मास्यूटिकल्स के साथ लाइसेंसिंग व्यवस्था के माध्यम से बाजार में उतारा गया।

रानप्र टीबीआई द्वारा व्यवसायीकरण

रानप्र की सहायता से गोगलगाई टॉयज एलएलपी को वाणिज्य मंत्रालय, डीआईपीपी द्वारा स्टार्ट-अप के रूप में मान्यता दी गई। यह रानप्र द्वारा समर्थित उच्च संभावित नवाचारों के लिए स्टार्ट-अप प्रोत्साहन देने के लिए पिछले वर्ष की गई पहल का एक विस्तार है। रानप्र द्वारा समर्थित कुल 13 उद्यमों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त है।

रानप्र-भारत के सहयोग से नवप्रवर्तकों/उद्यमियों की पांच प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों को स्थापित किया गया, जिसमें इन्वेंटो प्रोसेसिंग टूल्स प्राइवेट लिमिटेड (नवप्रवर्तक चन्दन पेस्ट बनाने की मशीन), रोबोटिंग गैजेट्स प्राइवेट लिमिटेड (नवप्रवर्तन ऑटोमैटिक कुकिंग मशीन (रोबो कुक), एवेंटा गैजेट प्राइवेट लिमिटेड (नवप्रवर्तन पोल प्रो), अयप्पम एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड (नवप्रवर्तन, मूंगफली खोदने की मशीन और डिस्क हैरो सीड ड्रिल) और मिट्टी कूल प्राइवेट लिमिटेड (मिट्टी कूल फ्रिज) शामिल है।

चार नवप्रवर्तनों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) में पंजीकृत किया गया, ताकि वे सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में एक विक्रेता के रूप में भाग ले सकें और स्टार्ट-अप्स को मिलने वाला लाभ उठा सकें। इनमें सीके इंटरप्राइजेज एंड एग्रो इक्विप्रमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (बागानों में छिड़काव करने वाली मशीन), नोशन टेक्नोक्रेट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (नेचुरल वाटर कूलर), रफीक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड (बहुउद्देशीय बढ़ईगीरी उपकरण), धरमबीर फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (बहुउद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण मशीन) शामिल है।



रानप्र ने मुख्य रूप से देश के दूर दराज, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में प्रसार और सामाजिक प्रसार की दिशा में अपना प्रयास जारी रखा। तृणमूल नवप्रवर्तनों के प्रसार के लिए नई परियोजनाओं की शुरुआत की गई और सिक्किम, मेघालय, असम, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मणिपुर, मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार, जम्मू और कश्मीर, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में चल रही प्रोजेक्ट्स का समर्थन किया गया।

नवीन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन

वर्ष के दौरान नेचुरल वाटर कूलर और स्वछता गाड़ी - कूड़ा उठाने एवं निपटान की गाड़ी को दूर-दराज और आदिवासी क्षेत्रों झारखंड के कुंती, दुमका, साहेबगंज, रांची; छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बस्तर, बीजापुर, जगदलपुर जिले; ओडिशा के खोरदा, मलकानगिरी, गंजाम, कालाहांडी, कंधमाल, मयूरभंज, नबरंगपुर जिले; दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी, बीरभूम जिले, बिहार के



नवादा, बिहार में नेचुरल वाटर कूलर की स्थापना।

नवादा जिले और सिक्किम का दक्षिण सिक्किम जिले में प्रसार किया गया। रानप्र ने मेघालय और अंडमान और निकोबार में बहुउद्देश्यीय प्रसंस्करण इकाई मशीन की शुरुआत की सुविधा प्रदान की, जहां रानप्र एक नवाचार प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ भी काम कर रहा है। यहां पहले से ही उन्हें कई नवप्रवर्तन जैसे हाथ से संचालित होने वाला पानी उठाने वाला पंप, धान की भूसी का चूल्हा, पेड़ पर चढ़ने वाला यंत्र, कई प्रकार के पेड़ों पर चढ़ने वाला यन्त्र, साइकिल के लिए कुदाल आदि उपलब्ध कराया गया है। सैनिटरी नैपिकन का उत्पादन करने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सेनेटरी नैपिकन मशीन की एक इकाई भी वहां स्थापित करने का

रानप्र ने जम्मू और कश्मीर के विभिन्न जिलों में कम लागत के कई नवप्रवर्तनों का प्रसार किया। इनमें से कुछ नवप्रवर्तनों को इच्छुक उद्यमियों द्वारा स्थानीय रूप से बनाया जा सकता है, क्योंकि इनका अधिकार रानप्र ने ग्रासरूट्स टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन एक्विजिशन फंड (जीटीआईएएफ) के तहत हासिल किया था। इन नवप्रवर्तनों में मैनुअल हैंड ऑपरेटेड वॉटर लिफ्टिंग पंप, सिर का भार कम करने वाला उपकरण, बहुद्देशीय उपकरण, धान की भूसी का चूल्हा, गोबर के उपले और लॉग बनाने की मशीन और अखरोट तो इने की मशीन शामिल हैं। रानप्र, विज्ञान प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन विभाग, सिक्किम सरकार के साथ राज्य के सभी जिलों में नवाचार हब स्थापित करने के लिए मिलाकर कार्य कर रहा है, तािक लोगों को कई



छत्तीसगढ़ के बस्तर में अगरबत्ती बनाने की मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।



असम के कर्बी, आंगलोंग में सेनिटरी नैपिकन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

नवीन तकनीकों तक पहुंचाया जा सके।

आजीविका के लिए नवप्रवर्तनों का प्रशिक्षण -

रानप्र ने मेघालय, मिणपुर और असम में धरमवीर कंबोज की बहुउद्देशीय प्रसंस्करण मशीन की सुविधा प्रदान की। शिलॉन्ग (मेघालय), गुवाहाटी (असम) और उखरुल (मिणपुर) में 2 से 11 अप्रैल 2018 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां 50 से अधिक लोगों को जैम, केचप, जूस, फलों के रस, साबुन, फेस वाश, शैम्पू आदि अन्य उत्पादों को स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल के उपयोग से बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल के जिरये उत्पादों को विकित्त कर एक वैकित्पक आजीविका का अवसर प्रदान करना था।



छत्तीसगढ के बस्तर में अगरबत्ती बनाने की मशीन चलाने का प्रशिक्षण

वन विभाग, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ की मदद से 26 मई 2018 को नांगुर गाँव में नवप्रवर्तक परेश पंचाल की अगरबत्ती की तीली बनाने की मशीन और डी वी चौहान की मल्टी-सीड डीकोर्टीकेटर मशीन स्थापित की गई। यहां आसपास के स्थानों के 12 स्वयं सहायता समूहों से लगभग सौ महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके साथ ही 18 जुलाई 2018 को उत्तर प्रदेश के डासना जेल में अगरबत्ती की तीली बनाने की एक मशीन दी गई। जेल के कैदियों के लिए नवप्रवर्तक द्वारा प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान की गई। वन विभाग, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ के आसना नर्सरी में 40 से अधिक लोगों को गोबर पॉट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के चितलौर ब्लॉक में तृणमूल नवप्रवर्तक अफ़ज़ल शेख की सेनेटरी नैपिकन बनाने वाली मशीन से कम लागत वाले सैनिटरी नैपिकन पैड बनाने के लिए तीन दिवसीय (27-29 मई 2018) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों की मदद के लिए सैनिटरी नैपिकन बनाने की मशीन प्रदान की गई। मिहलाएं पैड बनाकर और बेचकर अपनी आजीविका चलाती हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉक के पांच स्वयं सहायता समूहों की मिहलाओं ने भाग लिया। इसके साथ ही 13-20 जनवरी 2019 के दौरान शिलांग (मेघालय) और माजुली (असम) में सेनेटरी नैपिकन बनाने की मशीन के साथ इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झारखंड के दुमका जिले के शिवतल्ला गाँव में मिहलाओं की मदद के लिए सैनिटरी नैपिकन बनाने की मशीन चलाने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



छत्तीसगढ़ के बस्तर में गाय के गोबर से ईकोफ्रेंडली पॉट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

रानप्र-भारत राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मेघालय के सहयोग से राज्य के कुम्हारों की क्षमता बढ़ाने के लिए गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसके तहत मिट्टीकूल के अनुभवी नवप्रवर्तक एवं उद्यमी मनसुखभाई प्रजापित ने कुम्हारों के साथ बातचीत करने के लिए मेघालय का दौरा किया और उपलब्ध मिट्टी के नमूनों को देखा, जिसे उनके कारखाने में परीक्षण के लिए भेजा गया है। मेघालय के कुछ कुम्हारों को उनके स्थान पर आमंत्रित किया जाएगा ताकि वे कारखाने की प्रक्रिया को समझ सकें। मनसुखभाई वहां के कुम्हारों द्वारा मेघालय में इस्तेमाल होने वाली राज्यों के कुछ नवाचारों का भी प्रदर्शन किया गया। किसानों की विकसित किस्मों के बीज केवीके और प्रगतिशील किसानों को खेत पर परीक्षण के लिए दिए गए। इससे पहले तिमलनाडु में तृणमूल नवप्रवर्तनों को व्यापक रूप से अपनाने के लिए मई 2018 में आईसीएआर- केवीके, तिमलनाडु के साथ एक राज्य स्तरीय इनोवेटिव फार्मर्स मीट का आयोजन किया गया था।

रानप्र-भारत ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार द्वारा 5 मार्च से 7 अगस्त 2018 के दौरान तृणमूल नवप्रवर्तन में फार्म प्रोडक्शन, वैल्यू चेन इंट्रीगेशन एंड मार्केट लिंकेज पर आयोजित

> राष्ट्रीय किसान विज्ञान कांग्रेस में नॉलेज पार्टनर के रूप में हिस्सा लिया। इसमें 11 तृणामाूला नवप्रवर्तकों ने भाग लिया और रानप्र मंडप में अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया।। राजस्थान के फतेहपुर, सीकर जिले में 23-24 अगस्त 2018 के दौरान रानप्र और भारतीय कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहपुर द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय राज्य स्तरीय

अभिनव किसान मिलन और नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्थान के 15 जिलों के कुल 60 नवप्रवर्तकों ने भाग लिया और अपने नवाचार और नवीन पद्धतियों को प्रस्तुत किया। रानप्र ने ओडिशा के कालाहांडी में कालाहांडी संवाद में 28 सितंबर-30 सितंबर 2018 के दौरान भाग लिया, जहां एक नवाचार प्रदर्शनी लगाई गई थी। यहाँ पर 800 से अधिक प्रतिनिधियों, वक्ताओं, किसानों और छात्रों बीच विचारों का आदान प्रदान हुआ यह प्रदर्शनी क्षेत्र में हमारी गतिविधियों के लिए स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क जुटाने में सहायक बनी।

रानप्र ने लखनऊ में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के दौरान



असम के शिक्षा मंत्री श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य, आरएससी, गुवाहाटी में आयोजित नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

सरल मशीनरी को डिजाइन करने में भी मदद करेंगे। यह प्रयोग आशाजनक प्रतीत होता है और मेघालय के कुम्हारों के उपकरणों और तकनीकों को उन्नत करने में मदद करनी चाहिए।

प्रदर्शनियों/मेलों का आयोजन और प्रतिभागिता

रानप्र-भारत ने ओडिशा में आईसीएआर-सीआईएफए, ओयूएटी भुवनेश्वर और केवीके खोरदा के साथ भागीदारी में राज्य स्तरीय किसान नवाचार मेले का आयोजन किया। इस मेले में ओडिशा के सभी जिलों से 60 किसानों ने भाग लिया और अपने नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन किया। मेले में ओडिशा के किसानों के लिए उपयोगी अन्य

आयोजित मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एक्सपो एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर हारनेसिंग इनोवेशन (SATHI) में 5 से 8 अक्टूबर 2018 के दौरान भाग लिया। यहां छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तृणमूल नवप्रवर्तकों ने अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया। रानप्र ने नई दिल्ली में 23-27 अक्टूबर 2018 के दौरान आयोजित एमटीएनएल-परफेक्ट हेल्थ मेला में भी भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी नवाचारों को प्रदर्शित किया। रानप्र ने 'प्राइड ऑफ इंडिया एक्सपो 'में भाग लिया, जिसे पंजाब के जालंधर, पंजाब में 3 से 7 जनवरी 2019 तक 106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। इस वर्ष की भारतीय विज्ञान कांग्रेस का केंद्र बिंदु "प्यूचर इंडियाः साइंस एंड टेक्नोलॉजी" था। यहां देश के विभिन्न हिस्सों से बहुत से युवा छात्र, विशेष रूप से पंजाब के स्कूली छात्रों ने तृणमूल नवाचारों के बारे में अधिक रुचि दिखाई।

उत्तरी क्षेत्र में प्रसार को मजबूत करने के उद्देश्य से देहरादून में 10 जनवरी 2019 को ''तृणमूल नवप्रवर्तकों/ उत्कृष्ट पारम्परिक ज्ञान धारकों के स्वदेशी रचनात्मक तकनीकों को लोकप्रिय बनाना'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें उत्तराखंड के कृषि विज्ञान केंद्र, देहरादून, हरिद्वार, उत्तराखंड से टिहरी गढ़वाल; उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय,

रानीचौरी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और वनस्पति अनुसंधान विभाग, देहरादून और राष्ट्रीय शहरी आजीविका प्रियान कना दिमानल प्रदेश शामिल थे।

आजीविका मिशन, ऊना, हिमाचल प्रदेश शामिल थे। उत्तरी क्षेत्र में प्रसार को मजबूत करने के उद्देश्य से उत्तराखंड के कृषि विज्ञान केंद्र, देहरादुन, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, रानीचौरी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और वनस्पति सर्वेक्षण भारत, देहरादुन और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, ऊना, हिमाचल प्रदेश के साथ देहरादून में "तृणमूल नवप्रवर्तकों / विशिष्ट पारम्परिक ज्ञान धारकों के स्वदेशी रचनात्मक प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने विषय" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। रानप्र ने नॉर्थ बंगाल साइंस सेंटर के साथ सिलीगुड़ी में 29 से 31 जनवरी 2019 के दौरान एक साइंस एंड इनोवेशन फेस्टिवल 2019 का आयोजन किया, जिसमें कई तृणमूल नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रानप्र की टीम ने श्री कृष्णा साइंस सेंटर, पटना में 30-31 जनवरी 2019 के दौरान और रीजनल साइंस सेंटर, गवाहाटी में 9 से 10 फरवरी, 2019 के दौरान एक इनोवेशन फेस्टिवल का आयोजन भी किया, जिसमें पूर्वी और उत्तर पूर्वी राज्यों के लगभग दो दर्जन नवप्रवर्तकों ने भाग लिया।



मेघालय के शिलांग में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री कॉनराड संगमा, मुख्यमंत्री, मेघालय।

राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार 2018

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने उद्यमिता के लिए युवाओं में एक सांस्कृतिक बदलाव के लिए राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार (NEA) की शुरुआत की है, जिसमें उत्कृष्ट युवा पीढ़ी के उद्यमियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र के सहायकों को उद्यमिता विकास में योगदान के लिए पहचान और सम्मान प्रदान किया जाता है। रानप्र को ओडिशा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कार्यक्रम के कार्यान्वयन के साथ राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार (NEA) 2018 के कोर समिति सदस्य संस्था के रूप में आमंत्रित किया गया। रानप्र ने इन राज्यों में तीन क्षेत्रीय कार्यशालाओं के आयोजन के अलावा एमएसडीइ (MSDE) और 11 अन्य कोर कमेटी के साझेदारों के साथ आवेदन कों बढ़ाने और मूल्यांकन जैसी गतिविधियों में कार्य किया गया।

उपयोगकर्ताओं के अनुकूल स्मार्ट सोलर कुकिंग सॉल्यूशंस डिजाइन के लिए राष्ट्रीय चुनौती पुरस्कार

भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने और उनके

आदर्शों को बनाए रखने के लिए वर्ष भर में कई गतिविधियों का संचालन करने की योजना बनाई। गांधीजी के आत्मनिर्भर ग्रामीण गांवों के विचार को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने उपयोगकर्ताओं के अनुकूल स्मार्ट सोलर कुकिंग सॉल्यूशंस डिजाइन के लिए राष्ट्रीय चुनौती पुरस्कार की घोषणा की, जिसमें रानप्र को कार्यान्वयन के लिए साझेदार बनाया गया।

पुरस्कार का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के अनुकूल सोलर कुकिंग सॉल्यूशंस डिजायन; (क) घरेलू खाना पकाने (5 व्यक्तियों) (ख) छोटे समुदाय के खाना पकाने (50 व्यक्तियों) और (ग) बड़े सामुदायिक खाना पकाने (300 व्यक्तियों) तैयार करना था। पुरस्कार के लिए डिजाइन का चयन प्रौद्योगिकी और घोषणा के दौरान दस्तावेज में उल्लिखित कुछ मानदंडों की पूर्ति के अधीन होगा।इसके लिए प्रविष्टियां 31 मार्च 2019 तक प्राप्त हुई थी।

आसियान इंडिया इनोवेशन प्लेटफॉर्म

भारत का मुख्य केंद्र बिंदु आसियान (एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस) के साथ एक मजबूत संबंध बनाना है, जिसमें इंडोनेशिया, सिंगापुर, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई, थाईलैंड, कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार और वियतनाम शामिल हैं। इस बहुआयामी संबंध के मूल में नेटवर्किंग और विचारों को साझा करना शामिल था। इस दिशा में आसियान-भारत इनोवेशन प्लेटफ़ॉर्म (एआईआईपी) आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग का एक प्रमुख तत्व है। एआईआईपी में तीन उप-घटक; सामाजिक नवाचार (राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा समन्वित किया जा रहा है), अनुसंधान नवाचार (एनआरडीसी द्वारा समन्वित किया जा रहा है) और उत्पाद नवाचार (फिक्की द्वारा समन्वित किया जा रहा है) शामिल है।

आसियान-भारत इनोवेशन प्लेटफॉर्म (एआईआईपी) का सामाजिक नवप्रवर्तन घटक रानप्र द्वारा समन्वित किया जा रहा है, जोकि "इनोवेशन बैंक" विकसित करने की दिशा में एक कदम है। गतिविधियों में सामाजिक नवप्रवर्तन पर जानकारी साझा करना, आसियान देशों से भारत के अभिनव समाधानों और इनोवेशन मेंटर्स को आसियान (ASEAN) देशों के मेन्टर्स के साथ जोड़ना, ओपन सोर्स इनोवेशन / टेक्नॉलॉजी को एकत्रित करना, सभी एक्सपायर्ड और परित्यक्त पेटेंट्स को शामिल करना, कुछ चुने हुए इनोवेशन को मल्टी-लैंग्वेज और मल्टीमीडिया फॉमेंट में शेयर करना, उत्कृष्ट भारत-आसियान नवाचारों का नवप्रवर्तक एवं उद्यमिता उत्सव में प्रदर्शन, आवधिक कार्यशाला / संगोष्ठी / नवप्रवर्तन मेला / प्रदर्शनी का आयोजन और समाज के लिए नए इनोवेटिव आइडिया सोर्सिंग / हार्नेसिंग / पोषण आदि के लिए भारत और आसियान में मौजूदा नवप्रवर्तन नेटवर्क्स को जोड़ना, प्रोजेक्ट मोड़ में कम लागत वाली प्रौद्योगिकी / नवोन्मेषी विचारों को विकसित करना और जमीनी स्तर पर आगे स्थानांतरण / कार्यान्वयन करना और बिना किसी सामाजिक, पर्यावरणीय और अन्य भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के संबंध में क्षेत्र की लगातार समस्या के समाधान के लिए चुनौती पुरस्कार प्रदान करना शामिल है। रानप्र ने पोर्टल का टेम्प्लेट विकसित किया, जिसे अब डेटा के साथ बढाया जा रहा है।

आसियान इंडिया ग्रासरूट इनोवेशन फोरम 2018, इंडोनेशिया

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में



तृणमूल नवप्रवर्तकों, छात्र नवप्रवर्तकों और रानप्र की टीम ने आसियान इंडिया ग्रासरूट इनोवेशन फोरम में 27-30 सितंबर, 2018 के दौरान पुष्पिटेक इनोवेशन महोत्सव, इंडोनेशिया में भाग लिया।

आसियान इंडिया ग्रासरूट्स फोरम के रूप में इंडोनेशिया के जकार्ता में पृष्पिटेक इनोवेशन फेस्टिवल (पीआईएफ) - 2018 का आयोजन सेंटर फॉर रिसर्च साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंडोनेशिया नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क; अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और उच्च शिक्षा मंत्रालय में 27-30 सितंबर 2018 के दौरान आयोजित किया गया। फोरम ने तृणमूल नवप्रवर्तन पर एक सेमिनार आयोजित किया, जिसमें मुख्य भाषण सत्र और पैनल चर्चा, एक तृणमूल नवप्रवर्तन प्रतियोगिता और एक छात्र नवाचार प्रतियोगिता, भारत और आसियान के अधिकांश सदस्य राज्यों - कंबोडिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ नवप्रवर्तनों की एक प्रदर्शनी शामिल है।

चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत (रानप्र) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा कई गतिविधियाँ संचालित की गई। इन सभी ने भारत और आसियान के सदस्य देशों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष संबंधों को गहरा किया। नवप्रवर्तन प्रतियोगिताओं में भारत के दीपांकर दास ने अपने नवप्रवर्तन सोलर थ्रेशर के लिए छात्र वर्ग में

दूसरा पुरस्कार जीता, जबिक भारत के ईश्वर सिंह कुंडू ने अपने नवप्रवर्तन हर्बल फॉर्मुलेशन फॉर एग्रीकल्चर के लिए तृणमूल नवप्रवर्तनवर्गमें दूसरा पुरस्कार जीता।

प्रदर्शनी में भारत और आसियान के सदस्य राज्यों में इंडोनेशिया ने महत्वपूर्ण भागीदारी की। भारत के तृणमूल नवप्रवर्तनों और बच्चों की रचनात्मकता से उपजी वस्तुओं के संबंध में आगंतुकों के पास बहुत सारे प्रश्नथे, जो उनकी जबरदस्त रूचि को दर्शाता है।

ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक कॉन्क्लेव 2018, दक्षिण अफ्रीका

रानप्र ने दक्षिण अफ्रीका में 25 से 29 जून 2018 के दौरान डरबन में आयोजित ब्रिक्स यंग साइंटिस्ट कॉन्क्लेव 2018 के दौरान ब्रिक्स यंग इनोवेटर 2018 के चयन के लिए निर्णायकों के अंतर्राष्ट्रीय पैनल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। युवा नवप्रवर्तक अभिषेक भगत, 'ऑटोमैटिक फूड मेकिंग मशीन' और 'गॉगल फॉर द ब्लाइंड 'के नवप्रवर्तक अनंग टडर ने ब्रिक्स युवा नवप्रवर्तक प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने नवाचारों के लिए बहुत सराहना हासिल की।



नवप्रवर्तक अनंग टडर ''ब्रिक्स इनोवेशन प्रतियोगिता 2018,'' डरबन, दक्षिण अफ्रीका में अपनी प्रस्तुति देते हुए।

नवप्रवर्तकों को मिली पहचान

70 वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या (26 जनवरी 2019) को एक गर्व का क्षण था, जब सरकार ने रानप्र द्वारा समर्थित तीन तृणमूल नवप्रवर्तकों जगदीश प्रसाद पारिख, उद्धब कुमार भराली और वल्लभभाई वसारामभाई मारवानिया को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्म श्री से सम्मानित करने की घोषणा की। जगदीश प्रसाद पारिख को उनके नवाचार, अजीतगढ़ चयन - एक नई संशोधित फूलगोभी किस्म के लिए रानप्र के पहले राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार (2001) से पुरस्कृत किया गया था, जबिक उद्धव कुमार भराली उनके नवाचारों अनार छिलने की

मशीन, सुपारी छिलने की मशीन, और बांस चीरने की मशीन के लिए पांचवें तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार (2009) से पुरस्कृत किया गया था। वल्लभभाई वसारामभाई मारवानिया को नवाचार " मधुवन गाजर - गाजर की संशोधित किस्म" के लिए 9 वें राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार (2017) से पुरस्कृत किया गया था। इन सभी तीन नवप्रवर्तनों को रानप्र द्वारा सत्यापन, मूल्य संवर्धन, बौद्धिक संपदा संरक्षण और प्रसार के लिए इन्क्यूबेशन सहयोग प्रदान किया गया था।



भारत के माननीय राष्ट्रपित श्री राम नाथ कोविंद द्वारा पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करते नवप्रवर्तक श्री जगदीश प्रसाद पारिख।



भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करते नवप्रवर्तक श्री उद्धव कुमार भराली।



भारत के माननीय राष्ट्रपित श्री राम नाथ कोविंद द्वारा पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करते नवप्रवर्तक श्री वल्लभभाई वसारामभाई।

कार्यालयी भाषा नीति

सरकार की कार्यालयी/अधिकारिक भाषा नीति को लागू करने के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन संस्थान ने कई कदम उठाए हैं। चूंकि प्रतिष्ठान के कर्मचारियों में प्रोफेशनल्स देश के विभिन्न राज्यों और भाषाओं वाले हैं। ऐसे में उनमें हिन्दी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रत्येक दिन परिसर के व्हाइट बोर्ड पर एक हिन्दी शब्द लिखा जाता है। स्टाफ की सहजता के लिए शब्द का फोनेटिक ट्रांसक्रिप्शन और अंग्रेजी भाषा में उसके मायने को भी बोर्ड पर लिखा जाता है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान क्षेत्रीय भाषाओं को भी आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। स्थानीय भाषाओं में प्राप्त होने वाले पत्रों का उत्तर उसी भाषा में ही दिया जाता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएं ली जाती है। रानप्र पांच क्षेत्रीय भाषाओं उड़िया, तेलगू, तिमल, मलयालम और गुजराती में न्यूजलेटर के प्रकाशन को भी सहयोग देता है।

प्रशासनिक मामले

स्टॉफ की भर्ती

विभिन्न स्तरों पर फैलो, आरए, प्रशासनिक और फाइनेंस मैनेजर्स/ एसोसिएट्स के लिए वर्ष के दौरान सात बार आवेदन व साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनायी गई तथा 64 अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों (संविदापर) के लिए चयनित किया गया।

नियमित पैमाने पर एक वैज्ञानिक सी का पद (एक इस्तीफे के बाद खाली) और प्रतिनियुक्ति पर एक वैज्ञानिक एफ का पद भी भरा गया। दोनों वैज्ञानिकों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और रानप्र में शामिल हो गए।

सरकार सम्बन्धित गतिविधियां

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत द्वारा विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग को वर्ष 2017-18 की अनुमोदित वार्षिक रिपोर्ट हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में, साथ ही आउटकम बजट, वार्षिक, आरटीआई रिपोर्ट, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी 2018 पर नीति आयोग के लेखन पर इनपुट, पीएसए, राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्य (एनबीटी) 11 के लिए जीएफआर नियम 229 (x) पर इनपुट, स्वायत्त निकायों पर अध्ययन का डेटा (2016-17, 2017-18), नीति आयोग के समक्ष समीक्षा के लिए डेटा, और संसदीय प्रश्नों से संबंधित जानकारी आदि सौपा गया। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओ) के रूप में रानप्र की मान्यता का नवीकरण किया।

प्रकाशन

पुस्तकें

- 1. 10 वां राष्ट्रीय पुरस्कार पुस्तक 2019
- 2.डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड बुक 2018
- 3. नवाचारों के स्काउटिंग एवं प्रलेखन के लिए गाइड

पुस्तिकाएं

- 1. तृणमूल नवप्रवर्तन द्विभाषी पुस्तिका (हिंदी और बंगाली), अंडमान और निकोबार शोध यात्रा के लिए
- 2. हर्बल पद्धतियों पर द्विभाषी पुस्तिका (हिंदी और बंगाली), अंडमान एवं निकोबार शोध यात्रा के लिए
- 3. हर्बल कृषि पद्धतियाँ

शोध एवं समीक्षा पत्र

Neeraj K. Sethiya, Raeesh M. Shekh, Pawan K Singh (2019) Wild banana [Ensete superbum (Roxb.) Cheesman.]: ethanomedicinal, phytochemical and pharmacological overview. Journal of Ethnopharmacology. Apr 6; 233:218-233. doi: 10.1016/j.jep.2018.12.048.

M. Maurya, Charu & Maurya, Nitin & Kumar Das, Amarendra (2019) Awareness, Availability, and Accessibility of Assistive Technologies for the Elderly in India: A Review, Smart Innovations, Systems and Technologies-Proceedings of ICoRD 2019 Volume 2, Ed. Amaresh Chakraborti, Springer Nature Singapore, pp 537-547.

Parvez N., Choudhary H., Parihar S., Gandhi K.,

Singh, S., Rathore R., Zulapi R., Kasva B., Kumar R., Raghuvanshi PS., Verma G. (2019) Profiling of nutritional traits in indigenous wheat cultivars, Journal of Experimental Biology and Agricultural sciences, 7(1): 1-11.

Mahesh Chodavadiya, Satya Singh, Hardev Choudhary (2018) Adoption of remunerative farmers' developed varieties of rice: Case studies from Odisha and Chhattisgarh states of India, Agric. Sci. Digest. 38 (3): 166-171

Neeraj K. Sethiya, Nasir M. Ahmed, Raeesh M.Shekh, Vivek Kumar, Pawan Kumar Singh and Vipin Kumar (2018) Ethnomedicinal, phytochemical and pharmacological updates on *Hygrophila auriculata* (Schum.) Hiene: an overview. Journal of Integrative Medicine, Volume 16, Issue 5, September 2018, Pages 299-311

Hardev Choudhary and Satya Singh (2018) Grassroots Innovations: Pathways for Sustainability and Prosperity. Grassroots Innovation; Harnessing the Potential of Local Creativity (eds). A. K. Singh et al. ISBN 978-81-7622-443-7. Page no. 105-108.

Pooja Rawat and Pawan Kumar Singh (2018) Analysis of Patents Filed for the Herbal Therapeutics against Cancer; M. S. Akhtar, M. K. Swamy (eds.), Anticancer Plants: Properties and Application, https://doi.org/10.1007/978-981-10-8548-2_10, pg 207-228.

Kataviya KB, Parmar B, Patel R, Das PJ, Kumar V, Mahajan A, Singh R, Thakur D, Kinhekar A, Ravikumar RK, Kumar V (2018) Improvising livestock service in hilly regions through indigenous wisdom toward control of tick infestation: Institutional relationships, Veterinary World, 11(5): 687-692.

सम्मलेन/संगोष्ठी में सार तत्व

Noushad Parvez, Raj Patel and Hardev Choudhary (2018) Performance Evaluation and Assessment of Farmers' Wheat Cultivars. Abstract published in VI Rajasthan Science Congress on Innovation in Science and Technology for Sustainable Development. Central University of Rajasthan, Ajmer, Oct 13-15, Pp. 91-92.

Satya Singh, Hardev Choudhary, Sundaram Verma (2019) Innovative Green Grassroots Plantation Technique for Combating Desertification. Abstract (T-2/O-2; page 36) published in 13th International Conference on Development of Drylands, February 11-14, 2019.

Noushad Parvez, Swati Prihar, Bhaumik Ahir, Leelaram Sahu, Hardev Choudhary (2019). Assessment, promotion and adoption of farmer's developed brinjal variety. Abstract (No. 404; Page no. 203) published in XIV Agricultural Science Congress "Innovations for Agricultural Transformation" February 20-23, 2019



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान — भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान National Innovation Foundation - India

Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India

वार्षिक लेखा वर्ष 2018-19 के लिए

31 मार्च, 2019 को तुलनपत्र

(राशि रुपये)

विवरण	अनुसू ची	31.03.2019	31.03.2018
I. आधार/पूँजीगत निधि एवं देयताएं			
आधार/पूँजीगत निधियां भंडार और अधिशेष अजित / अंतराल फंड सुरक्षित ऋण और उधारी असुरक्षित ऋण और उधारी अस्थागेत ऋण वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	1 2 3 4 5 6 7	11,09,67,165 5,31,88,626 6,09,57,855 - - - 1,60,59,649	15,58,54,475 4,48,14,315 14,99,92,919 - - - 26,75,075
• कुल		24,11,73,295	35,33,36,784
II. परिसम्पत्तियां अचल परिसम्पत्तियां निवेश- अजित / अंतराल फंड से निवेश - अन्य	8 9 10	2,42,02,691	2,12,62,333
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां विविध व्यय (जिसको लिखित या समायोजित नहीं किया गया है)	11	21,69,70,604	33,20,74,451
कुल		24,11,73,295	35,33,36,784

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा पर टिप्पणियां

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स के लिए चार्टड एकाउंटेंट्स फर्म पंजी सं. 115785W

S. S. Pomani

सीए् स्नेहल एस. सोमानी

साझेदार

सदस्यता सं. 127087

यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611 स्थान : गांधीनगर

स्थान : गांधीनगर दिनांक : 06-08-2019 राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत के लिए

डॉ. विपिन कुमार

24

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय खाता

(राशि रुपये)

विवरण	अनु सूची	2018-19	2017-1
आय	1		
बिक्री / सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान / सब्सिडी	13	18,81,32,689	19,01,91,16
शुल्क / सदस्यता	14	-	-
निवेश से आय (निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड से निवेश पर आय को कोष में	15		
स्थानांतरित कर दिया गया है)	15	-	
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय,	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	62,64,824	1,42,20,94
अन्य आय	18	4,95,777	11,15,99
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	-	-
कुल (क)		19,48,93,290	20,55,28,11
व्यय			
स्थापना व्यय	20	4,55,95,129	4,95,69,99
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	12,97,90,388	11,32,39,53
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,	22	-	-
ब्याज	23	99,66,647	40,38
कुल (ख)		18,53,52,164	16,28,49,91
तुलन पत्र को स्थांतरित आय के ऊपर व्यय की अधिकता (क-ख)		95,41,126	4,26,78,20
मूल्यहास वर्ष के अंत में कुल Prior period adjustment		54,33,955	47,61,23
शेष जो कि अधिक/(घाटा), जिसे की कॉर्पस / कैपिटल फंड ले जाया गया		41,07,171	3,79,16,97

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और लेखा पर टिप्पणियाँ

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स के लिए

चारेड एकाउंटेंट्स फर्म पंजी सं. 115785W

S.S. Somani

सीए स्रेहल एस. सोमानी साझेदार

सदस्यता सं. 127087

127007

यूडीआईएन : **19127087AAAAB**T6611

स्थान : गांधीनगर दिनांक : 06-08-2019 24

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत के लिए

डॉ. विपिन कुमार

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र

31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

		(siisi via)
नुस्ची : 1 - आधारभ्त/पूँजीगत निधि :	जैसा कि 31.03.2019 को	जैसा कि 31.03.2018 को
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	15,58,54,475	3,31,16,123
घटाएं: ब्याज सहित अनुदान वापसी	(4,14,94,481)	
घटाएं : ओवरहेड शेयरिंग/ बेनिफिट शेयरिंग को हस्तांतरण	(75,00,000)	-
जोड़े/(घटाएं) : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	41,07,171	12,27,38,352
साल के अंत में शेष	11,09,67,165	15,58,54,475
		(राशि रुपये)
सूची : 2 - भंडार और अधिशेष	जैसा कि 31.03.2019 को	जैसा कि 31.03.2018 को
1 विशेष संचय		
अंतिम खाते के अनुसार	4,48,14,315	3,99,54,483
वर्ष के दौरान वृद्धि	83,74,311	48,59,832
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	-	-
कुल	5,31,88,626	4,48,14,315





राष्ट्रीय नवषवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

भनुस्	सूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31	.03.2019 को	जैसा कि	31.03.2018 को
1	सेवाओं पर चौधी उलोबत प्रदर्शनी क पिछले तुन्तन पत्र के अनुसार शेष ख पाना अनुदान ग <u>प्रदाण, निर्मिष के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग</u> i. प्रजीयात व्यय ii. राजन व्यय		28,80,380	28,80,380		
		कल व्यय	20,00,300	28,80,380		
2	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग] एआईएसटीडी- आसियान विज्ञान सप्ताह पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनदान			-		
	ग घटाएं: तिधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पुजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय		(252)			
	साल के आखिर में कल शेष [क+ख-ग]	कल व्यय	(352)	(352)		
- 1	आसियान- इंडिया यास-रूट इनोवेशन फोरम (आईजीआईए क पिछले तलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनुदान ग <u>घटाएं, निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग</u> 1. पुंजीयत व्यय	ক)	-	1,20,68,700		
	ii. राजस्व व्यय		51,71,985			
	घ अव्ययित अनदान वापस दिया गया साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		51,71,985 50,00,000 18,96,715		
	आसियान-आरत विज्ञान और तकनीकी विकास निष्यि (आ क पिछले तलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुसान ग प्रदाएं: निष्यि के उद्देशों के लिए व्यय / उपयोग ।, प्रनीमत व्यय ॥. राजस्व व्यय	र्डएसटीडीएफ)	10,62,311			
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		10,62,311 (10,62,311)		
13	आसियान इनोटेक समिट क पिडले तलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनुदान ग प्रदाए: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग । प्रजीयात व्यय ॥. राजस्य व्यय		1,92,305	:		
	साल के आखिर में कृत शेष [क+ख-ग]	कल व्यय		1,92,305 (1,92,305)		
1 5	डीबीटी प्रोजेक्ट फॉर नैनो टेक्नोलॉजी बेस्ड हबेल फॉर्मला क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान			28,69,800		
3	ग <u>घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय</u> / उपयोग ।. पंजीगत व्यय ॥. राजस्व व्यय		1,00,000			
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		1,00,000 27,69,800		
ख	डिजाडन डनोवेशन सेंटर आईआईएससी क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष छ प्राप्त अनुदान			22,00,000		
31	ग <u>पदाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उ</u> पयोग i. पंजीवात व्यय ii. राजस्व व्यय		1	22,00,000		
-	साल के आखिर में कृत शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		22,00,000		
ख	डिजाइन इनोवेशन सेंटर आईआईटी बॉम्बे ह पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष इ प्राप्त अनुदान			-		
d)	ा <u>पटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए ट्यय / उपयोग</u> । पूंजीगत ट्यय ॥. राजस्व ट्यय	कल ट्यय	17,39,000 50,77,759	69 16 350		
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	Contract of the Contract of th		68,16,759 (68,16,759)	-	

राष्ट्रीय नवपवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

नुस्	यी 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.0	03.2019 को	जैसा कि 3	1.03.2018 को
9	डीएसटी प्रोजेक्ट					, , ,
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष					
	ख प्राप्त अनुदान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
	i. प्जीगत व्यय		-			
	ii. राजस्व व्यय		-			
		कल व्यय		-		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]			-		
0	डीएसटी प्रोजेक्ट- जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल प्रदर	ानी				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष					
	ख प्राप्त अन्दान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए ट्यय / उपयोग					
	i. प्जीगत व्यय		73,71,821			
	ii. राजस्व व्यय		3,19,630	_		
		कल व्यय	-	76,91,451		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-	(76,91,451)		
	A-A-A-A-A					
1	डीएसटी प्रोजेक्ट- वेटेनरी क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष					
	ख प्राप्त अनुदान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
	ं. पंजीगत व्यय					
	ii. राजस्व ट्यय					
	॥. राजस्व व्यय	कल व्यय		_		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	कल व्यय	-			
	साल के जाविर न कुल राव [कर्मखना]		-			
2	डीएसटी परियोजना- जनजातीय समदायों का कल्या					
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	ol .				
	ख प्राप्त अनदान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
	і, पंजीगत व्यय					
	ii. राजस्व ट्यय		9,62,395			
	m torta	कल ट्यय	5/02/555	9,62,395		
	साल के आखिर में कल शेष [क+ख-ग]	4111 044		(9,62,395)		-
	tun a suret a far a t far a d			(2)22/22/		
3	हरिओम आश्रम					
1	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष					
	ख प्राप्त अनुदान			-		
1	gi अन्य रसीदें / समायोजन			13,92,556		
1	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
	i. पुंजीरात व्यय					
	ii. राजस्व व्यय		4,10,000			
		कल ट्यय		4,10,000		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]			9,82,556		
4	भारतीय दक्षिण अफ्रीका एस एंड टी					
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष			-		
	ख प्राप्त अनुदान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
	i. प्ंजीगत व्यय		- 1			
	ii. राजस्व व्यय		(212)	(242)		
		कल ट्यय	-	(212)		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-	212		
-						
5	भारत-दक्षिण अफ्रीका दविपक्षीय विशेषज्ञ बैठक					
1	क पिछले तुलन पत्र के अन्सार शेष छ पाप्त अनदान					
	ख पाप्त अन्दान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
1	i. पुंजीगत ट्यय					
	i. राजस्व व्यय		(3,000)			
	((44	कल ट्यय	(5,000)	(3,000)		
	साल के आखिर में कल शेष [क+ख-ग]	यात ज्याप	-	3,000		
	and a sure of the second		-	5,000		
6	इनोवेशन फंड					
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष					
	ख प्राप्त अनदान					
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग					
1	i. पंजीगत ट्यय		2,24,18,272			
	ii. राजस्व व्यय		-1-1/1-0/-/-			
	101(4 544	कल व्यय		2,24,18,272		
1	घ ओवरहेड में हस्तांतरण और लाभ साझा करना	NAMEDIA	2,87,264	2,87,264		
1		A STATE OF THE STA	- Novices			
1	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	OF SUILING AN	0.	(2,27,05,536)		

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

नुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.	03.2019 को	जैसा कि 31.03.2018 को
7 इंस्पायर क पिछले तलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग प्रदाप: लिपि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. प्जीयत व्यय ii. राजस्व व्यय	कल ट्यय	12,54,618 7,07,88,144	7,20,42,762	
साल के आखिर में क्ल शेष [क+ख-ग] ह दक्षिण अश्रीका प्रतिनिधिमंडत के लिए आईपीआर कार्यशाला क पिछले तलन पत्र के अनुसार शेष यापन अनदान ग प्रदारं निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग			(7,20,42,762)	
 प्रजीगत व्यय ा. राजस्व व्यय सात के आखिर में कृल शेष [क+छ-ग] मख्यमंत्री अभिनव कषि जन्त्रपति सम्मान 	कल व्यय	(354)	(354) 354	,
क पिछले तुलन पर के अनुसार शेष य पाप्त अतदान ग <u>पटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग</u> । पुजीगत व्यय ॥. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय	6,52,093	6,52,093 4,47,907	
प्रमतीआईएफ खाता क विफले तलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग <u>प्रदार: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग</u> . प्रजीतात व्यय ॥. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय	3,31,860	3,31,860	
माबाई एफओआई पोजेक्ट क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनुदान ग पुटाएं <u>निष्ठि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग</u> । पुजीगत व्यय ॥, राजस्व व्यय	कल ट्यय	-	(3,31,000)	
साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग] राष्ट्रीय उदयमिता परस्कार क पिछले तुक्त पत्र के अनुसार शेष याप्त अनुतान ग ग्रहाए: निधि के उद्देशों के लिए व्यय / उपयोग ा. पुजीना व्यय ॥. राजस्व व्यय	कल व्यय	15,19,605	13,00,000	
साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग] एनएलपीसी क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग प्रदाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए ट्यय / उपयोग	काल उपय		(2,19,605)	
 . पूजीगत व्यय . राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग] सस्टेनेबल बोटैनिकल पेस्टिसाइडस पर कार्यशाला 	कुल ट्यय	3,39,98,575	3,39,98,575 (39,98,575)	
क पिछले तुस्ता पत्र के अनुसार शेष यापन अनुदान खा अन्य रसीदें / समायोजन ग <u>पदार्थ: निधि के उद्देशों के लिए व्यय / उपयोग</u> । पंजीपत व्यय ॥. राजस्व व्यय		:	1,50,000	
साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग] अोवरहेडस / साझा लांभ क चिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान म साझा लांभ प प्रदार तांभ प प्रदार निधि के उद्देश्यों के लिए ट्यय / उपयोग	कल व्यय		1,50,000	TON FOUND SCIENCE AND TO SECURITION OF SCIENC
i. पुंजीगत व्यय ii.राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय	6,03,918	6,03,918 1,81,73,849	NO NO STATE OF THE PARTY OF THE

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

गनुस्	्ची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31	.03.2019 को	जैसा कि 31.03.2018 व		
26	उन्नत भारत टेक आउटरीय - कार्यशाला और एक्सपो- अनदा क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनदान ग प्रदार, लिपि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग	न		9,00,000			
	i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय						
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल टयय		9,00,000			
27	वेट कॉलेज						
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग						
	i. पंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय		5,36,250				
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		5,36,250 (5,36,250)			
8	आईसीएमआर-रानप्र टास्क फोर्स प्रोजेक्ट क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष						
	ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. एजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय			-			
	साल के आखिर में कल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय	-	-			
				-			
9	भारत अंतर्राष्ट्रीय विशान महोत्सव - आईआईएफएस क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग <u>घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए ट्यय</u> / उपयोग			:			
1	i. पुंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय						
	साल के आखिर में कृत शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		-			
0	सिडबी एफओआईएन अनदान क पिछले तलन पत्र के अनसार शेष						
	ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्रेश्यों के लिए व्यय / उपयोग						
	i. प्ंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय						
	साल के आखिर में कृल शेष [क+ख-ग]	कल ट्यय		-			
	कल राशि क पिछले तलन पत्र के अनुसार शेष ख पाप्त अनुदान ख) अन्य प्राप्तियां / समायोजन			14,99,92,919 5,33,18,880 15,42,556		12,87,96,9 10,78,20,5	
	ग साझा लाभ घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग			1,87,77,767			
	i. प्ंजीगत ट्यय ii.राजस्व ट्यय		3,27,83,711 12,46,03,292	45 33 63 63	2,24,83,262		
	कल व्यय e घटाएं : ओवरहेड और बेनिफिट शेयरिंग के लिए हस्तांतरण अव्ययित अनदान वापस दिया गया			15,73,87,003 2,87,264 50,00,000		8,66,24,6	
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]	1011	ON FOUL	6,09,57,855		14,99,92,91	



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची (राशि रुपये) जैसा कि ,जैसा कि अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधारी 31.03.2019 को 31.03.2018 को सुरक्षित ऋण और उधारी (राशि रुपये) जैसा कि जैसा कि अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधारी 31.03.2019 को 31.03.2018 को असुरक्षित ऋण और उधारी (राशि रुपये) जैसा कि जैसा कि अनुसूची 6 - आस्थगित ऋण 31.03.2019 को 31.03.2018 को आस्थगित ऋण (राशि रुपये) जैसा कि जैसा कि अनुसूची 7 -वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान 31.03.2019 को 31.03.2018 को क. वर्तमान देनदारियां 1. विविध लेनदार क) सामान के लिये ख) अन्य 8,92,915 2,69,576 2. वैधानिक देयताएं क) अतिदेय ख) अन्य 9,59,582 3,31,969 3. अन्य मौजूदा देनदारियां / ईएमडी 44,06,288 10,39,500 56,35,446 22,64,384 कुल (क) ख. प्रावधान 1,04,24,203 1. देय ब्याज 4,10,691 2. अन्य कुल (ख) 1,04,24,203 4,10,691 26,75,075 1,60,59,649 क्ल (क+ख)



h	
HITC	114
1	419
SIM	HEAGIG
IA SI	2/3
-	41
979	6/7
नवप्रवर्	-44
n n	निम्म
47	7
₽.	

(राशि स्पर्ध)

अनुसूची : 8- अचल परिसप्तिया :		सकल एकमुश्त	इत				मृत्यहास		31-03-2019
	01-04-2018	वर्ष के श्रीमन	वर्ष क	31-03-2019	01-04-2018	वर्ष	2018-19	2018-19	क्ष भ
विवरण	ala pla	अभिवृद्धि	कटीती	सकल एकमुश्त	मृत्यकास	कटीती	म्लयहास	कुल मूल्यहास	कुल संपत्तियां
	10	16	10.	Э.	, e	ю.	A	.0	ю.
कप्पूटर एवं सहायक परिसंपित्तियाँ									
कंट्यटर	1,43,87,107	12.58.364		1.56.45,471	1,26,59,386		15,96,915	1,42,56,301	13,89,170
नेटविकेंग उपकरण	11,76,491			11,76,491	11,68,921		4,542	11,73,463	3,028
स्कैनर	3,63,990	29,990	,	3,93,980	3,63,160		9,495	3,72,655	21,325
सॉफ्टवेयर	36,62,860	8,79,557		45,42,417	35,22,718		3,49,409	38,72,127	6,70,290
काई प्रिंटर	45,138			45,138	37,916		4,333	42,249	2,889
उपस्कर एवं जुड़नार (मेज कुर्सी इत्यादि) तथा जड़ स्टॉक									
उपस्कर एव जड़नार (मज कसा इत	52,22,794	2,48,053		54,70,847	19,06,185		3,47,275	22,53,460	32,17,387
विद्यंत संस्थापन	72,410	1,10,000		1,82,410	49,207		13,320	62,527	1,19,883
कार्यालय उपकरण									
एयरकलर	12,11,261	6,21,095		18,32,356	4,41,379		1,80,739	6,22,118	12,10,238
क्रिया	35,438			35,438	28,985		896	29,953	5,485
बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली	25,150			25,150	902'6		2,317	12,023	13,127
कैमरा	15,64,500	2,28,485		17,92,985	9,74,421		1,22,785	10,97,206	6,95,779
2年 年旬	7,55,294			7,55,294	73,593		1,02,255	1,75,848	5,79,446
इपीएबीएक्स सिस्टम	1,96,715	15,045	,	2,11,760	1,33,812		11,692	1,45,504	997.29
3पकरण	58,22,894	1,72,566		29,95,460	28,03,028		4,67,176	32,70,204	27,25,256
फेब लेब उपकरण	1,07,93,196	45,09,045		1,53,02,241	37,22,712		14,85,863	52,08,575	1,00,93,666
फैक्स मशीन	36,907			36,907	32,439	,	670	33,109	3,798
आग्नशासक यत्र	18,505			18,505	14,870		545	15,415	3,090
हाट एयर आवन मशान	48,825			48,825	13,549		5,291	18,840	29,985
काटाकाया महाान	3,51,000		,	3,51,000	1,31,291		32,033	1,09,332	90,10,1
मान्यक रहत तस्टन	996,07	11,353		057,517	51,535		166 61	42 515	69 255
The state of the s	20000			20,000	10001		4 227	15 050	22 950
पत्यराज्यार मराहर	93,000	29 700		017 55 1	30.454		13.838	44.292	78,418
सोनी एलसीडी	3 31 980	1 39 068	,	4.71.048	1.25.938		51,766	1,77,704	2,93,344
टेप रिकॉर्डर	36,427	- ·	,	36,427	31,099		662	31,898	4,529
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	10,18,134	1,21,990		11,40,124	5,66,921		84,556	6,51,477	4,88,647
वाटर कलर	23,000			23,000	8,876		2,119	10,995	12,005
सोनी एलइडी टीवी	1,26,453			1,26,453	27,598		14,828	42,426	84,027
सोनी स्टेबलाइजर	1,01,515			1,01,515	21,699		11,972	33,671	67,844
मोनी ऑहियो रिकॉर्डर	27,200			27,200	7,548	,	2,948	10,496	16,704





31 मार्च 2019 के ततनपत्र का अंश बनने वाली अन्सुची

5,811 8,984 2,61,480 3,30,573 1,48,600 8,05,416 25,372 2,67,687 25,781 1,05,330 श्रद कुल संपत्तियां 31-03-2019 (राशि क्षय) 哥 38,357 59,305 7,75,919 9,80,946 3,96,741 19,04,457 27,175 2,63,430 32,324 2018-19 तक कल मल्यहास 1,026 1,586 46,143 58,337 26,224 1,42,132 4,478 50,768 4,550 मान्यहास 2018-19 4 मल्यहास वर्ष के दौरान कटौती 37,331 57,719 7,29,776 9,22,609 3,70,517 17,62,325 22,697 2,12,662 01-04-2018 तक मुल्यहास राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पनी-स-एफ/7412/अहमदाबाद 44,168 68,289 10,37,399 13,11,519 5,45,341 27,09,873 52,547 5,51,117 सकल एकमश्त 31-03-2019 वर्ष के दौरान कटौती सकल एकम्दत वर्ष के दौरान अभिवृद्धि 44,168 68,289 10,37,399 13,11,519 5,45,341 27,09,873 5,21,317 5,514 58,105 545,69,676 01-04-2018 को शेष 31 मार्च 2019 के तलनपत्र का अंश बनने वाली अन्सूची अनुसूची : 8- अचल परिसंपित्तयाँ : एक्टिवा होडा बजाज पल्सर होडा मिटी टाटा सफरी टाटा इडिका मेबाइल प्रदर्शनी देन हीरी एए एफ डीलक्स ट्रैक्टर (जॉन डिया) विवरण किताबे



2,42,02,689

3,87,41,298

54,33,955

,

3,33,07,343

6,29,43,987 5,45,69,676

83,74,311

4,97,09,844

पिछते वर्ष मे



	न प्रतिष्ठान - भार 412/अहमदाबाद का अंश बनने व			
	A 0- 2	1 02 2010 -	* 0 0	(राशि रुपये)
अनुसूची 9 - निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	जसा कि उ	1.03.2019 को	जसा कि 3	1.03.2018 को
निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	-	-	-	-
अनुसूची 10 -निवेश - अन्य	जैसा कि 3	1.03.2019 को	जैसा कि 3	(राशि रुपये) 1.03.2018 को
निवेश - अन्य		-	- 1	-
IVIATI DIVA				(राशि रूपये)
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसं	जैसा कि 3	1.03.2019 को	जैसा कि 3	1.03.2018 को
क.चाल् संपत्तियाँ :				
1. रोकड़ शेष (चेक / डाफ्ट और अग्रदाय सहित) 2. बैंकों में शेष	•	-	-	
क) अनुसूचित बैंकों के साथ i) चालू खातों में				
- एक्सिस बैंक, वस्त्राप्र - खाता सं. No.1:	47,603		2,30,61,817	
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 8099-1	23,32,784		1,18,842	
सिडबी खाता सं.	55,31,072	79,11,459	-	2,31,80,65
ii) सावधि जमा खाते में (मार्जिन मनी के सा	थ)			
- रानप्र निधियों से	16,12,51,308		20,81,88,624	
- एमवाईआईएफ निधियों से	97,57,874		6,28,88,973	
		17,10,09,182		27,10,77,59
iii) बचत खातों में				
-यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, वस्त्राप्र, एसबी खाता 🤅	20,31,229		1,14,07,358	
-यूनियन बैंक - आरओबीबीएन	-		-	
-यूनियन बैंक - आरओजीयूडब्लू				
-यूनियन बैंक - भुवनेश्वर - 090	35,335		1,85,832	
-यूनियन बैंक - देहरादून - 088	2,51,214		2,36,354	
-यूनियन बैंक - गुवाहाटी - 089	3,87,785		2,37,931	
ख) गैर अन्स्चित बैंकों के सार		27,05,563	-	1,20,67,47
3. डाकघर-बचत खाता				
4. अन्य अग्रिम				
'-स्टाफ और एमवीआईएफ को अग्रिम	3,26,66,988		2,13,55,310	
- उपार्जित ब्याज	-		18,38,273	
- टीडीएस प्राप्य	18,63,757		21,84,269	
- प्रतिभृति जमा	6,82,307		67,621	
5. पूर्वदत्त व्यय	1,31,348		3,03,247	
	1,31,340	3,53,44,400	3,03,247	2,57,48,720
कल INTION		21,69,70,604		33,20,74,451



											0	0	
31	THE	2010	4	TITLE	त	ट्या ग	141.41	AT.	TRAL	4-1-1	ताची	अनसची	

31 भार 2019 के आय व	व्यय खाता का अश बनन वाला	
अनुसूची 12 -बिक्री / सेवाओं से आय	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	(राशि रुपये) 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
बिक्री / सेवाओं से आय	-	-
		(राशि रूपये)
अनुसूची 13-अनुदान / सब्सिडी	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त हुई)		
1) केंद्र सरकार घटाएं : भारत सरकार, डीएसटी अनुदान को हस्तांतरित	19,65,07,000	19,50,51,000
प्राप्ति, फिक्स्ड एसेट्स के लिए (अनावर्ती वस्तुएं पर व्यय को प्रदर्शित करता है)	(83,74,311)	(48,59,832)
2) राज्य सरकारों से	-	
कुल	18,81,32,689	19,01,91,168
		(राशि रुपये)
अनुसूची 14 -शुल्क / सदस्यता	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
शुल्क / सदस्यता		-
Γ		(राशि रुपये)
अनुसूची 15 - निवेश से आय	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
निवेश से आय	MON.	-



31 मार्च 2019 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	-	-

राशि रुपये

			(राशि रुपये)
. ~		31.03.2019 को समाप्त	31.03.2018 को समाप्त वर्ष
अनुसूची 17- अर्जित ब्याज		वर्ष के लिए	के लिए
1) सावधि जमा पर			,
	क) अन्सूचित	59,95,448	1,41,36,215
	ख) गैर अनुस		
	ग संस्थानों व		
	घ) अन्य		-
2) बचत खातों पर			
	क) अन्स्चित	1,72,493	83,011
	ख) गैर अन्स्		
	ग) डाकघर बच	-	-
	घ) अन्य		
3) ऋण पर			
3) 4(-1 4)	क) कर्मचारिय	7,643	1,722
	ख) अन्य	-	
4) देनदार / अन्य प्राप्तिर	यों पर ब्याज	-	-
5) कर वापसी पर ब्याज		89,240	
कुल	MATIONA	62,64,824	1,42,20,948



राष्ट्राय नवप्रवतन प्रा पंजी-सं-एफ/7412	तिष्ठान - भारत 2/अहमदाबाद	
31 मार्च 2019 के आय व व्यय स		
	3 1	(राशि रुपये)
अनुसूची 18 - अन्य आय	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
1) विविध आय / निविदा शुल्क / स्क्रैप	4,95,777	11,15,998
2) अन्य सहायता आय		
कुल	4,95,777	11,15,998
अनुसूची 19 - निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	(राशि रूपये) 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	-	
	31 03 2019 को प्रमान वर्ष	(राशि रूपये)
अनुसूची 20-स्थापना खर्च	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	(राशि रूपये) 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
	के लिए	31.03.2018 को समाप्त
क) वेतन और मजदूरी	के लिए 94,56,582	31.03.2018 को समाप्त
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस	के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान	के लिए 94,56,582	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट को	के लिए 94,56,582	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट को i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान	के लिए 94,56,582	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट को i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और	के लिए 94,56,582 25,63,963 - -	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 4,81,40,095
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट कं i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और	के लिए 94,56,582 25,63,963 - -	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 4,81,40,095
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट को i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च	94,56,582 25,63,963 - - - 11,48,053	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 4,81,40,095
क) वेतन और मजदूरी ख) भत्ते और बोनस ग) भविष्य निधि में योगदान घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट को ं) नियोक्ता के एनपीएस योगदान च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	94,56,582 25,63,963 - - 11,48,053 - 4,92,55,558	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 4,81,40,095 - - - 11,26,518



31 मार्च 2019 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रूपये)
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
भाग क - आवर्ती व्यय		
व्यापार विकास		
बैंचमार्किंग और मार्केट रिसर्च	49,982	25,567
ऑनलाइन कैटलॉग	81,233	1,18,471
व्यावसायिक योजनाओं के लिए छात्रों की भागीदारी	7,47,853	12,43,032
यात्रा (बीडी)	6,25,901	28,02,237
उप-जोड़	15,04,969	41,89,307
		12,00,001
सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार		
नवप्रवर्तन प्रदर्शनी		57,111
प्रदर्शन (डीएनएसडी)	1,08,94,713	1,35,13,270
किसानों / मीडिया / केवीके के माध्यम से पद्धतियों का प्रसार	42,95,200	51,96,213
प्रदर्शनी और अभिनव प्रदर्शनी	34,11,402	4,77,402
नवप्रवर्तन प्रसार	1,77,400	2,28,725
मुद्रण और प्रकाशन (डीएएसडी)	29,189	1,12,865
यात्रा (प्रसार)	39,901	1,72,810
यात्रा (प्रसार) एसटी		2,61,152
प्रसार - 11वीं द्विवार्षिक	39,310	
कार्यशाला / बैठकें (प्रसार)	2,67,516	7,15,502
उप-जोड़	1,91,54,631	2,07,35,050
बौद्धिक संपदा प्रबंधन और विधि		
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए	45.51.000	24.64.020
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए-अन्तर्राष्ट्रीय	46,61,999	31,64,830
व्यापार चिहन और भौगोलिक अनुप्रयोगों के लिए आवेदन	22.500	56,962
सदस्यता आईपीआर	23,500	13,000
यात्रा (आईपीआर)	2,65,915	69,978
उप-जोड	4,191	51,882
3.1 3.13	49,55,605	33,56,652
आईटी और डाटाबेस		
कंप्यूटर रखरखाव और उन्नयन	9,89,114	11,03,868
डाटाबेस और सॉफ्टवेयर विकास, प्रूफ रीडिंग	11,43,327	11,06,722
इन्टरनेट	8,61,444	10,17,170
वेबसाइट		11,305
उप-जोड़	29,93,885	32,39,065



31 मार्च 2019 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)
अनसची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
	V-0-0 41 1- 103	Went Wilder
खोज एवं दस्तावेजीकरण		
विज्ञापन- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय	47,32,699	61,48,869
सहयोगियों	61,09,287	70,15,194
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (एस एंड डी)	37,193	42,305
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंग्नाइट अवाईस	34,15,954	
निवास	20,24,493	-
इग्नाइट (खाना और निवास)	-	2,718
इग्नाइट (एस एंड डी)		25,12,473
इग्नाइट (यात्रा)	-	6,63,951
छपाई और लेखन सामग्री	18,24,980	17,73,405
नमूना / प्रोटोटाइप संग्रह और पहचान	14,78,740	22,56,731
यात्रा (एस एंड डी)	33,74,891	32,60,133
सत्यापन / विस्तृत दस्तावेज़ीकरण	5,77,479	7,40,162
कार्यशालाएं और प्रकाशन	26,77,160	24,46,000
उप-जोड़	2,62,52,876	2,68,61,941
मुल्य संवर्धन और शोध एवं विकास		
प्रशासनिक टयय - वाई	24,87,847	33,37,857
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (वार्ड)	21,704	1,17,764
प्रायर आर्ट सर्च, नवाचारों का सत्यापन	1,92,12,334	1,03,82,587
प्रोटोटाइप / उत्पादों का परीक्षण	1,26,52,209	12,52,584
यात्रा (वार्ड)	47,03,977	32,30,280
मूल्य संवर्धन और उत्पाद विकास	98,28,519	1,38,20,81
उप-जोड़	4,89,06,590	3,21,41,887
नवप्रवर्तन उत्सव 2017 /फाइन 2018		
निवास	22,47,814	19,30,90
खानपान	39,684	21,13,71
प्रसार	24,000	980
प्रदर्शनी और अन्य खर्चे	6,129	39,91,60
प्रस्कार	60,50,000	14,80,00
प्रोटोटाइप विकास	56,954	5,79,33
यात्रा और परिवहन	35,06,696	22,08,25
छपाई और लेखन सामग्री	1,09,441	1,25,92
फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी फाइन 2018 में	-	88,50
अन्य खर्चे	7,95,484	1,39,22
8 वां अवार्ड फंकशन		3,10,00
उप-जोड़	1,28,36,202	1,29,68,43
কল (क)	11,66,04,758	10,34,92,339

31 मार्च 2019 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
	,	100
भाग ख - अन्य प्रशासनिक व्यय: -		
आंतरिक और समवर्ती लेखापरीक्षा शुल्क	-	2,30,000
वैधानिक लेखा परीक्षा शुल्क	50,000	46,000
अन्य प्रमाणीकरण शुल्क	27,532	21,227
बैठक और सम्मेलन	4,23,793	52,011
बैंक प्रभार	12,296	4,075
बिजली और पॉवर	10,32,228	4,83,869
ब्याज और जुर्माना	20,852	-
बीमा व्यय	1,22,634	1,13,769
काननी शुल्क	5,500	1,41,140
कार्यालय-खर्च	39,12,326	26,88,738
डाक ट्यय	4,50,482	9,34,684
प्रोफेशनल शल्क	1,84,914	2,21,094
भर्ती खर्च		4,32,610
किराया, दर और कर	14,72,753	18,40,613
किराया (आरओबीबीएन)	4,05,000	2,10,000
किराया (आरओडीडीएन)	3,22,770	3,04,500
सरक्षा खर्च	19,65,472	12,13,690
टेलीफोन और संचार शुल्क	1,33,341	1,36,202
यात्रा व्यय	22,19,253	-
वाहन चलाना और रखरखाव	4,24,484	6,68,974
सदस्यता शल्क		4,000
कल (ख)	1,31,85,630	97,47,196
कल (क+ख)	12,97,90,388	11,32,39,535
ş.i. (i2)		(राशि रूपये)
अनुसूची 22 - अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,		(राशि रुपये)
अनुसूची 23 -ब्याज	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लि
अन्य ब्याज	IONE	40,382.00
भारत के समेकित कोष में ब्याज	SCIENCE 4 99,66,647	

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ /7412/अहमदाबाद

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
I. प्रारम्भिक थोष			I. स्थापना व्यय	7,17,80,837	5,56,47,502
1) रोकड़ थोष	,	594	II. प्रशासनिक व्यय	8,62,65,350	9,29,60,811
2)वैंकों में थीष			III. स्थायी संपत्तियां(परिवर्धन)	28,72,701	12,76,603
क. एक्सिस बैंक चालू खाता-8099	1,18,842	25,62,027	IV. क) भेजी गई रकम/ वापसी इत्यादि,		
ख. सिडबी खाता सं. 12001	,		क] अनेस्ट मनी डिपाजिट और प्रतिभूति जमा और लेनटाउ	10,63,65,493	4,65,54,406
ग. एक्सिस बैंक चालू खाता 1548 (NIF)	2,30,61,818	3,16,40,647	जार रानपूर ख) भेजी गई राशि / धन वापसी आदि.,		
घ.गूनयन बेक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बेलेंस के साथ)	1,14,05,324	2,96,97,258	क]एनपीएस. कर्मचारियों से कटौती	11,48,053	11,95,229
च. यूनियन बैंक - भुवनेश्वर- 60680205000090	1,85,832	(28,158) 瑶] प्राप्य	ন্ধ্য प्राप्य	14,55,198	16,000
छ.यूनियन बैंक - देहरादून 60680205000088	2,36,354	1,35,937	ग] कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	48,08,448	45,13,283
9. यूनियन बैंक - गुवाहाटी - 606802050000089	2,37,931	79,525	घ] स्टाफ और अन्य लोगों को अग्रिम	1,98,59,596	1,14,12,389
ज. यूनियन बैंक - आरओबीबीएन	,	1,05,000	1,05,000 ब] ब्याज के साथ कॉर्पस रिफंड	4,15,24,688	
i. यूनियन बैंक - आरओजीयूडब्लू	1	30,000	छ] एनपीएस देय	11,48,053	11,95,229
			ज] पूर्वदात व्यय		1,42,023
 डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान 	19,65,07,000	19,50,51,000	झ] प्रावधान एंड ओ / एस	1,00,64,157	11,53,826
III. अजित व्याज			ट] अन्य कटौती	2,16,000	
A)एसबा अकाउट्स आर आटा स्वाप पर	1,72,493	83,011	83,011 V. निवंश		
B) फिक्स्ड /टर्म डिपॉजिट पर	27,08,427	46,96,767	फिक्स्ड / टर्म डिपॉजिट और मार्जिन मनी		21,00,00,000
IV. अन्य आय			VI. निधारित परियोजना व्यय	8,07,92,093	38,95,554
A)अन्य ब्याज	96,883	1,672	VIII. शेष राशि		
B) विविध प्राप्तियां	17,15,277	6,28,547	6,28,547 1) रोकड़ शेष	1	
V. अन्य वसूलियां आदि			2) बैंक वैलेंस		
क) अनस्ट मना डिपाजिट और प्रातभूति जमा, और लेनदार	58,27,317	8,68,860	क. एक्सिस बैंक चालू खाता-8099	23,32,784	1,18,842
स्वा निवेश	5 80 23 997	A ASO	अ सिड्बी खाता सं 12001	55 31 072	

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

	31 मार्च, 2019	को खत्म हुए वर्ष के	31 मार्च, 2019 को खत्म हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान		
मानियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
ग) ii] कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	38,84,406	27,73,196	27,73,196 मा. एक्सिस बैंक खाता सं 1548 (NIF)	47,603	2,30,61,818
iii] आपूर्तिकर्ता / अन्य आदि को अग्रिम	2,37,500		घ. यूनयन बेक खाता स.606802010000724 (स्वैप बेलेंस के साथ)	20,31,229	1,14,05,324
।∨]स्टाफ एडवांस रिकवरी	99,73,137	87,25,897	87,25,897 च. यूबीआई एनआईएफ-भुबनेश्वर- 606802050000	35,335	1,85,832
v] एनपीएस डिडक्शन	11,77,978	11,26,518	11,26,518 छ. यूबीआई एनआईएफ-देहरादून 6068020500000 गन्मे गन गर्नमास गमादाने - ६०६८०२०50000	2,51,214	2,36,354
vijटोडीएस प्राप्य viij अन्य कटौती	8,42,010	,	ज. जूबाजाय द्वारायतम् जुवारातः व्यवस्थाति		
घ) ।। स्थापना प्राप्तियां	4,30,328	30,83,792			
ii] अन्य प्रशासनिक प्राप्तियां	74,68,230	78,98,698			
VI. बैंक के पास जमा					
क) मेच्योर फिक्स्ड/टर्म डिपॉजिट	5,96,37,832	4,68,71,730			
VII. अनुदान / वित्तीय सहायता प्राप्त की निधारित प्रोजेक्ट के लिए	5,47,48,774	12,91,76,438			
				43 89 17 690	46.52.08,956
	43,89,17,690	46,52,08,956		22,02,11,00,01	_

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

हाँ, विपिन हाँ, विपिन मुख्य नवा

डॉ. विपिन कुमार मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक, रानप्र

यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611 स्थान : गांधीनगर दिनांक : 06-08-2019

Annual Report 2018-19

National Innovation Foundation-India

Preface



Dr. P.S. GoelChairperson
National Innovation Foundation – India

The year 2018-19 witnessed yet another successful chapter for India as three grassroots innovators supported by National Innovation Foundation-India (NIF) were conferred with Padma Award this year and they have come a long way ever since the first major recognition in their life as innovators being the national award of the NIF. Congruent with organization's continued focus on incubating grassroots innovation based technologies, innovations like tractor operated paddy transplanter, intelligent sun glasses for blind, six axis printer for golden embossing, tractor powered sprayer, small animal restraining cum operation table, tractor powered combi tillage implement, toilet attached cot with auto cleaning, multipurpose agri equipment with mechanical sensor and many others were developed and saw light of the day.

During 2018-19, NIF continued to receive overwhelming response from country's innovative citizens as more than 8,000 innovations and traditional knowledge practices from grassroots innovators and knowledge holders were received. Apart from developing more than 60 technologies, a total of 89 patents were filed and 21 were granted from those filed in preceding years. Similarly, 4 applications were filed under PPV&FR Act 2001 and Certificates of Registration of plant varieties from PPV & FR Authority were granted for 6 applications of preceding years.

In a major shift of approach, the Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE) which

was traditionally hosted by Rashtrapati Bhawan, in 2019 was hosted by NIF at its campus in Amrapur, Gandhinagar. However, similar to previous years, it continued to be inaugurated by the Hon'ble President of India and comprise of an exhibition of innovations and roundtables on topics of contemporary importance. During FINE 2019, the Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind reaffirmed country's commitment towards supporting innovators and entrepreneurs as he interacted with young students who won the INSPIRE Awards - MANAK, the grassroots innovators including the sixth batch of In-Residence Programme for Innovation Scholars and also conferred the 10th National Grassroots Innovation and Outstanding Traditional Knowledge As a result, this unique initiative to recognize, respect, showcase, reward innovations and to foster a supportive ecosystem for innovators by The President's Secretariat, Department of Science and Technology (DST) and NIF continued to inspire innovators across the country. In addition, Dr APJ Abdul Kalam IGNITE awards 2018 were conferred by Hon'ble former President of India, Shri Pranab Mukherjee to creative and innovative children for their technological ideas and innovations.

A couple of important decisions were made by the Governing Board. The first one was to develop an online portal where all the ideas, innovations and traditional knowledge examples will be made available for the society to know, learn from and make use of. Thus, knowledge of people will be

made accessible to the people. The second decision was to network with new institutions and organisations, with whose support, innovations could be taken to the next stage. Accordingly to begin with linkages with the Indian National Academy of Engineering (INAE) were established. This partnership, in a short time, has already resulted in a few innovations being value added. More such partnerships, in both public and private sector, are emerging and will be concretised in the coming days. The kind of work NIF undertakes is unparalleled across public or private sector and good partnerships would serve the purpose rightly.

NIF has been suggested to channelize all its efforts, which is to generate societal benefit

through its activities. Unless the common people benefit through innovations and unless these innovations become a household name in the country, NIF has to strive tirelessly to achieve this end. I am sure NIF will be able to identify and build lasting and meaningful partnerships with the industry so as to expedite the delivery of innovative solutions until the last mile.

I welcome all readers and hope they enjoy knowing more about the various activities of NIF and also share their feedback.

With my best wishes

PS Goel

Director's Message



Dr. Vipin KumarDirector and Chief Innovation Officer

National Innovation Foundation (NIF) - India had a very eventful year 2018-19 characterized by significantly enhanced penetration levels of interaction with creative and innovative citizens of the country. With reconstitution of the Governing Board, a transition of Governance structure was completed thereby arriving at a moment where the institution expresses its heartfelt gratitude towards those who have helped shepherd the institutional initiatives all these years and at the same time welcome its new Governing Board members whose directions is all set to make an indelible impact on generations of future innovators of our country. NIF stands to gain a lot from the collective wisdom of the new Governing Board whose members come from diverse backgrounds and rich professional experiences. The young team at NIF is looking forward to receive their guidance and support.

The activities at NIF continued to touch the lives of our citizens and with the organization of INSPIRE Awards – MANAK: DLEPC's and SLEPC's across the length and breadth of the country, the impact generated out of interaction with next generation of innovators was at an all time high. A massive task at hand to meticulously screen few lakh innovations in a time bound manner, to filter the top ideas and innovations at the initial levels followed by further filtering at District, State and National level and be a part of celebration of innovation potential and great promise that India holds for future is a huge learning curve for the organization. It was heartening to witness the support that INSPIRE Awards – MANAK program managed to attract

from different sections of our society be it those who helped us to evaluate or those who helped in awareness building or those who mentored hundreds of students and opened their doors in pursuit of their learning. On similar lines, a sense of accomplishment in the eyes of winners of 10th National Grassroots Innovation and Outstanding Traditional Knowledge awards and Dr APJ Abdul Kalam IGNITE 2018 awards was communicating India's strong quest and promise to deliver innovations that are about societal good.

The year is also very special in terms of various opportunities that allowed NIF to create a greater national impact and also internationally in few cases. NIF was invited to be a Core Committee Member Institution for the National Entrepreneurship Awards 2018, organized by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE). NIF organized 1st Grassroots Innovation Forum at Jakarta, Indonesia where India along with ASEAN Member States (AMS) participated in Student Innovation Competition and Grassroots Innovation Competition, thereby strengthening India's relationship with these countries on the premise of Science, Technology and Innovation. It was a great opportunity for innovators from 11 countries to experience the innovation potential of each other and learn what "innovation" means to citizens of different nationalities.

Whatever NIF could do or achieve could not have been possible without the generous support of the Department of Science and Technology. The Hon'ble Union Minister of Science and Technology, Dr. Harsh Vardhan ji has been a great source of inspiration and motivation for NIF, with his deep interest and belief in grassroots innovations. Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology and officials of the Department of Science and Technology deserve much appreciation for their unstinted support to all the activities of the organization. My colleagues in NIF and partners who help in various activities of NIF also need to

be thanked for their contribution to the work and growth of the organization. NIF was and shall always remain sensitive to the needs of the innovators and our society, and will tirelessly work towards achieving its mandate for our country and for our people.

With my best wishes to all

Vipin Kumar

Contents

1.	Governing Board	74
2.	Finance Committee	76
3.	Moving Ahead	77
4.	Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2018	78
5.	10th National Biennial Grassroots Innovation Awards 2019	80
6.	Festival of Innovation and Entrepreneurship 2019	82
7.	INSPIRE Awards – MANAK 2018-19	85
8.	Sectional Activities	87
9.	New Initiatives and Partnerships	100
10.	International Activities and Cooperation	101
11.	Recognition to Innovators	103
12.	Institutional Policies	104
13.	Administrative Matters	104
14.	Publications	104

Governing Board

Chairperson

 Dr. P. S. Goel Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

Vice Chairperson-Member

2. Shri. N.P. Rajive Executive Director, Vibha Vani, Delhi

Members

- 3. Prof. Anil K. Gupta Visiting Faculty, IIM-Ahmedabad
- 4. Prof. Anil D. Sahasrabudhe Chairman, AICTE, New Delhi
- 5. Prof. Satyajit Majumdar TISS, Mumbai
- 6. Dr. C. Shambu Prasad CSEE, Institute of Rural Management, Anand
- 7. Dr. K. Vijaya Lakshmi
 Vice President, Development Alternatives, New Delhi
- 8. Ms. Anuradha Bhavnani Regional Head, Shell Foundation, Gurgaon
- 9. Ms. Lakshmi N. Trustee, Good Karma Foundation, Kochi

Members ex officio or his/her nominee

- Prof. Ashutosh Sharma Secretary, DST, Government of India
- Dr. Renu Swarup Secretary, DBT, Government of India
- Ms. Rina Ray Secretary, D/O School Education & Literacy, MHRD, Government of India

- 13. Dr. Arun Kumar Panda Secretary, MSME, Government of India
- 14. Vaidya Shri Rajesh Kotecha Secretary, AYUSH, Government of India
- 15. Prof. Balram Bhargava DG-ICMR, Government of India
- 16. Dr. Trilochan Mohapatra DG-ICAR, Government of India
- 17. Dr. Shekhar C. Mande DG-CSIR, Government of India
- 18. Dr. J.N. Singh
 Chief Secretary, Government of Gujarat
- 19. Shri B. Anand Financial Advisor, DST, Government of India

Member - Secretary, ex officio

20. Dr. Vipin Kumar Chief Innovation Officer/Director, NIF

Finance Committee

Chairperson

 Dr. P. S. Goel Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

Members

- 2. Prof. Satyajit Majumdar TISS, Mumbai
- Dr. Sanjeev Saxena
 Assistant Director General (Intellectual Property & Technology Management)
 ICAR, New Delhi
- 4. Shri B. Anand Financial Advisor, DST, Government of India

Member Secretary

 Dr. Vipin Kumar Chief Innovation Officer/Director, NIF

year characterized by plenty of meaningful activities across the country and in some cases abroad marked 2018-19 for National Innovation Foundation – India (NIF). The 10th Biennial National Grassroots Innovation and Traditional Knowledge Outstanding Function of NIF on 15th March 2019 wherein Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind conferred awards to grassroots innovators was by far the most significant and satisfying moment for every innovator in the country as it reiterated India's firm and continued commitment towards promotion of innovation in the country. Keeping pace with the times, children creativity continued to discover the much required support and encouragement that it merits from NIF. Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2018 and INSPIRE Awards - MANAK recognized the future talent of country at an early stage. The conferment of Padma Shri award to three grassroots innovators was a major highlight in the sense that year on year more grassroots innovators who received their first major recognition in life from NIF continued to get conferred with civilian awards bearing supreme importance by the country. It not only reaffirmed the tremendous potential grassroots innovations have in generating opportunities but also the robustness that characterize the inherent merit in incubation processes at NIF.

A significant number of technologies in a variety of domain be it Engineering, Veterinary Sciences, Agriculture, Human Health and others were value added, an important step before their social and commercial dissemination in days ahead of us. This was supported with other complementary activities like validation of technologies to verify the claims of

innovators / knowledge holders, development of prototypes and products, intellectual property rights protection, marketing and technology transfer and social diffusion of innovation. In relation to technology based entrepreneurship models, the observations and experience of NIF was consistent with what is observed in our country i.e. more and more people are inclined towards being job creators and starting of fresh businesses.

While the scouting and documentation activity went on unabated, NIF also initiated efforts to develop an online portal featuring ideas, innovations and traditional knowledge received by it to make it available to the people of the country. Under the ASEAN – India Science, Technology and Innovation based partnership, NIF delivered the ASEAN - India Innovation Platform (AIIP) for social innovations. NIF was also invited by Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE) to be a Core Committee Member Institution for the implementation of National Entrepreneurship Awards (NEA) beginning 2018.

It was a matter of great satisfaction for NIF to be able to successfully organize back to back activities of National Importance in relation to innovation within a month's time in the beginning of 2019. The National Level Exhibition and Project Competition (NLEPC) under the INSPIRE Awards-MANAK program was organized at IIT Delhi on 14th–15th February while the Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE) was hosted by NIF at its campus from 15th – 19th March. The festival was being organized outside the Rashtrapati Bhavan, New Delhi for the first time ever since it started in the year 2015.

Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2018

Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE competition is a national competition of original technological ideas and innovations by children up to class 12 or those out of school up to the age of 17 years organized every year since 2008 to promote creativity and originality among children.

The Dr APJ Abdul Kalam IGNITE 2018 awards were conferred by the Hon'ble former President of India, Shri Pranab Mukherjee on November 17, 2018 at NIF, Gandhinagar to 31 students from 11 States for their 21 ideas and innovations. An exhibition to showcase all award-winning ideas by young, creative minds of the nation was also organized. Over 90,000 submissions of students from 643 districts of all the States & Union Territories of India were received during the IGNITE 2018 competition, which ran from September 1, 2017 to August 31, 2018.

The IGNITE is organized in partnership with the Central Board of Secondary Education (CBSE). A number of other State Educational Boards viz. West Bengal Council of Rabindra Open Schooling, Uttarakhand School Education board, Tripura

Board of Secondary Education, State Council of Education Research and Training, Punjab School Education Board, Nagaland Board of School Education, Maharashtra Secondary and Higher Secondary Education Board, Haryana Board of School Education, State Councils of Education Research and Training Andhra Pradesh, Rajasthan, Karnataka, Manipur, Assam, Directorates of Secondary Education, Arunachal Pradesh, Tamil Nadu, Himachal Pradesh etc. also actively promoted the IGNITE campaign in 2018.

During the award function, while congratulating the awardees, Shri Pranab Mukherjee in his speech remarked that creativity is ever pervasive and abounding as the experience of the IGNITE competition has demonstrated over the years. He further noted that the children are able to identify local problems, think of possible solutions, evaluate them and develop the best possible solution. He expressed his happiness while taking a note of the fact that large number of children identified through the IGNITE competition are from government schools, rural areas and from disadvantageous sections of the society. When children learn to



Young student innovator, Arushi Tandon receiving IGNITE award from the honourable President of India Shri Pranab Mukherjee, for her innovative and low-cost bed with a detachable wheelchair



Children showcasing their Innovations during Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2018

identify problems and solve them on their own, the future can only be bright for the society and the country. He urged parents and teachers across the country to ensure that our children get a nourishing and empowering environment where their skills, creativity, knowledge and learning are augmented and not curtailed.

Dr P.S. Goel, Chairperson, NIF mentioned that the

IGNITE competition is spreading the message of innovation far and wide. It is also helping in creating a culture of innovation and creative thinking right from the childhood itself. Dr Vipin Kumar, Director, NIF in his vote of thanks congratulated the award winners while expressing his appreciation towards the CBSE and various State Education Boards/Councils/ Directorates for supporting the IGNITE campaign.



The Tenth Biennial National Grassroots Innovation and Traditional Knowledge Awards 2019

The NIF started organizing Biennial award function from the year 2001 onwards to celebrate the efforts of unsung heroes and heroines of our society. A step further, Hon'ble former President of India Dr APJ Abdul Kalam embarked upon the initiative to



Innovator receiving award by Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind during $10^{\rm th}$ National Grassroots Innovations and Outstanding Traditional Knowledge Award function 2018

give these awards to grassroots innovators from the year 2002 onwards. Since then the President's Secretariat has helped NIF in conferment of these awards and on similar lines an award function was organized at NIF in March 2019 and Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind, gave away the national awards to the awardees.

For the Tenth National Biennial Competition (April 1, 2015 to June 31, 2017) of grassroots innovations and outstanding traditional knowledge, NIF received about 12500 ideas, innovations and traditional knowledge practices from 428 districts of 34 States and Union Territories. A total of 59 awards were given to 64 innovators in the 10th National Biennial Award function on 15th March 2017 including a Lifetime Achievement Award.

The Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind, gave away the national awards to the awardees. The state awards, consolation, appreciation and partnership awards were given by Prof. Ashutosh Sharma and Dr PS Goel. During his award address, the Hon'ble President appreciated



The President of India Shri Ram Nath Kovind visited an Exhibition of Innovations organized as a part of The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2019.

NIF and mentioned that "NIF has created a huge database of ideas, innovations and traditional knowledge practices from all over the country. It has recognised over 800 grassroots innovators through awards. And, it has had hundred of innovations validated through our institutions."

The Hon'ble President appreciated the efforts made by NIF to extend support to grassroots innovators as a result of which three grassroots innovators were selected for the Padma Shri this year. He added they received Biennial National Grassroots Innovation Award in past and NIF's award was the first recognition for their innovations. These innovators are Jagdish Prasad Parikh who developed a new variety of Cauliflower, Uddhab Kumar Bharali who developed a Pomegranate Deseeder, Arecanut peeler and a Bamboo splitting machine, and Vallabhbhai Vasrambhai Marvaniya who developed an improved Carrot variety, whose innovations have helped thousands.

In order to qualify for recognition in the award function, the submissions received during a particular national biennial competition period are subjected to detailed technical and patent prior art search to ascertain the novelty, social applicability and/or cost effectiveness. Market research is undertaken and user feedback taken if the innovation has been commercialized. Thereafter a short-list of innovations is made, which is presented before Research Advisory Committee (RAC) comprising experts from top Technological, Academic and R&D institutions, and Industry from all parts of India to recommend potential awardees. For short-listing innovations and making recommendations for the 10th National awards, one RAC meeting each was organized for Engineering, Agriculture and Veterinary technologies.



Hon'ble Governor of Gujarat Shri O P Kohali released 10th National Biennial Award Book 2019 released and presented its first copy to Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind

The Festival of Innovation and Entrepreneurship 2019

The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) is country's flagship initiative towards recognizing and rewarding creativity of common man of our country. Organized by the Department of Science and Technology (DST), Government of India and National Innovation Foundation (NIF) – India under the aegis of Rashtrapati Bhawan. FINE is a unique effort in the sense that it promotes Science, Technology and Innovation and together bring about a cultural shift amongst citizens for profound interest in entrepreneurship. Accordingly, the FINE 2019 was organised at the NIF, Gandhinagar during 15th – 19th March, 2019.

The Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind, inaugurated the Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE) 2019 at NIF, Gandhinagar on 15th March, 2019. The President presented the 10th Biennial National Grassroots Innovation Awards, visited the Innovation Exhibition and interacted with the 6th batch of Innovation Scholars In-Residence programme. The Innovation Scholars In - Residence included

Shravan Kumar Bajya (Rajasthan) for Onion harvester, Abhishek Bhagat (Bihar) for automatic cooking machine, Dipak Bharali (Assam) for design making by weft insertion method, Jagdish Prasad Pareek (Raiasthan), for an improved cauliflower variety, Chhaya Thakor (Gujarat) for inclined installation of water taps, Sulochana Kakodia (Madhya Pradesh) for fully automatic toilet cleaning machine, Dipankar Das (Andaman and Nicobar Islands) for solar pulse thresher, Madanlal Kumavat (Rajasthan) for multi-crop thresher, Indrajit Singh Khas (Maharashtra) for turmeric and ginger planter, Sikanto Mandal (Uttar Pradesh) for mobile garbage collecting device, and Ishwar Singh Kundu (Haryana) for a multi utility herbal formulation.

During his inaugural speech, the Hon'ble President said that as we seek to meet important developmental goals and build a caring, inclusive, happy society, we have to draw upon the power of innovation to find solutions to India's concerns in diverse domains such as health, education, food



The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2019 was inaugurated by The President of India Shri Ram Nath Kovind on 15th March, 2019



Sixth batch of In-Residence Programme for innovation scholars called on Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind

security, energy access, environmental protection, and national security. We have to make all efforts to promote an innovation culture and become an innovation society. This will provide us the best possibility of ensuring that every young Indian will have an opportunity to realise his or her true potential.

The Hon'ble President mentioned that an innovative idea in itself is not enough. It is important to ensure that a creative idea gets the support it needs for its maturing, diffusion and delivery on the ground. Innovation itself is only the first of two key

drivers to ensure that any innovation becomes actionable. The second key driver is entrepreneurship, which needs to supplement innovation so as to deliver benefits to our fellow citizens. We need to build an ecosystem for converting innovations into enterprises. This requires backing for start-ups and for incubating young innovators by providing financial, mentoring and policy support.

As a part of FINE, roundtables were held on five distinct themes where innovators, representatives from various Ministries, State Governments and



Five distinct round table were organized during the Festival of Innovation and Entrepreneurship 2019

Public/Private S&T Institutions, Scientists, Entrepreneurs/Start - ups, Regulators, Industry chambers participated. The themes for the five round tables were Science & Technology led innovations for scaling up and commercialization of innovations, unleashing the potential of Indian agriculture—Increasing wealth creation and employment, Healthcare and Nutrition, Inclusive development and Waste to Wealth.

In addition, an open session was held on the theme of Incubators and Start-ups, and Women led start-ups, which saw participation from youth – budding entrepreneurs and students from professional courses who had an opportunity to interact with some of the stalwarts of present day entrepreneurship, incubation and start-up ecosystem in the country. An interactive session was also organized between experts in various fields from academic, public and private institutions in the country and grassroots innovators focused on

identifying directions for meaningful incubation of the latter.

The innovation exhibition saw participation from grassroots innovators, innovative school children particularly the winners of INSPIRE Awards - MANAK 2018-19 and to motivate them thousands of visitors visited the exhibition during the festival. For the first time, two grassroots innovators from ASEAN member states also participated in the innovation exhibition.

On 19th March, 2019 during the concluding session of FINE 2019, key recommendations in form of a summary of all five round tables was presented before the Secretary to the President of India at Rashtrapati Bhavan, New Delhi. On this occasion, the 6th batch of Innovation Scholars In-Residence programme also shared their experiences during FINE 2019.



The President of India Shri Ram Nath Kovind interacted with INSPIRE Awards-MANAK awardees during the Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2019

The INSPIRE Award - MANAK (Million Minds Augmenting National Aspiration and Knowledge) is a national competition of innovations for school students organized by the Department of Science & Technology in partnership with NIF. Under the scheme, an initial investment of Rs. 10,000 is envisioned in the top one lakh ideas identified from a pool of one million ideas every year. These one lakh ideas are further shortlisted at district and state level and the top sixty ideas/innovations are awarded at the National level, with NIF incubating them. The scheme, which is aligned with the action plan for "Start-up India", aims to build a critical human resource pool for strengthening, expanding science and technology system by involving students at the school level (classes 6-10, age 10-15 years).

Beginning with a one day National workshop of all State Nodal Officers (SNOs) on 6th April 2018 at Delhi where SNOs from 32 states participated, NIF continued to engage with state and district officials across the country to mobilize nominations for the Award. INSPIRE MANAK literature (booklet, posters and letters in 15 regional languages) were sent to about 7 lakh schools of the country (government, private, aided or unaided schools

from classes 6 to 10) for outreach and in order to maximize the submissions for the year 2018. Also promotional content in the form of animation films in 15 regional languages viz. Assamese, Bengali, Kannada, Konkani, Malayalam, Manipuri, Oriya, Marathi, Punjabi, Tamil, Telugu, Urdu, Gujarati in addition to Hindi and English were developed and distributed to DNOs.

During 2018-19, for the INSPIRE Awards – MANAK competition, 2,87,994 nominations were received from all States and Union Territories of the country. Out of these, 50,279 were provided with a financial support of Rs 10,000 each for developing prototypes. After a series of DLEPCs (District Level Exhibition and Project Competition) and subsequently SLEPCs (State Level Exhibition and Project Competition) 776 students from 34 states qualified for participation in the two day 7th National Level Exhibition and Project Competition (NLEPC) at IIT Delhi on 14th-15th February, 2019. The NLEPC was inaugurated by Prof. Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology, Government of India on 14th February and the award function was held on 15th February. A total of sixty students were selected for award for their innovative projects.



Ms. Sulochana Kakodia (Madhya Pradesh) receiving first prize for her "Fully Automatic Toilet Cleaning Machine" during the 7th National Level Exhibition and Project Competition (NLEPC) on 15th Feb 2019 at IIT Delhi



 $Shri\, Prakash\, Javadekar,\, The\, then\, Union\, Minister\, of\, Human\, Resource\, Development\, interacted\, with\, students\, during\, mentorship\, workshop\, and\, the proposition of the proposi$

Sulochana Kakodia (Madhya Pradesh) for her fully Automatic toilet cleaning machine, Sayen Akhtar Shaik (Andaman and Nicobar Islands) for Plastic safety cap opener of LPG cylinder and Marripelli Abhishek (Telangana) for Paddy filling machine were selected for the first, second and third prize respectively.

Earlier, with the objective of improving the prototypes to be displayed at the NLEPC, NIF

conducted 16 mentoring workshops for students from 29 States at premier Institutions of the country where about 300 students participated. At the mentoring workshop organized at MNIT, Jaipur during $20^{th} - 21^{th}$ November 2018, the then Union Minister for HRD, Shri Prakash Javadekar, interacted with the students, shared his insights on their ideas and innovations and motivated them.



Students interacted with the experts during the INSPIRE Awards – MANAK mentoring workshop

Scouting, Documentation and Database Management:

National Biennial Competition - The Eleventh National Biennial Competition (1st April 2017 – 31st March 2019) for unaided grassroots innovations and outstanding traditional knowledge concluded with submission of about 15,000 entries from grassroots innovators and traditional knowledge holders received from 35 States and Union Territories of the country. The twelfth National Biennial Competition started on 1st April 2019 and the entries will be accepted up to 31st March 2021.

Engagement with Department of Agriculture, Government of Odisha in search of grassroots innovations in agricultural implements

The Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Govt. of Odisha with the support of NIF launched a competition "Mukhya Mantri Abhinav Krishi Jantrapati Samman" for farmers and agricultural workers having innovations in small implements (manual/bullock drawn/power - less than 2HP) used in agriculture. The aim of this competition was to identify and recognize the innovations/ technologies, which will ease the work

of farmers as well as reduce the drudgery of women in farming. NIF organized twenty one district and three zonal level workshops for the sensitisation and orientation on scouting and documentation of innovations where village level workers, aganwadi workers, agricultural officers and agricultural engineers from all districts of Odisha participated. A State Level Workshop was also organized by Department of Agriculture, Govt. of Odisha & NIF on 22nd September 2018 at Bhubaneswar to review the progress of activity. As a result of the concerted efforts over a few months, about 2000 submissions were received in the competition. Three innovators from every district were given a cash prize of Rs. 15,000 along with a certificate. The State level Award ceremony of the scheme was held on 24th February 2019 at Krushi Bhawan Odisha. An exhibition was organized for 90 awardees at the district level who demonstrated their technologies during the ceremony. Total 14 innovators were felicitated at state level award ceremony were the top innovators received cash prizes up to Rs. 2,00,000/- in different categories.

Promotion of Scouting and Documentation activities across the country

NIF organized a two day National workshop on



State level innovation under Mukhya Mantri Abhinav Krushi Jantrapati Samman project at Bhubaneshwar, Odisha

Scouting and Documentation of Grassroots Innovation and Traditional Knowledge during 11th-12th December, 2018 at NIF Bhubaneshwar Cell. About 80 scouts from 27 States and Union Territories of the country participated in the workshop. The key objectives of the workshop were capacity building, training on scouting and documentation of innovations and traditional knowledge - based practices, learning from each other's experiences and to design new strategies for scouting innovations in a more efficient way.

NIF organized a regional workshop for enabling scouting, documentation activities on 29th November 2018 at NIF Dehdradun Cell, which saw participation of 47 individuals from Haryana, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and the hilly regions of Uttarakhand (Garhwal and Kumaon). Potential resource personnel from remote areas viz., Chakrata, Uttarkashi, Almora, Chamoli, Pauri Garhwal of Uttarakhand were involved to scale up institutional activities. A "Workshop for mainstreaming grassroots innovations and outstanding traditional knowledge from aspirational districts of Assam" was organised for scouting and documentation in the seven aspirational districts of Assam on 7th August 2018 in partnership with Assam Science Technology and Environment Council (ASTEC), Govt. of Assam.

To augment scouting and documentation activities, orientation programs were organized for the students of Govt. Girls Degree College, Mainpuri, Uttar Pradesh and NV Patel College of Pure and Applied Sciences, Vallabh Vidyanagar, Gujarat on 25th December 2018 and 11th January 2019 respectively where more than two hundred students studying in various graduate and post graduate courses participated. The objective of the program was to guide and provide orientation to students on scouting and documentation of grassroots innovation and outstanding traditional knowledge, so they can scout and document the same during their vacations as well as during their field work. Similar activity was also carried out in the Department of Forestry, Mizoram University during November-December 2018.

A meeting was also organized with Block Level Officers, SHG members of Jharkhand State Livelihood Mission (JSLPS), Govt. of Jharkhand from Dumka District on 4th January 2019 and SHG

groups of Dumka block under Sakhi Sambad program of JSLPS on 5th January 2019 focusing on scouting and documentation of innovations and traditional knowledge and, their social and commercial dissemination.

Additionally, the NIF organized scouting & documentation camps in untouched & border area of Jammu & Kashmir such as Chinab valley particularly in districts like Ramban, Doda Kishtwar and Ladakh. The training sessions were conducted for teachers and students in order to involve them in documenting best practices and innovations from the region particularly the innovations from women and for women. Scouting & Documentation programs were also organized in Mansa district of Punjab and Jind, Hisar and Sirsa districts of Haryana.

Engaging with traditional knowledge holders -During the year, a number of workshops with herbal healers and farmers were organised in villages of Mukteshwar, Nainital district and Pauri Garhwal district of Uttarakhand: Una and Mandi districts of Himachal Pradesh; Arawali district of Gujarat; East Sikkim district of Sikkim, Darjeeling and Jalpaiguri districts of West Bengal, Churanchandpur district in Manipur, Nagaon and Nalbari Districts of Assam and Banka district of Bihar. Herbal healer workshop was also organised at Forest Academy in Hyderabad, Telangana where hundreds of healers/farmers from eight districts (Mahabubabad, Jogulamba Gadwal, Nalgonda, Jayashankar Bhupalpally, Nizamabad, Nagarkurnool, Ranga Reddy and Warangal rural) participated. The workshops were organised to promote lateral learning among knowledge holders, spreading awareness about grassroots innovations and also document herbal practices related to agriculture. veterinary medication and human health.

Besides, during the 41st Shodh Yatra, many traditional knowledge practices for agriculture, human and animal health were documented along with some creative ideas from innovators and students. Two bilingual (Hindi/Bengali) booklets, one on useful grassroots innovations and other giving details of herbal practices pertaining to agriculture and veterinary were also distributed among the farmers and other villagers along the route.

Value Addition Research and Development

I. Engineering

The engineering team undertook extensive field visits and conducted a detailed evaluation of a number of innovations viz. prior art search, benchmarking with alternatives available in market, taking feedback of Subject Matter Experts (SME's) was carried out.



Improved prototypes of the twenty four technologies including wrapper picker, walnut cracker, cotton wick making machine, tractor operated onion digger, water lifting pump, animal carcass picking machine, dust bin with trapped animal indicator, sleeping bed with detachable wheel chair, chironji decorticator, fall alert system in bathroom, tactile cum braille signage to help visually challenged in public buildings, visually challenged friendly navigation facilitation system, pesticide spray pump with mandatory protective mask, intelligent goggles for blind, etc. were developed by the engineers, innovators, design interns in Fab Lab of NIF.

Community workshops were established at eight locations in Odisha, Assam, and Andhra Pradesh. The number of community workshops has touched to 59 in 23 states. A Grassroots Design Studio (GRIDS) was initiated at NIT Manipur to undertake value addition in and validation of grassroots technologies. Financial and technical support was extended to thirty nine innovators from twenty states including Andhra Pradesh, Assam, Gujarat, Rajasthan, Jammu & Kashmir, Punjab, Maharashtra, Chhattisgarh, Kerala, Haryana, Odisha, Manipur, Telangana, Madhya Pradesh, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, Jharkhand, West Bengal, Arunachal Pradesh and Nagaland for developing improved prototypes of their innovations.

Indian National Academy of Engineering (INAE),



Development of Prototype in FABLAB at National Innovation Foundation-India

NIF organized a workshop at National Institute of Advanced Studies (NIAS), Bengaluru on 20th September 2018 for shortlisting technologies for value addition by the INAE fellows under Frugal Innovation Nurturing Program (FINP). Seven technologies were shortlisted by the INAE for further evaluation and value addition to transform them into sustainable technologies. A follow up workshop was organized with INAE at National Institute of Advanced Studies (NIAS), Bengaluru on 16th January 2019 where amongst other things the grassroots innovators and experts from Indian Institute of Science (IISc) Bengaluru discussed the scope of value addition under the FINP.

NIF's intervention in making standards for grassroots innovation – Bullet Santi

In order to formalize the manufacturing and marketing of Bullet Santi (Multipurpose agricultural tool bar) legally and for the larger benefit of the farming community and small-scale manufactures, NIF initially approached competent authority for its testing and certification as per IS/ISO standards. However, the request to test and certify the Bullet Santi was declined due to absence of standards. NIF got cognizance of the Bureau of Indian Standards (BIS) - the National Standards and Regulatory body for developing new standards to the issue. BIS suggested NIF on behalf of the manufacturers to approach the Society of Automotive Engineers Inc. (SAE), USA for getting the World Manufacturer Index (WMI). SAE International is the international agency responsible for the maintenance of the WMI codes. WMI code, serves as a frame of reference for establishing the structure of identification numbers for manufactured vehicles. NIF and BIS jointly pursued with SAE International for the allotment of WMI Code to M/s Jay Khodiyar Welding Works under the proprietorship of Masukhbhai Jagani, the innovator and M/s Rathod Agro Industries and both the manufacturers have now been allotted with WMI code by SAE International.

ii. Agriculture

Plant varieties

The validation of fourteen farmers' varieties of Cauliflower, Pea, Onion, Carrot, Banana and Paddy was carried out at seven agricultural



Kubri Mamhani selection paddy variety

universities and research institutes viz. Bihar Agricultural University, Sabour, (Bihar), Central Agricultural University, Imphal, (Manipur), Dr. Balasaheb Sawant Konkan Krishi Vidyapith, Dapoli, (Maharashtra) and Indira Gandhi Krishi Vishvavidyalaya, Raipur, Chhattisgarh and Kerala Agricultural University, Thrissur, (Kerala), Rajasthan Agricultural Research Institute, Jaipur (Rajasthan) and National Research Centre for Banana (NRCB), Tiruchirappalli, (Tamil Nadu). The cauliflower variety was found to be superior in terms of curd and vegetative yield over reference variety. The paddy varieties yielded at par with the reference varieties; the non-lodging Gopika paddy variety exhibited uniform and high tillering, and was found to be suitable for mechanical harvesting. The Kamal-2 was reported having short bold type grains with good aroma whereas Hemant paddy reported fine slender grains having high yield and good commercial value. The farmer's pea variety outperformed the reference variety whereas onion varieties (Sandip pyaj and Sona 40) reported higher yield, average bulb weight, good thickness of rings and excellent shelf life in case of Sandip pyaz variety. The farmers' carrot varieties Madhuvan Gajar and Durga-4 were found to be outperforming over national and local reference varieties.

The on-site evaluation of two mango varieties was carried out by Indian Institute of Horticultural Research, Bengaluru. It was reported that the varieties Seb ka Aam and Mosambi ka Aam were unique and innovative for their morphological traits and taste respectively. The biochemical analysis of six farmers' nutmeg varieties was carried out by

Indian Institute of Spice Research, Khozikode (Kerala) reports that the mace of Souwriyamakkal variety contained significantly higher oil (24.30%) & Myristicin (25.95%) content, whereas the variety Edavarembil gold has significantly higher oil (13.3%), total phenol (20.7 mg GAE/g) & Alphalimonene (9.84%) contents as compared to other farmers' and reference varieties.

Followed by the initiative of planting over 10,000 plants of apple variety-HRMN 99 throughout the country and fruiting in 15 non-apple growing states, the fruit quality analysis of HRMN-99 apple variety



HRMN-99, the apple variety for low altitude developed by Shri Hariman Sharma, has fruited in the State of Manipur

(cultivated organically in Manipur) was carried out by ICAR Research Complex for NEH Region, Imphal. Based on report for suitability of the variety for cultivation in Manipur, NIF initiated the project on commercial cultivation of HRMN 99 apple variety at eight farmers' orchards across six districts of Manipur.

Plant protection

The bio-efficacy evaluation trials of 13 herbal leads

against sucking and borer pests of Okra were conducted at Institute of Agricultural Sciences, BHU, Varanasi. Two leads were found effective against Whiteflies and leaf hoppers, two leads effective against fruit and shoot borer- *Earias vitella* while one lead was reported for acaricidal property against red mites of Okra.

Bio-efficacy evaluation trials of six herbal plant protection leads were conducted against insect pests of Okra at NIF research farm where five leads were found to be very effective against leaf hoppers providing excellent control up to 14 days after treatments. Bio-efficacy evaluation of 2 value added formulations prepared by pooling of common plants with insecticidal properties were conducted at five farmers' field against sucking and borer pests of Groundnut and Paddy. The value added aqueous formulation was very effective against borer pests and Red hairy caterpillar, providing at par efficacy with the chemical control. The formulation was also effective in controlling sucking pests like Whitefly and Jassids in groundnut while it was also reported to be effective in the management of brown plant hoppers, white back plant hoppers and green leaf hoppers in paddy during Kharif 2018.

During Rabi 2018-19, 13 herbal leads were tested against insect pests of chili at NIF farm as well as farmers' fields. Two leads were found to be effective against both Whitefly and Yellow mites while four formulations were effective against Whitefly and five leads were found to be effective against Yellow mites at both the locations tested.

Three bio-efficacy evaluation trials for synergistic data generation pertaining to three patent applications were conducted against sucking and borer pests of tomato and brinjal at NIF's research farm. The leaf miner and tomato fruit borer populations were controlled in effective manner as compared to chemical control in tomato, whereas against brinjal pests, all the formulations reduced population of sucking pests (White fly and Jassids) and did not cause any adverse effects on beneficial insects like spiders, ladybird beetles.

Farmers' field demonstration trials

NIF conducted on-farm performance evaluation trials of thirty farmers' plant varieties at over 500

farmers' fields in 16 states during Kharif and Rabi 2018. The varieties of wheat, paddy, onion, brinjal, pearl millet, pigeon pea and hyacinth bean exhibited and has reported superior performance in the study areas. The performance evaluation trial on fifteen paddy varieties was conducted at Gandhinagar, Gujarat. The farmers' varieties Hemant, Kamal and Dadaji HMT were found to have lengthy panicles, maximum number of panicles and higher number of fertile spikelets respectively. The reference variety GAR-13 produced maximum grain yield followed by farmers' varieties Kudrat-5 and Chinnar-20.

A total of 53 farmers were provided with value added oil based formulation for conducting demonstration trials against pests of various crops like- Brinjal, Okra, Cotton, Mung bean, Sponge gourd and Tomato. The formulation was found to be effective against sucking pests like whitefly, aphids, mealy bugs and jassids providing control up to 80 percent. In case of Mung bean, the formulation was very effective against the caterpillar and provided excellent control.

Farmers field schools on Traditional Knowledge Based Insect-Pest Management



Farmers' field school organised in Sikkim

In order to reduce the burden of chemicals in agriculture, training of farmers in use of local available bio resources for insect-pest management in different crops was organized in the states of Gujarat, Rajasthan, Uttar Pradesh, Sikkim, Manipur and West Bengal covering over 500 farmers in different districts. The farmers were

made aware of the various plants locally available that can be used in preparing herbal formulations for control of different pests. Another initiative for the management of invasive pest *—Spodoptera frugiperda* in Maize was started in two districts of Gujarat covering over 50 farmers using ITK based herbal formulation.

iii. Veterinary

Veterinary clinical trial protocols for ailments including the treatment of indigenous medications against tick infestation, bloat, Bovine ephemeral fever, galactogogue properties, lactational-anestrus, retention of placental conditions, endoparasite infestations, mastitis, coccidial infection in broiler birds, Ranikhet disease virus & secondary bacterial complications in poultry were part of a formal review process this year.

Clinical research program was interfaced with seven veterinary institutions for evaluating 37 unique medicinal practices. Research proposals were sought from College of Veterinary Science & Animal Husbandry, Bhubaneswar (mastitis), Nagpur Veterinary College, Nagpur (Anestrus), Sri Venkateswara Veterinary University, Tirupati (Anestrus), College of Veterinary Science & Animal Husbandry, Jabalpur (Anestrus), Dr. G C Negi College of Veterinary and Animal Sciences, Palampur (Retention of placenta), Faculty of Veterinary Sciences & Animal Husbandry, R S Pura (galactogogue properties) and College of Veterinary and Animal Sciences, Udgir (Bovine Ephemeral fever) to scientifically validate indigenous veterinary technologies. Product development proposals were developed with help of Indian Genomix Pvt Ltd (Hyderabad) and Rakesh Pharmaceuticals (Kalol, Gandhinagar) to standardize formulations of scientifically validated technologies in the treatment of Mastitis. Tick and Bloat ailments affecting livestock.

Ten unique herbal veterinary medications for the treatment of mastitis, anestrus, bloat among animals and coccidiosis in poultry were tested during the period at Nagpur Veterinary College and College of Veterinary Science and Animal Husbandry, Anjora, Durg. The medications were found to be effective in relieving bloat condition and improvising appetite, anestrus, mastitis and poultry problems. A project review meeting was held on 4th

February 2019 for initiating clinical trials and for diffusion of veterinary technologies among veterinary institutions across country.

NIF and Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University (TANUVAS) organized a workshop 'Indigenous Technical Knowledge based practices for health care of livestock' at Veterinary College and Research Institute (VCRI), Orathanadu on 26th June 2018. Twenty-nine Veterinary Assistant Surgeons from State Animal Husbandry Department of Thanjavur region and the faculty of VCRI participated in the workshop. The opportunities in utilizing indigenous technical knowledge based practices and for prioritizing ailments to undertake demonstrations were discussed. As a part of NIF national campaign, a session was organized in popularizing NIF's polyherbal acaricide wherein farmers can undertake medicinal preparation at their farm for which demonstration was held at a Dairy Society, Vellore near Orathandu. A unique veterinary technology was launched as pilot product in form of feed supplement on 11th July 2018 with support of Rakesh Phamaceuticals, Gujarat. The supplement helps dairy animal to combat anestrus condition.

NIF and Chhattisgarh Kamdhenu Vishwavidyalaya organised state level workshop, 'Reinforcing indigenous veterinary knowledge for livestock health care' on 24th July 2018 at College of Veterinary Science and Animal Husbandry, Durg. This workshop was attended by officials of state animal husbandry department from five districts viz., Dhamtari, Durg, Mahasamund, Rajnandgaon and Raipur along with eighteen government veterinary officers deputed by Animal Husbandry Department apart from University faculty. The University is keen to take forward NIF's technology in control of tick infestation within the state.

DGCN College of Veterinary and Animal Sciences, Palampur had adopted NIF acaricide technology and has been implementing it across Himachal Pradesh. Doordarshan Kendra (DDK), Shimla took note of this development and visited demonstration sites for making a documentary on 31st May 2018. The role of NIF in popularizing this low cost technology was duly recognized and acknowledged.

iv. Human Health

Validation of unique herbal leads - During the year, 33 new projects for undertaking pre-clinical validation were initiated at nine Institutes/ Clinical Research Organisations (CROs) viz. National Jalma Institute of Leprosy and Other Mycobacterial diseases, Agra, CSIR- CIMAP Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants, Lucknow, AIIMS, New Delhi, KIIT University, Bhubaneshwar, Anthem Biosciences Limited, Bengaluru, Hanagal Shri Kumareshwar College of Pharmacy, Bagalkot, Karnataka, Anand Pharmacy college, Anand, Dabur Research Foundation, Ghaziabad and PERD Centre, Ahmedabad. A clinical trial project for gingivitis was also initiated at AIIMS, New Delhi.

NIF coordinated the validation projects ongoing at various institutes in 16 disease areas including asthma, cataract, diabetes, gastric ulcers, hypertension, jaundice, hepato-protection, urolithiasis, tuberculosis, gingivitis, osteoporosis, neural disorders, malaria, arthritis, typhoid and cancer, which are at different stages of pre-clinical validation. About 125 unique herbal leads are currently under validation in the above mentioned disease areas.

Four leads for osteoporosis validated at Dabur Research Foundation were found to be effective in maintaining balance between bone resorptionbone formation thereby reducing the risk of fractures in people suffering from osteoporosis. Four out of ten herbal leads for tuberculosis validated at National Jalma Institute of Leprosy and Mycobacterium tuberculosis. After conducting toxicity studies, currently, in-vivo validation of the leads is ongoing for evaluation of efficacy and calculation of minimal human dose. Evaluations of anti-epileptogenic activity of 12 herbal practices were conducted at Anand Pharmacy College, Anand and Anthem Biosciences Limited-Bengaluru. Ten herbal leads whose mode of action was found to be similar to that of standard drug Diazepam will be further evaluated for their marker phytochemical followed by product development. The anti-inflammation & anti-arthritic activities of three herbal extracts were evaluated at Dabur Research Foundation, Ghaziabad, which showed promising results will be taken up for further validation.

Product development

Herbal technologies viz. herbal mosquito repellent cream (applied for ayurvedic license), cataract eye drop and gel (in clinical trials at BVPDU, Pune) and herbal mouth wash (in clinical trials at AIIMS, New Delhi) have progressed well.

Intellectual Property Rights

For securing IP rights of the innovators in case of engineering related innovations, NIF filed 57 patent applications during the year. The responses to First Examination Report (FER) were filed in 107 cases. Thirteen patents related to engineering innovations were also granted during the period.

For herbal human health related practices, NIF filed 32 patent applications in the name of the herbal healers/ knowledge holders as well as filed

response for 23 FERs. Six patents on herbal human health related practices were granted during the year. In case of veterinary practices, during the period, response to FERs was filed in 37 cases while for agriculture practices, in six cases. Two patents on herbal agricultural formulations were granted in the year.

Total 89 patents were filed and 21 were granted during the year. A design registration for INSPIRE Awards MANAK award trophy was also filed.

NIF also filed four applications (cauliflower, grape and onion) for plant variety registration at PPV&FR Authority. The certificates of registration for 6 farmer developed improved plant varieties (rice, pigeon pea, wheat) were granted by the PPV&FR Authority as well, during the year.

Technology Transfers

NIF was able to undertake five technology transfers for engineering related innovations, which include adjustable walker, multipurpose room heating, timer based auto switch, walnut peeler, animal carcass picking machine to Nemarit Engineering Pvt. Ltd (Gujarat). Another agreement for technology transfer of herbal dyes for wooden toys was renewed with Gogalgai Toys LLP (Maharashtra).

For commercialization of herbal veterinary technologies, NIF entered into an agreement with Rakesh Pharmaceuticals, Gujarat on 24th April 2018. The agreement covers medications for the treatment of anestrus, mastitis and ectoparasite infestation. NIF also entered into technology license agreement with Rakesh Animal Health Pvt Ltd., Gujarat on 11th October 2018 for patented technology for the control of endoparasite infestation among farm animals. A product 'Mastirak', for the treatment of Mastitis, an economic ailment affecting livestock, was launched into market through a Licensing arrangement with Rakesh Pharmaceuticals to treat subclinical and clinical mastitis.

Commercialization through Technology Business Incubator of NIF

Gogalgai Toys LLP was recognized as start-up by DIPP, Ministry of Commerce, Govt. of India with the

assistance of NIF. This is an extension of initiative undertaken previous year to harness start-up incentives for high potential innovations supported by NIF. Total 13 enterprises supported by NIF are recognized as startups.

Five new Private Limited Companies have been incorporated with the support of NIF by innovators / entrepreneurs including Invento Processing Tools Pvt Ltd. corresponding to the innovation Chandan (Sandal) paste making machine, Robothing Gadgets Pvt Ltd. corresponding to the innovation automatic cooking machine (Robo Cook), Anventa Gadgetix Private Limited corresponding to the innovation pole pro, Ayappam Agrotec Private Limited corresponding to the innovation Groundnut digger and disc harrow seed drill and Mitticool Private Limited corresponding to the innovation mitticool refrigerator.

Four Innovations were taken up for registration at GeM (Government E-Marketplace) so that they could participate as a seller in the Public Procurement Process and leverage the benefits offered to Start-ups. These include CK Enterprises and Agro Equipments Private Limited (Orchard Sprayer), Notion Technocrats India Pvt Ltd (Natural Water Cooler), Rafiq Innovations Private Limited (Multipurpose Carpentry Tools), Dharambir Food Processing Technologies Private Limited (Multi-purpose food processing machine).



Mastirak is a herbal medication used in treatment of subclinical and clinical mastitis among animal, incubated and commercialized by NIF

Dissemination and Social Diffusion

NIF continued its effort towards dissemination and social diffusion, primarily in the far flung, tribal and backward areas of the country. New projects were initiated for diffusion of grassroots innovations and ongoing projects were supported in the states of Sikkim, Meghalaya, Assam, Gujarat, Maharashtra, Rajasthan, Manipur, Madhya Pradesh, Andaman and Nicobar, Jammu and Kashmir, Chhattisgarh, Bihar, Jharkhand, Odisha, West Bengal, and among others.

Demonstration of innovative technologies

During the year, natural water coolers and swacchhtta cart – the waste pick-up and disposal cart was diffused in tribal and remotes areas of Kunti, Dumka, Sahebganj, Ranchi districts of Jharkhand; Dantewada, Bastar, Bijapur, Jagdalpur districts of Chhattisgarh; Khorda, Malkangiri, Ganjam, Kalahandi, Kandhamal, Mayurbhanj, Nabarangpur districts of Odisha; Darjeling, Jalpaiguri, Birbhum districts of West Bengal, Nawada district of Bihar, and South Sikkim District



Installation of Natural Water Cooler in Nawada, Bihar

of Sikkim. NIF also facilitated the introduction of multi-purpose processing unit machine in Meghalaya and Andaman and Nicobar, where NIF is working with the State Department of Science and Technology to set up an innovation exhibition cum training centre. Already some innovations viz. hand operated water lifting pump, paddy husk stove, tree climber, multi-tree climber, bicycle hoe has been made available to them. A unit of Sanitary Napkin Machine is also proposed to be established there for providing training to women folk to produce sanitary napkins.

NIF diffused low cost innovations in different districts of Jammu and Kashmir. Some of the introduced innovations can be fabricated locally by interested entrepreneurs as rights of these were acquired by NIF under the Grassroots Technological Innovation Acquisition Fund (GTIAF) earlier. These innovations include manual hand operated water lifting pump, head load reducing device, multipurpose tool, paddy husk stove, cow dung pot & log making machine, and walnut cracker. NIF is working with the Department of Science, Technology and Climate Change, Government of Sikkim to establish innovation hubs in all the districts of the state so that people can have access to some innovative technologies.

Training on innovations for livelihood generation

NIF had facilitated the introduction of multipurpose processing machine of Dharamveer Kamboj in



Training on Sanitary Napkin Making, Karbi Anglong, Assam



Training on Sanitary Napkin Machine at Dumka, Jharkhand

Meghalaya, Manipur and Assam. Hands-on training programs were organized during 2nd-11tthApril 2018 in Shillong (Meghalaya), Guwahati (Assam) and Ukhrul (Manipur) where over fifty people were trained in using the machine for preparing jam, ketchup, juice, fruit juice concentrate, soaps, face wash, shampoo among other products using locally available raw materials. The training was aimed at providing an alternative livelihood opportunity to the people to locally process raw materials and develop value-added products.

In Chhattisgarh, with the help of the Forest department, Jagdalpur district, an Incense stick making machine of the grassroots innovator Paresh Panchal and multi-seed decorticator machine of DV Chouhan were set up in Nangur village on 26th May 2018. Hands-on training was provided to about hundred women from twelve Self Help Groups of nearby places. A unit of incense stick making machine was also started at Dasna



Training on Incense Stick Making machine in Bastar, Chhattisgarh

Prison, Uttar Pradesh on 18th July, 2018. Training was facilitated by the innovator for the prison inmates. Hands-on training was also given cow dung pot making machine to more than 40 people in Aasna nursery of Forest department, Jagdalpur, Chhattisgarh. A three-day training program for making low-cost sanitary napkin pads using sanitary napkin making machine of grassroots innovator Afzal Sheikh was organized at Chittalaur block of Dantewada, Chhattisgarh during 27th-29th May 2018. The sanitary napkin making machine was provided to help rural women generate their livelihood by producing and selling pads. The training program was attended by the women from five Self Help Groups of the block. Similar training programs on sanitary napkin making machine were also organized in Shillong (Meghalaya) and Majuli (Assam) during 13th-20th January 2019. A three-day training program on sanitary napkin making machine was also organized to support women in the Shivtalla village of Dumka district of Jharkhand. 20 women from different SHG groups were given hands-on training for making the sanitary napkins with the unit being inaugurated on the International Women Day - March 8.

In collaboration with State Council of Science, Technology and Environment, Meghalaya, NIF is also undertaking a capacity building activity for potters of the state. Under this, seasoned innovator entrepreneur Mansukhbhai Prajapati of Mitticool Clay products visited Meghalaya to interact with potters and had a look at the available soil samples, which have been sent to him for testing and trials at his factory. Later some potters from Meghalaya were invited to his place to have a look at his factory



Making ecofriendly cow dung pots in Bastar, Chhattisgarh



Minister of Education, Govt. of Assam, Shri Siddhartha Bhattacharya at Innovation Exhibition at RSC, Guwahati, Assam

and process. Mansukhbhai will also help to design simple machinery to be used in Meghalaya by potters there. This experiment appears to be promising and should help upgrade the tools and techniques of the potters of Meghalaya.

Organising/ participation in exhibitions and fairs

In Odisha, NIF organized the State Level Farmers' Innovation Fair in partnership with ICAR – CIFA, OUAT, Bhubaneswar and KVK Khorda on 8th June 2018. The fair saw the participation of sixty farmers from all the districts of Odisha who showcased their innovations. Some innovations from other states useful for farmers of Odisha were also exhibited in the fair. Seeds of farmers' developed varieties were given to KVK's and progressive farmers for on-farm trials. Earlier, in order to promote wider adoption of grassroots innovations in Tamil Nadu, a State Level Innovative Farmers Meet was organized with ICAR-KVK Theni, Tamil Nadu in May 2018.

NIF participated in the National Farmers' Science

Congress on Grassroots Innovations in Farm Production, Value chain Integration and Market Linkages as a knowledge partner organised by Bihar Agricultural University, Sabour, Bihar during 5th-7th August 2018. Eleven grassroots innovators participated and showcased their innovations in the NIF pavilion. A two-day State Level Innovative Farmers Meet and Innovation Exhibition was jointly organized by NIF and Bharatiya Krishi Vigyan Kendra, Fatehpur, Sikar district of Rajasthan during 23rd -24th August 2018. A total of 60 innovators from 15 districts of Rajasthan participated in the meet and presented their innovation and innovative practices. NIF also participated in Kalahandi Dialogue at Kalahandi, Odisha during 28th-30th September 2018 where an innovation exhibition was set up. The exhibition attracted over 800 delegates, speakers, farmers and students and interaction was helpful in creating a network of volunteers to mobilize our activities in the region.

NIF participated in the Mega Science & Technology Expo and Science & Technology for Harnessing Innovations (SATHI) held during India International

Science Festival at Lucknow during 5th-8th October 2018. Grassroots innovators from Chhattisgarh, Delhi, Uttar Pradesh, Uttarakhand, Odisha and Andhra Pradesh showcased their innovations. NIF also participated in MTNL-Perfect Health Mela by displaying health related innovations during 23rd-27th October 2018 at New Delhi. NIF participated in the 'Pride of India Expo', which was organized as a part of the 106th Indian Science Congress from 3rd-7th January 2019 at Jalandhar, Punjab. "Future India: Science & Technology" was the focal theme of this year's Indian Science Congress and lot of young students from various parts of the country, particularly from Punjab, expressed interest in knowing more about the grassroots and school students' innovations.

A workshop with the purpose to strengthen dissemination in the Northern region titled "Popularizing indigenous creative

technologies from grassroots innovators/ outstanding knowledge holders" was organised on 10th January 2019 at Dehradun involving Krishi Vigyan Kendras viz., Dehradun, Haridwar, Tehri Garhwal from Uttarakhand, Uttarakhand University of Horticulture and Forestry, Ranichauri, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi and Botanical Survey of India, Dehradun and National Urban Livelihood Mission, Una, Himachal Pradesh. NIF also co-organized with the North Bengal Science Centre, Siliguri, a Science and Innovation Festival 2019 during 29th-31st January 2019 wherein a number of grassroots innovations were exhibited. Later NIF team also co-organized an Innovation Festival at/with Shri Krishna Science Centre. Patna during 30th-31st January 2019 and Regional Science Centre, Guwahati during 9th–10th February 2019 where about two dozen innovators from the eastern and north eastern states participated respectively.



Chief Minister, Meghalaya, Shri Conrad Sangma at Innovation Exhibition at Shillong, Meghalaya

New Initiatives and partnerships

National Entrepreneurship Awards 2018

As an important step to catalyse a cultural shift in youth for entrepreneurship, the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE) has instituted the National Entrepreneurship Awards (NEA) to recognize and honour outstanding young first-generation entrepreneurs and their ecosystem builders for their outstanding contribution in entrepreneurship development. NIF was invited to be a partner & core committee member institution for National Entrepreneurship Awards (NEA) 2018 with Odisha, Himachal Pradesh and Uttarakhand being the sates for facilitating the program.

In addition to organizing three regional workshops in these States, NIF also worked along with MSDE and eleven other core committee partners in activities like mobilization, outreach and evaluation.

National Grand Challenge Awards for Designing User Friendly Smart Solar Cooking Solutions

To commemorate 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi, Govt. of India has planned to

conduct several activities throughout the year to uphold his ideals. To promote Gandhiji's idea of self-sufficient rural villages, Department of Science and Technology instituted Grand Challenge Awards for designing the user friendly smart solar cooking solutions with NIF being the implementation partner.

The objective of the award is to design an efficient user friendly solar cooking solutions suitable for (a) household cooking (5 persons), (b) small community cooking (50 persons) and (c) large community cooking (300 persons). The selection of the design for award will be technology agnostic, and subject to fulfillment of certain criteria as outlined in the call announcement document. The entries for the same were received till 31st March 2019.

International activities and cooperation

ASEAN India Innovation Platform

India has a primary focus on a strengthened relationship with Association of South-East Asian Nations (ASEAN) which comprises Indonesia, Singapore, Philippines, Malaysia, Brunei, Thailand, Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Vietnam. Networking and sharing of ideas had been at the core of this multi-faceted relationship. In this direction, The ASEAN-India Innovation Platform (AIIP) is a major element of ASEAN-India Science & Technology Collaboration. The AIIP comprises 3 sub-components viz. Social Innovations (being coordinated by National Innovation Foundation), Research Innovations (being coordinated by NRDC) and Product Innovation (being coordinated by FICCI).

The Social Innovation component of ASEAN-India Innovation Platform (AIIP), coordinated by NIF is a step towards developing an "Innovation bank". It's activities include sharing information on Social Innovations, connecting Innovative Solutions and Innovation Mentors of India with Mentors from ASEAN countries, pooling open source

innovations/ technologies, all expired and abandoned patents, sharing some of the selected innovations in multi-language, multimedia format, exhibiting outstanding Indo-ASEAN innovations at Festival of Innovation and Entrepreneurship, organizing periodic workshop / seminar / innovation fair / exhibition in India and ASEAN countries for new innovative idea sourcing / harnessing / nurturing etc. for society, linking existing innovation networks in India and ASEAN countries, developing low cost technology / innovative ideas in a project mode and further transfer/implementation at ground level and instituting challenge awards for addressing persistent problem of the region with regards to meeting unmet social, environmental and other futuristic needs. NIF developed the template of portal, which is being populated with data now.

ASEAN India Grassroots Innovation Forum 2018, Indonesia

As a step in the direction to consolidate S&T cooperation, ASEAN India Grassroots Forum was organized as a part of the Puspiptek Innovation



Grassroots innovators, student innovators and NIF team participated in ASEAN India Grassroots Innovation Forum during the Puspiptek Innovation Festival, Indonesia during September 27-30, 2018

Festival (PIF) - 2018 in Jakarta, Indonesia at the Center for Research, Science and Technology, Indonesian National Science & Technology Park (PUSPIPTEK) Ministry of Research, Technology, and Higher Education during 27th-30th September 2018. The forum comprised a seminar on grassroots innovation including keynote address sessions and panel discussions, a grassroots innovation competition and a student innovation competition, an exhibition of innovations with participation from India and majority of the ASEAN member states - Cambodia, Laos, Malaysia, Myanmar, Philippines, Vietnam and Indonesia.

During the four-day event, a series of activities were driven by National Innovation India – India (NIF) and Department of Science and Technology (DST), Government of India and all of them deepened the Science, Technology and Innovation relationship between India and ASEAN Member States. In the innovation competitions, Dipankar Das from India won the second prize for his innovation, Solar Thresher in the student category while Ishwar Singh Kundu from India won the second prize for his

innovation Herbal Formulations for Agriculture in grassroots innovation category.

The exhibition had participation from India and ASEAN Member states with a significant participation from Indonesia. Visitors had lot of queries in relation to grassroots innovations from India and those which stem from children creativity, which help to gauge tremendous

BRICS Young Scientist Conclave 2018, South Africa

NIF represented India in the International Panel of Adjudicators for selecting the BRICS Young Innovator 2018 during the BRICS Young Scientist Conclave 2018 at Durban, South Africa during 25th – 29th June 2018. Young innovators Abhishek Bhagat, innovator of 'Automatic Food Making Machine' and Anang Tadar, innovator of 'Goggle for the Blind' participated in the BRICS Young Innovator Competition and garnered much appreciation for their innovations.



Innovator Anang Tadar making his presentation in BRICS Innovation Competition 2018 Durban South Africa

Recognition to innovators

On the eve of the 70th Republic Day – 26th January 2019 it was a proud moment when the Government announced conferment of Padma Shri, one of the highest civilian awards of the country, to three grassroot innovators incubated by NIF namely Jagdish Prasad Parikh, Uddhab Kumar Bharali and Vallabhbhai Vasrambhai Marvaniya. Jagdish Prasad Parikh is a recipient of NIF's 1st National Grassroots Innovation Awards (2001) for his innovation "Ajitgarh Selection - a new Cauliflower variety", Uddhab Kumar Bharali is a recipient of 5th

National Grassroots Innovation Awards (2009) for his innovations "Pomegranate deseeder, Arecanut peeler and Bamboo splitting machine" and Vallabhbhai Vasrambhai Marvaniya is a recipient of 9th National Grassroots Innovation Awards (2017) for his innovation "Madhuvan Gajar - Improved Carrot Variety". In all the above three, NIF provided appropriate incubation support for validation, value addition, intellectual property protection and diffusion.



Innovator Shri Jagdish Prasad Parikh receiving Padma Shri Award by Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind.



Innovator Shri Uddhab Kumar Bharali receiving Padma Shri Award by Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind.



Innovator Shri Vallabhbhai Vasrambhai Marvaniya receiving Padma Shri Award by Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind.

Official language policy

For implementing the official language policy of the Government, NIF has taken quite a few initiatives. As NIF staff comprises professionals from many states, speaking different languages, in order to popularize Hindi among them, a Hindi word is written everyday on a whiteboard displayed prominently at the premises. Phonetic transcription of the Hindi word and its meaning is also written in English for the ease of the staff.

All posters and dissemination material of NIF are available in both Hindi and English. Efforts are being undertaken to have all other publications in Hindi as well as other regional languages.

Additionally, NIF makes concerted efforts to promote regional languages as well. All letters received by NIF in local languages are replied in the same language. For this, the services of translators are taken. NIF also supports the publication of newsletters in five regional newsletters viz. Oriya, Telugu, Tamil, Malayalam and Gujarati for wider dissemination.

Administrative Matters

Recruitment of staff

During 2018-19, against seven calls for applications, interviews for Fellows/RAs at various positions and, administration and finance managers/associates were conducted and 64 candidates were selected for various contractual positions. One Scientist C position in regular scale (vacated after a resignation) and one Scientist F position on deputation were also filled. Both Scientists accepted the offer and joined NIF.

Government Related activities

NIF submitted to the Department of Science and Technology, the approved Annual Report for the year 2017-18 in English and Hindi, outcome budget, annual RTI report, inputs on NITI Aayog's write up on Innovation and Technology 2018, inputs on GFR Rule 229(x) for office of the PSA, National Biodiversity Target (NBT) 11, data on study on autonomous bodies (2016-17, 2017-18), data for NITI Aayog peer review and inputs related to parliamentary questions. Department of Scientific

and Industrial Research (DSIR) accorded renewal of recognition of NIF as Scientific and Industrial Research Organisation (SIRO).

Publications

Books

- 1. 10th National Award Book 2019
- 2. Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Award Book 2018
- 3.Guide to Scouting and Documentation of Innovations

Booklets:

- 1. Bilingual (Hindi and Bengali) Booklet on grassroots Innovations for A&N Shodh Yatra
- 2. Bilingual (Hindi and Bengali) Booklet on herbal practices for A&N Shodh Yatra
- 3. Herbal Agricultural Practices

Research and Review Papers:

Neeraj K. Sethiya, Raeesh M. Shekh, Pawan K Singh (2019) Wild banana [Ensete superbum (Roxb.) Cheesman.]: ethanomedicinal, phytochemical and pharmacological overview. Journal of Ethnopharmacology. Apr 6; 233:218-233. doi: 10.1016/j.jep.2018.12.048.

M. Maurya, Charu & Maurya, Nitin & Kumar Das, Amarendra (2019) Awareness, Availability, and Accessibility of Assistive Technologies for the Elderly in India: A Review, Smart Innovations, Systems and Technologies-Proceedings of ICoRD 2019 Volume 2, Ed. Amaresh Chakraborti, Springer Nature Singapore, pp 537-547.

Parvez N., Choudhary H., Parihar S., Gandhi K., Singh, S., Rathore R., Zulapi R., Kasva B., Kumar R., Raghuvanshi PS., Verma G. (2019) Profiling of nutritional traits in indigenous wheat cultivars, Journal of Experimental Biology and Agricultural sciences, 7(1): 1-11.

Mahesh Chodavadiya, Satya Singh, Hardev Choudhary (2018) Adoption of remunerative farmers' developed varieties of rice: Case studies from Odisha and Chhattisgarh states of India, Agric. Sci. Digest. 38 (3): 166-171

Neeraj K. Sethiya, Nasir M. Ahmed, Raeesh

M.Shekh, Vivek Kumar, Pawan Kumar Singh and Vipin Kumar (2018) Ethnomedicinal, phytochemical and pharmacological updates on Hygrophila auriculata (Schum.) Hiene: an overview. Journal of Integrative Medicine, Volume 16, Issue 5, September 2018, Pages 299-311

Hardev Choudhary and Satya Singh (2018) Grassroots Innovations: Pathways for Sustainability and Prosperity. Grassroots Innovation; Harnessing the Potential of Local Creativity (eds). A. K. Singh et al. ISBN 978-81-7622-443-7. Page no. 105-108.

Pooja Rawat and Pawan Kumar Singh (2018) Analysis of Patents Filed for the Herbal Therapeutics against Cancer; M. S. Akhtar, M. K. Swamy (eds.), Anticancer Plants: Properties and Application, https://doi.org/10.1007/978-981-10-8548-2_10, pg 207-228.

Kataviya KB, Parmar B, Patel R, Das PJ,Kumar V, Mahajan A, Singh R, Thakur D, Kinhekar A, Ravikumar RK, Kumar V (2018) Improvising livestock service in hilly regions through indigenous wisdom toward control of tick infestation: Institutional relationships, Veterinary World, 11(5):

687-692.

Abstracts in Conference/Seminar

Noushad Parvez, Raj Patel and Hardev Choudhary (2018) Performance Evaluation and Assessment of Farmers' Wheat Cultivars. Abstract published in VI Rajasthan Science Congress on Innovation in Science and Technology for Sustainable Development. Central University of Rajasthan, Ajmer, Oct 13-15, Pp. 91-92.

Satya Singh, Hardev Choudhary, Sundaram Verma (2019) Innovative Green Grassroots Plantation Technique for Combating Desertification. Abstract (T-2/O-2; page 36) published in 13th International Conference on Development of Drylands, February 11-14, 2019.

Noushad Parvez, Swati Prihar, Bhaumik Ahir, Leelaram Sahu, Hardev Choudhary (2019). Assessment, promotion and adoption of farmer's developed brinjal variety. Abstract (No. 404; Page no. 203) published in XIV Agricultural Science Congress "Innovations for Agricultural Transformation" February 20-23, 2019



ANNUAL ACCOUNTS
FOR THE YEAR 2018-19



603-604, "Shalin", Plot No.-24, Opp. Petrol Pump, Sector-11, Gandhinagar-382011, Gujarat, India. 2: +91 79 232 41940 E-mail: Info@jbaca in Website: www.haca in

Independent Auditor's Report

TO THE MEMBERS OF THE GOVERNING BODY OF NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

A Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1950, Regn. No. F/7412/Ahmedabad. A Society registered under the Societies Registration Act, 1860, Regn. No. –GUJ/7567Ahmedabad.

Report on the Financial Statements

We have audited the financial statements of "NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA ("the Trust" or "the Society"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2019 and the Statement of Income & Expenditure Account for the year ended and the Receipts and Payments for the year ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for preparation of these Financial Statements in accordance with Bombay Public Trust Act, 1950, the Societies registration Act, 1860 and guidelines Prescribed for preparation and presentation of financial statement for central Autonomous Body issued by Ministry of finance, Government of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with standards on auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Organizations preparation and fair Presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

Charle believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis



Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

- a) In the case of Balance sheet of the state of affairs of the Trust as at 31st March, 2019.
- b) In the case of Statement of Income and Expenditure Account, of the excess of income over expenditure for the year ended on 31st March, 2019.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under Section 33(2) of the Bombay Public Trust Act, 1950, we further report that-

- The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.
- b) The Income and Expenditure are properly and correctly shown in accounts.
- c) The cash balance and vouchers in the custody of the authorized person on the date of audit were in agreement with the accounts.
- Books, Deed, Accounts Vouchers and other documents and records required by us were produced before us.
- e) A register of movable properties of the trust duly certified by the trustee has been properly maintained.
- f) There are no defect and inaccuracies mentioned in the previous audit report which need to be complied with.
- g) The manager/trustee appeared before us and furnished necessary information required by
- No properties of funds were applied for any object or purpose other than object or purpose of trust.
- We have not come across any case of alienations of immovable property contrary to the provisions of the section 36 of the Act.

Pursuant to the section 12-E of the Societies Registration Act, 1860 we further report that we have not come across any case of irregular, illegal or improper expenditure or failure or omission to recover monies or other property belonging to the society or of loss or waste of money or other property thereof on the part of governing body or any person.

Non-Provision of accrued liability in respect of Gratuity and Leave Encashment which is not in conformity with the Accounting Standard – 15 (Accounting for retirement benefits) issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For Joy Baxi & Associates Chartered Accountants Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal Somani Partner

Membership No.127087 UDIN: 19127087AAAABT6611

Place: Gandhinagar Date: 06-08-2019



BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2019

/ 1				-
- 1 - 2	Amou	Int	In I	20

SCH	31.03.2019	31.03.2018
1 2 3 4 5 6 7	11,09,67,165 5,31,88,626 6,09,57,855 - - - 1,60,59,649	15,58,54,475 4,48,14,315 14,99,92,919 - - - 26,75,075
	24,11,73,295	35,33,36,784
8 9 10 11	2,42,02,691 - - 21,69,70,604	2,12,62,333 - 33,20,74,451
	24,11,73,295	35,33,36,784
	2 3 4 5 6 7	2 5,31,88,626 3 6,09,57,855 4 - 5 - 6 7 1,60,59,649 24,11,73,295 8 2,42,02,691 9 - 10 - 11 21,69,70,604

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS 24

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants

Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN: 19127087AAAABT6611 Place: Gandhinagar

Place : Gandhinagar Date : 06-08-2019 For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON MARCH 31, 2019

(Amount in Rs.)

Particulars	SCH	2018-19	2017-18
A INCOME			
Income from Sales/Services	12		
Grant / subsidies	13	18,81,32,689	19,01,91,168
Fees/Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Investment from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	15	- ·	
Income From Royalty, Publication etc.,	16		
Interest Earned	17	62,64,824	1,42,20,948
Other Income	18	4,95,777	11,15,998
Increase/(Decrease) in Stock of Finished Goods and WIP	19	-	-
TOTAL (A)		19,48,93,290	20,55,28,114
B EXPENDITURE Establishment Expenses Other Administrative Expenses etc., Expenditure on Grants, Subsidies etc., Interest	20 21 22 23	4,55,95,129 12,97,90,388 - - 99,66,647	4,95,69,993 11,32,39,535 - 40,382
TOTAL (B)		18,53,52,164	16,28,49,910
C BALANCE BEING SURPLUS / (DEFICIT) (A-B)		95,41,126	4,26,78,204
D Depreciation for the year Prior period adjustment		54,33,955	47,61,230
E SURPLUS / (DEFICIT) CARRIED TO CORPUS / CAPITAL FUND (C-D)		41,07,171	3,79,16,974

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants Firm Registration No. 115785W

S. S. Someni

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN: 19127087AAAABT6611

Place : Gandhinagar Date : 06-08-2019 For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2019

(Amount in Rs.)

	AS AT	AS AT
CHEDULE 1 - CORPUS/CAPITAL FUND	31.03.2019	31.03.2018
Balance As at Beginning of the year	15,58,54,475	3,31,16,123
Less: Grant Refunded alongwith Interest	(4,14,94,481)	
Less: Transfer to Overhead Sharing/Benefit Sharing	(75,00,000)	
Add/(Deduct) : Balance of Net Income/(Expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	41,07,171	12,27,38,352
Balance as the year end	11,09,67,165	15,58,54,475
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS	AS AT 31.03.2019	AS AT 31.03.2018
1 Special Reserve		
As per Last Account	4,48,14,315	3,99,54,483
Addition During the year	83,74,311	48,59,832
Less : Deductions during the year	-	
Total	5,31,88,626	4,48,14,315





SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

н	IEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT F	UNDS		AS AT		AS
				31.03.2019		31.03.20
L	4th Global Exhibition on Services a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards object i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	ives of fund	28,80,380	28,80,380		
		Total of Expenditure	20,00,300	28,80,380		
	Net Balance at the year end [a+b-c]		+	-		
	AISTDF- ASEAN Science Week a Balance as per last Balance Sheet b Grant received					
	c Less: Expenditure/Utilisation towards object i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	ives of fund	(352)			
1	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Expenditure		(352) 352		0
	ASEAN- India Grass-Root Innovation F	forum(IGIF)				
	Balance as per last Balance Sheet Grant received Less: Expenditure/Utilisation towards object			1,20,68,700		
	Capital Expenditure Revenue Expenditure		51,71,985			
	d Unspent Grant given back	Total of Expenditure		51,71,985 50,00,000		
	Net Balance at the year end [a+b-c-d]			18,96,715		
	ASEAN- India Science & Tech Deve Fur a Balance as per last Balance Sheet b Grant received	nd(ISTDF)				
	c Less: Expenditure/Utilisation towards object i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	ives of fund	10,62,311	-		
	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Expenditure		10,62,311 (10,62,311)		
	Asean Innotech Summit a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards object i. Capital Expenditure	ives of fund		:		
	ii. Revenue Expenditure		1,92,305			
	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Expenditure		1,92,305 (1,92,305)		
	DBT Project for Nano- Technology Base a Balance as per last Balance Sheet	ed Herbal Formu		20.50.000		
-	b Grant received <u>Less: Expenditure/Utilisation towards object</u> i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	ives of fund	1,00,000	28,69,800		
	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Expenditure	2,00,000	1,00,000		
-	Design Innovation Centre IISC a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards object	ives of fund		22,00,000		
-	i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	Total of Expenditure	- :			
	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Experioliture		22,00,000		
-	Desing Innovation Centre IITBOM a Balance as per last Balance Sheet b Grant received			-	1000	
-	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards object</u> i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure		17,39,000 50,77,759	69 16 750	OVAT	ON FOUN
1	Net Balance at the year end [a+b-c]	Total of Expenditure		68,16,759 (68,16,759)	1 3 81.0F	A PARTY

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

	FRUIT S FLORIDAN		AS AT	10.1
Ch	EDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS		31.03.2019	AS A 31.03.201
9	DST Proiect a Balance as per last Balance Sheet			52.03.201
	b Grant received			
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund			
	i. Capital Expenditure			
	ii. Revenue Expenditure			
	Net Balance at the year end [a+b-c]			
0	DST Project- Mobile Exhibition in Tribal Areas			
	a Balance as per last Balance Sheet b Grant received		-	
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund			
	i. Capital Expenditure	73,71,821		
	ii. Revenue Expenditure	3,19,630	70.01.151	
	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure		76,91,451 (76,91,451)	
			(70,51,431)	
1	Dst Project- Vet			
1	a Balance as per last Balance Sheet b Grant received			
1	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund			
	i. Capital Expenditure			
	ii. Revenue Expenditure	-		
-	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure		-	
-	Samples of the Year Cha [a+b-c]		-	
2	DST Project- Wellbeing of Tribal Communities			
	a Balance as per last Balance Sheet b Grant received		-	
-	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund		-	
1	i. Capital Expenditure			
	ii. Revenue Expenditure	9,62,395		
	Net Balance at the year end [a+b-c]		9,62,395	
	Net Balance at the year end [a+b-c]		(9,62,395)	
3	Hariom Ashram			
-	a Balance as per last Balance Sheet		-	
1	b Grant received bi Other Receipts/Adjustements		1202555	
1	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund		13,92,556	
1	i. Capital Expenditure			
1	ii. Revenue Expenditure	4,10,000		
1	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure		4,10,000	
	(a. a. c.)	+	9,82,556	
1	Indian South Africa S& T			
	a Balance as per last Balance Sheet b Grant received			
1	C Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund			
-	i. Capital Expenditure			
1	ii. Revenue Expenditure	(212)		
	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure		(212)	
1	The second feet and fair o.c.		212	
	India-South Africa Bilateral Expert Meeting			
	a Balance as per last Balance Sheet		-	
	b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund			
1	i. Capital Expenditure	-		
	ii. Revenue Expenditure	(3,000)		
	Not Release at the case of fact to		(3,000)	
	Net Balance at the year end [a+b-c]		3,000	
	Innovation Fund			
	Balance as per last Balance Sheet			
	Grant received			
1	Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure	2,24,18,272		
-	ii. Revenue Expenditure	2,24,10,2/2		TION FO
1	Total of Expenditure		2,24,18,272	S SCIENCE
1	Transfer to Overhead and Benefit Sharing	2,87,264	2,87,264	3/3
-	Net Balance at the year end [a+b-c]		(2,27,05,536)	14/8 0 3/2
	X1 & ASS			1 2 0 0 2 2 0 1 2
	(8)			1 2 3
	Chattered >			14/3
	Actor tants m			" TOLON A MONTO TO
	LAN CO			CAND COS
	\"\\ 115785W \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\			MINAGE
	10%			
	TANDUNG CAN			
	MOHINAGE			

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019 (Amount in Rs.) AS AT SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS 31.03.2019 31.03.2018 Inspire a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure 12,54,618 7,07,88,144 Total of Expenditur 7,20,42,762 Net Balance at the year end [a+b-c] IPR Workshop for South Africa Delegation a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure (354) Total of Expenditure (354) Net Balance at the year end [a+b-c] Mukshya Mantri Abhinav Krushi Jantrapati Samman a Balance as per last Balance Sheet b Grant received 2 c Less: Expenditure/Julisation towards objectives of fund 11,00,000 i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure 6,52,093 Total of Expenditure Net Balance at the year end [a+b-c] MVIF A/c a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure Total of Expenditure Net Balance at the year end [a+b-c] 21 NABARD FOI Project a Balance as per last Balance Sheet Balance as per last Balance Sheet Grant received Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund Revenue Expenditure Revenue Expenditure Net Balance at the year end [a+b-c] National Entrepreneurship Award a Balance as per last Balance Sheet b Grant received 22 13,00,000 C Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure 15,19,605 Total of Expenditure 15,19,605 (2,19,605) Net Balance at the year end [a+b-c] 23 a Balance as per last Balance Sheet 3,00,00,000 b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure 3,39,98,575 ii. Revenue Expenditure Total of Expenditure 3,39,98,575 (39,98,575) Net Balance at the year end [a+b-c] Workshop on Sustaining Botanical Pesticides Balance as per last Balance Sheet 24 a balance as per lask balance sneet bi Other Received bi Other Received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure 1,50,000 Total of Expenditure 25 Overheads/ Benefit Sharing 2 A Balance as per last Balance Sheet 2 Beefic Sharing 2 Charlefets Speciature/Utilisation towards objectives of fund 2 Charlefets Speciature/Utilisation towards objectives of fund 2 Charlefets Speciature/Utilisation towards objectives of fund 3 Charlefets Speciature 3 Charlefets Speciature 4 Charlefets Speciature 4 Charlefets Speciature 5 Charlefets Speciature 6 Charlefets Speciature 7 Charlefets Speciat 1,50,000 Net Balance at the year end [a+b-c] 1,87,77,767 6,03,918 6,03,918 1,81,73,849 Total of Expenditure 785 At Balance at the year end [a+b-c]

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

			AS AT		(Amount in Rs.
SCH	EDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS		31.03.2019		31.03.201
26	Unnat Bharat Tech Outreach - Workshop & Expo- Grant a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	-	9,00,000		
	Total of Expenditure				
	Net Balance at the year end [a+b-c]		9,00,000		
27	Vet College Balance as per last Balance Sheet Grant received C Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	5,36,250	-		
-	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure	5,36,230	5,36,250 (5,36,250)		
28	ICMR NIF Task Force Project a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund		-		
	i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure	-			
	Net Balance at the year end [a+b-c] Total of Expenditure		-		
29	India International Science Festival - IIFS a Balance as per last Balance Sheet b Grant received c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure		-		
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		
30	SIDBI FOIN Grant Balance as per last Balance Sheet Grant received Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund Capital Expenditure Revenue Expenditure Total of Expenditure				,
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		
	TOTAL OF FUNDS a Balance as per last Balance Sheet b Grant received bi Other Receipts/Adjustments c Benefit Sharing d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund		14,99,92,919 5,33,18,880 15,42,556 1,87,77,767		12,87,96,946 10,78,20,592
	i. Capital Expenditure ii. Revenue Expenditure Total of Expenditure e Less : Transfer to Overhead and Benefit Sharing	3,27,83,711 12,46,03,292	15,73,87,003 2,87,264	2,24,83,262	8,66,24,619
	Unspent Grant given back Net Balance at the year end [a+b-c]	_	50,00,000 6,09,57,855	-	14,99,92,919





SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

1	A	m	~	-	. :	-	Rs.
- 1	-		ou		LI	ш	RS.

		(Amount in Rs.
SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWIN	AS AT 31.03.2019	AS AT 31.03.2018
SECURED LOANS AND BORROWINGS	-	51.05.2010
		(Amount in Rs.
SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROW	AS AT	AS AT
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	31.03.2019	31.03.2018
		(Amount in Rs.
SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES	AS AT 31.03.2019	AS AT 31.03.2018
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	-	-
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	AS AT 31.03.2019	AS AT 31.03.2018
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Sundry Creditors.		
a) For Goods		
b) Others	2,69,576	8,92,915
3. Advances received	-	
4. Interest accrued but not due on :	-	
2. Statutory Liabilities	-	•
a) Overdue		_
b) Others	9,59,582	3,31,969
3. Other current liabilities /EMD	44,06,288	10,39,500
Total (A)	56,35,446	22,64,384
3. PROVISIONS		
1. Interest Payable	1,04,24,203	-
2. Others		4,10,691
Fotal (B)	1,04,24,203	4,10,691
Total (A+B)	1,60,59,649	26,75,075

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2019

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS		GROSS BLOCK	OCK			DEPRE	DEPRECIATION		WDV
Particulars	Balance as on 01-04-2018	Additions during the year	Deductions during the year	Gross Block as on 31-03-2019	Depreciation on 01-04-2018	Deductions during the year	Depreciation for 2018-19	Total Depreciation up to 2018-19	Net Block As on 31-03-2019
Computers & Ancillary Assets	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	RS.	Rs.
Computers	1,43,87,107	12,58,364	,	1,56,45,471	1,26,59,386		15,96,915	1,42,56,301	13,89,170
Networking equipment	11,76,491			11,76,491	11,68,921	,	4,542	11,73,463	3,028
Scanner	3,63,990	29,990		3,93,980	3,63,160		9,495	3,72,655	21,325
Software	36,62,860	8,79,557		45,42,417	35,22,718		3,49,409	38,72,127	6,70,290
Card Printer	45,138			45,138	37,916		4,333	42,249	2,889
Furniture & Fixtures and Dead Stock								. ,	
Furniture & Fixtures	52,22,794	2,48,053		54,70,847	19.06.185		3.47.275	22.53.460	32.17.387
Electrical Installations	72,410	1,10,000		1,82,410	49,207		13,320	62,527	1,19,883
Office Equipments									
Air Cooler	13 11 261	6 21 005		225 55 01	020 17 7		000	07	
Balloon	35.438	0,41,033	, ,	10,32,330	7,41,379		1,80,739	0,22,118	12,10,238
Bio-Metric ESSL Attendance System	25,150		,	25,150	9,706		2.317	12,023	13.127
Camera	15,64,500	2,28,485		17,92,985	9,74,421		1,22,785	10,97,206	6.95,779
DG Set	7,55,294			7,55,294	73,593		1,02,255	1,75,848	5,79,446
EPABX system	1,96,715	15,045	,	2,11,760	1,33,812		11,692	1,45,504	997228
Eablish Equipment	58,22,894	1,72,566		59,95,460	28,03,028	,	4,67,176	32,70,204	27,25,256
Fax Machine	36.907	45,09,045		1,53,02,241	37,22,712		14,85,863	32,08,575	1,00,93,656
Fire Extinguisher	18,505			18.505	14.870		545	15.415	3.090
Hot Air Oven Machine	48,825			48,825	13,549		5,291	18,840	29,985
Photo Copying Machine	3,51,000			3,51,000	1,37,297		32,055	1,69,352	1,81,648
Public Address System	70,964	11,353		82,317	51,335		3,796	55,131	27,186
Projector	1,12,770		,	1,12,770	31,294		12,221	43,515	69,255
Pulveriser Machine	39,000			39,000	10,823		4,227	15,050	23,950
Retrigerator	93,010	29,700		1,22,710	30,454		13,838	44,292	78,418
Sony LCD	3,31,980	1,39,068		4,71,048	1,25,938		21,766	1,77,704	2,93,344
Table recorder	36,427			36,427	31,099		199	31,898	4,529
rerepriore/mobile instrument	10,18,134	1,21,990		11,40,124	5,66,921		84,556	6,51,477	4,88,647
Water Cooler	23,000			23,000	8,876		2,119	10,995	12,005
Sony Stabilizer	1,26,453		-	1,26,453	27,598	18 40		42,426	84,027
Control of the Contro	1,01,313		SANON FOL	515,10,1	7,00,17	人のこと		33,6/1	67,844
sony Audio Recorder	27,200		O SCIENCE.	27,200	7,840)	0	2,948	10,496	16,704

25,781 5,811 8,984 2,61,480 3,30,573 1,48,600 8,05,416 25,372 2,87,687 2,12,62,333 Net Block As on 31-03-2019 Rs. Amount in Rs.) MDV 38,357 59,305 7,75,919 9,80,946 3,96,741 19,04,457 27,175 2,53,332 32,3324 3,33,07,343 Depreciation up to 2018-19 Rs. 47,61,230 54,33,955 Deductions Depreciation during the for year 2018-19 Rs. DEPRECIATION 37,331 57,719 7,29,776 9,22,609 3,70,517 17,62,325 22,697 2,12,662 2,12,662 2,12,643 3,33,07,343 2,85,46,113 on 01-04-2018 Rs. NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad Depreciation 44,168 (8,28) 10,37,399 13,11,519 5,45,341 27,09,873 5,2,117 5,8,1105 6,29,43,987 5,45,69,676 Gross Block as on 31-03-2019 Rs. Deductions during the **GROSS BLOCK** 83,74,311 48,59,832 SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2019 44,168 68,289 10,37,399 13,11,519 5,45,341 27,09,873 52,447 5,541 58,105 58,105 4,97,09,844 on 01-04-2018 Rs. Balance as SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS Activa Honda Bajaj Pulser Honda city Tata safari Tata Indica Mobile Exhibition Van Hero HF Deluxe Tractor (John Deere) **Previous Year Particulars** Vehicles Books

NATIONAL INNOVATIO Regn.No.F/74 SCHEDULES FORMING PART OF I	d	19		
SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FROM EARMARKED /		AS AT		(Amount in Rs.)
ENDOWMENT FUNDS		31.03.2019		31.03.2018
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		-	•	
				(Amount in Rs.)
		AS AT		AS A
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS		31.03.2019		31.03.201
INVESTMENTS - OTHERS		-	-	-
				(Amount in Rs.)
SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS LOANS ADVANCES ETC		AS AT 31.03.2019		AS A 31.03.201
A. CURRENT ASSETS : 1. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest) 2. Bank balances	-	-	-	
a)With Scheduled Banks.				
i) On current Accounts				
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No.1548	47,603		2,30,61,817	
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No. 8099-MVI	23,32,784		1,18,842	
- SIDBI A/c No. 12001	55,31,072	79,11,459	-	2,31,80,659
ii) On Deposit Accounts (includes mrgin money)				
- From NIF funds/FD	16,12,51,308		20,81,88,624	
- From MVIF funds/FD	97,57,874		6,28,88,973	
iii) On Savings Accounts		17,10,09,182		27,10,77,597
-Union Bank of India,- SB A/c.No.724 & SWAP FD's	20,31,229		1 14 07 250	
-Union Bank - ROBBN	20,31,229		1,14,07,358	
-Union Bank - ROGUW				
-Union Bank - Bhuvneshwar - 090	35,335		1,85,832	
-Union Bank - Dehradun - 088	2,51,214		2,36,354	
-Union Bank - Guwahati - 089	3,87,785		2,37,931	
b) With non Scheduled Banks:	-	27,05,563	-	1,20,67,475
Post Office-Savings Accounts				
4. Other Advances				
'-Advance to Staff/Creditors and MVIF	3,26,66,988		2,13,55,310	
- Accrued Interest	5,20,00,300		18,38,273	
- TDS Receivable	18,63,757		21,84,269	
- Security Deposit	6,82,307		67,621	
5. Prepaid Expenses	1,31,348		3,03,247	
		3,53,44,400	5/55/21/	2,57,48,720
Total .		21,69,70,604		33,20,74,451





SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & E	XPENDITURE A/C FOR THE Y	EAR ENDED 31.03.2019 (Amount in Rs)
SCHEDULE 12 -INCOME FROM	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDE
SALES/SERVICES	31.03.2019	31.03.201
Income from Sales/Services	-	-*
		(Amount in Rs)
SCHEDULE 13 -GRANTS / SUBSIDIES	FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	FOR THE YEAR ENDE 31.03.201
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government	19,65,07,000	19,50,51,000
Less : Amount Transferred to GOI DST Grant for		
Fixed Assets (representing expenditure on non recurring items)	(83,74,311)	(48,59,832
2) State Government (s)		
Total	18,81,32,689	19,01,91,168
		(Amount in Rs)
SCHEDULE 14 - FEES / SUBSCRIPTIONS	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDE
SCHEDULE 14 TEES / SUBSCRIPTIONS	31.03.2019	31.03.201
FEES / SUBSCRIPTIONS	-	-
		(Amount in Rs)
SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDE
TOTAL TOTAL TROPIENTS	31.03.2019	31.03.201
INCOME FROM INVESTMENTS		





SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.,	FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018
Income from Royalty, Publication etc.,	-	-

(Amount in Rs.)

		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 17 INTEREST FARMED	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDED
SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED	31.03.2019	31.03.2018
1) On Term Deposits		
a) With Scheduled banks	59,95,448	1,41,36,215
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) With Institutions	-	
d) Others		-
2) On Savings Accounts		
a) With Scheduled banks	1,72,493	83,011
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Post Office Saving Accounts	-	
d) Others		-
3) On loans		
a) Employees/staff	7,643	1,722
b) Others	-	-
4) Interest on Debtor/Other Receivables	-	-
5) Interest on Tax Refund	89,240	-
Total	62,64,824	1,42,20,948





Regi. No.: / / 712/	OUNDATION - INDIA	
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPEND		ENDED 31.03.2019
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME	FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	FOR THE YEAR ENDE 31.03.201
1) Miscellaneous Income/Tender Fees/Scrap	4,95,777	11,15,998
2) Other support Income		-
TOTAL	4,95,777	11,15,998
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS AND WIP	FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	(Amount in Rs.) FOR THE YEAR ENDER
Increase/(Decrease) in stock of Finished Goods and WIP	-	-
SCHEDULE 20 -EASTABLISHMENT EXPENSES	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDER
	31.03.2019	FOR THE YEAR ENDER
A) Salaries and wages	31.03.2019 94,56,582	FOR THE YEAR ENDER 31.03.201
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus	31.03.2019	FOR THE YEAR ENDER
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund	31.03.2019 94,56,582	FOR THE YEAR ENDER 31.03.201
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify)	31.03.2019 94,56,582 25,63,963	FOR THE YEAR ENDER 31.03.2019 4,81,40,095
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify) i) Employer's NPS Contribution	31.03.2019 94,56,582	FOR THE YEAR ENDER 31.03.2019 4,81,40,095
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify)	31.03.2019 94,56,582 25,63,963	FOR THE YEAR ENDER 31.03.2019 4,81,40,095
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify) i) Employer's NPS Contribution E) Expenses on Employees Retirement	31.03.2019 94,56,582 25,63,963	FOR THE YEAR ENDER 31.03.2019 4,81,40,095
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify) i) Employer's NPS Contribution E) Expenses on Employees Retirement and terminal Benefits	94,56,582 25,63,963 - - 11,48,053	FOR THE YEAR ENDER 31.03.2019 4,81,40,095
A) Salaries and wages B) allowances and Bonus C) Contribution to Provident Fund D) Contribution to Other Fund (Specify) i) Employer's NPS Contribution E) Expenses on Employees Retirement and terminal Benefits D) Others (Specify)	31.03.2019 94,56,582 25,63,963 - 11,48,053 - 4,92,55,558	(Amount in Rs.) FOR THE YEAR ENDER 31.03.2018 4,81,40,095 11,26,518 - 3,03,380





SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

	FOR THE YEAR	(Amount in Rs.)
SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	ENDED	ENDED
	31.03.2019	31.03.2018
Part A - Recurring Expenses		
1. Business Development		
Benchmarking and Market Research	49,982	25,567
Online Catalogues	81,233	1,18,471
Student Involvement for Business Plans	7,47,853	12,43,032
Travel (BD)	6,25,901	28,02,237
Sub Total	15,04,969	41,89,307
2. Dissemination & Social Diffusion		
Innovation Exhibition		57,111
Demonstrations (Dnsd)	1,08,94,713	1,35,13,270
Diffusion of Practices Through Farmers /media /KVK	42,95,200	51,96,213
Exhibitions & Innovation exhibition	34,11,402	4,77,402
Innovation Diffusion Centre	1,77,400	2,28,725
Printing & Publication (Dasd)	29,189	1,12,865
Travel (Dissemination)	39,901	1,72,810
Travel (Dissemination) ST		2,61,152
Dissemination - 11th Biennial	39,310	
Workshop/Meetings (Dissemination)	2,67,516	7,15,502
Sub Total	1,91,54,631	2,07,35,050
3. IPR and Law		
Filing National Patent Applications	46,61,999	31,64,830
Filing National Patent Applications - Internationals	10,01,939	56,962
illing Trade Mark and Geographical Applications	23,500	13,000
subscription IPR	2,65,915	69,978
ravel (IPR)	4.191	51,882
Sub Total	49,55,605	33,56,652
i. IT & Database		
Computer Maintenance & Upgradation	9,89,114	11 03 060
Patabase & Software Dev , Proof Reading	11,43,327	11,03,868
nternet	8,61,444	10,17,170
Vebsite VATION FOUR	5,02,111	11,305
Sub Total	29,93,885	32,39,065



SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	FOR THE YEAR	(Amount in Rs.) FOR THE YEAR
ETC	31.03.2019	31.03.201
5. Scouting & Documentation		
Advertisement- Regional and National	47.22.600	61.40.060
Collaborators	47,32,699	61,48,869
	61,09,287	70,15,194
Experts / Mentors Meetings (S&D)	37,193	42,305
Dr. APJ Abdul Kalam Ignite Awards Accompdation	34,15,954	
	20,24,493	
Ignite (food & accomodation)		2,718
Ignite (S&D)		25,12,473
Ignite (Travel)		6,63,951
Printing and Stationery	18,24,980	17,73,405
Sample / Prototype Collection & Identification	14,78,740	22,56,731
Travel (S&D)	33,74,891	32,60,133
Verification / Detailed Documentation	5,77,479	7,40,162
Workshops and Publications	26,77,160	24,46,000
Sub Total	2,62,52,876	2,68,61,941
6. Value Addition and Research & Development		
Administrative Exps - VARD	24,87,847	33,37,857
Experts /mentors Meetings (Vard)	21,704	1,17,764
Prior Art Search, Validation of Innovations	1,92,12,334	1,03,82,587
Testing of Prototypes / Products	1,26,52,209	12,52,584
Travel (VARD)	47,03,977	32,30,280
Value Addition and Product Development	98,28,519	1,38,20,815
Sub Total	4,89,06,590	3,21,41,887
7. FOIN 2017 /FINE 2018		
Accomodation	22,47,814	19,30,903
Catering	39,684	21,13,715
Dissemination	24,000	980
Exhibition and Other Exps	6,129	39,91,609
Prizes	60,50,000	14,80,000
Prototype Development	56,954	5,79,330
Fravel and Transportation	35,06,696	22,08,259
printing and stationery	1,09,441	1,25,921
Photography and videography FINE 2018		88,500
Miscellaneaus exp	7,95,484	1,39,220
8th Award Function/FOI		3,10,000
Sub Total	1,28,36,202	1,29,68,437
TOTAL (A)	11,66,04,758	10,34,92,339
DXI & ASSO	N. S.	3-1

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	FOR THE YEAR ENDED	FOR THE YEAR ENDED
ETC	31.03.2019	31.03.2018
Part B - Other Administrative Expenses : -		
Internal and Concurrent Audit Fees		2,30,000
Statutory Audit Fees	50,000	46,000
Other certification fees	27,532	21,227
Meeting And Conferences	4,23,793	52,011
Bank Charges	12,296	4,075
Electricity and Power	10,32,228	4,83,869
Interest and Penalty	20,852	-
Insurance Expenses	1,22,634	1,13,769
Legal Charges	5,500	1,41,140
Office Expenses	39,12,326	26,88,738
Postage Expenses	4,50,482	9,34,684
Professional Charges	1,84,914	2,21,094
Recruitment Expenses		4,32,610
Rent, Rates and Taxes	14,72,753	18,40,613
Rent (ROBBN)	4,05,000	2,10,000
Rent (RODDN)	3,22,770	3,04,500
Security Expenses	19,65,472	12,13,690
Telephone and Communication Charges	1,33,341	1,36,202
Travel Expenses	22,19,253	-
Vehicles Running and Maintenance	4,24,484	6,68,974
Membership Fees		4,000
TOTAL (B)	1,31,85,630	97,47,196
TOTAL (A+B)	12,97,90,388	11,32,39,535
	FOR THE YEAR	(Amount in Rs.) FOR THE YEAR
SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES	ENDED	ENDED
	31.03.2019	31.03.2018
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC	-	-
	FOR THE YEAR	(Amount in Rs.)
SCHEDULE 23 -INTEREST	ENDED	FOR THE YEAR ENDED
	31.03.2019	31.03.2018
Other Interest		40,382.00
Interest to consolidated fund of India	99.66.647	

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad

Regn.No.F/7412/Ahmedabad
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

RECEIPTS	2018-19	2017-18	PAYMENT	2018-19	2017-18
I. Opening balances			I. Establishment Expenses	7,17,80,837	5,56,47,502
1) Cash in Hand		594	594 II. Administrative Expenses	8,62,65,350	9,29,60,811
2) Bank Balances			III. Fixed Assets (Additions)	28,72,701	12,76,603
a. Axis Bank C/A-8099	1,18,842	25,62,027	IV. A) Remittances/ Refunds etc.,		
b. SIDBI A/c No. 12001		,	a]Earnest Money Deposit& security	10.63.65.493	4.65.54.406
Axis Bank Current A/C 1548 (NIE)	01012066	216 40 647	Deposits & S. Creditors		and the stant
	2,30,01,818	3,10,40,647	b) Remittances/Refunds etc.,		
(Including	1,14,05,324	2,96,97,258	2,96,97,258 a] NPS. Employees Deductions	11,48,053	11,95,229
e. UBI-NIF-Bhubneswar- 606802050000090	1,85,832	(28,158)	(28,158) b] Receivable	14,55,198	16,000
f. UBI NIF -Dehradun 606802050000088	2,36,354	1,35,937	c] Income Tax Deducted at source from staff, contractor & rent and Professional Tax	48,08,448	45,13,283
g. UBI NIF- Guwahati - 606802050000089	2,37,931	79,525	79,525 e]Advances to Staff & Others	1,98,59,596	1,14,12,389
h. Union Bank - ROBBN		1,05,000	f] Corpus Refund with interest	4,15,24,688	
i. Union Bank - ROGUW	,	30,000	g] NPS Payable	11,48,053	11,95,229
			h] Prepaid Expenses		1,42,023
 Grants-in-aid from DST, Govt of India 	19,65,07,000	19,50,51,000	19,50,51,000 i] Provisions & O/S	1,00,64,157	11,53,826
III. Interest Received			j] Other Deductions	2,16,000	
A)On SB Accounts and Auto Sweep	1,72,493	83,011	83,011 V. Investments		
B)On Fixed /Term Deposits	27,08,427	46,96,767	46,96,767 Fixed/Term Deposits & margin Money		21,00,00,000
IV. Other Income			VI. Earmarked Project Expenses	8,07,92,093	38,95,554
A)Other Interest	96,883	1,672	1,672 VIII. Closing Balances		
B)Miscellaneous Receipts	17,15,277	6,28,547	6,28,547 1)Cash in Hand	,	,
V. Other Recoveries etc.,			2)Bank Balances		
A)Earnest Money Deposit & Security Deposit & S Creditors	58,27,317	8,68,860	8,68,860 a. Axis Bank C/A-8099	23,32,784	1,18,842
B) Investments	5,80,23,997	APTION FOUN	b. SIDBI A/c No. 12001	55.31.072	

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

RECEIPTS	2018-19	2017-18	PAYMENT	2018-19	2017-18
C) ii] Income Tax Deducted at source from					
staff, contractor & rent and Professional Tay	38,84,406	27,73,196	27,73,196 C. Axis Bank Current A/C 1548 (NIF)	47,603	2,30,61,818
iii] Advance to Suppliers/other etc.	2,37,500		d. Union Bank A/C No.606802010000724 (Including SWAP Balance)	20,31,229	1,14,05,324
iv]Staff Advance Recovery	99,73,137	87,25,897	87,25,897 e. UBI-NIF-Bhubneswar- 606802050000090	35,335	1,85,832
v] NPS Deduction	11,77,978	11,26,518	11,26,518 f. UBI NIF -Dehradun 606802050000088	2,51,214	2,36,354
vi]TDS Receivable	8,42,010	,	g. UBI NIF- Guwahati - 606802050000089	3,87,785	2,37,931
vii] Other Deductions	2,20,000				
D) i] Establishment receipts	4,30,328	30,83,792			
ii] Other administrative receipts	74,68,230	78,98,698			
VI. Deposit With Bank					
A)Fixed/ Term deposits matured	5,96,37,832	4,68,71,730			
VII. Grants/ Financial Assistances received for Earmarked projects	5,47,48,774	12,91,76,438			
	43,89,17,690	46,52,08,956		43,89,17,690	43,89,17,690 46,52,08,956

N-INDIA COOK CONTO

Firm Registration No. 115785W

J. d. Juntary CA Snehal S. Somani

Chartered Accountants

As per our report of even date For Joy Baxi & Associates

2 most

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director, NIF

UDIN: 19127087AAAABT6611

Place: Gandhinagar Date: 06-08-2019

Membership No. 127087

Partner

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Reg. No. F/7412/Ahmedabad

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31STMARCH 2019

SCHEDULE 24: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

OVERVIEW:

The National Innovation Foundation (NIF) - India was set up in March 2000 with the assistance of Department of Science and Technology, Government of India. It is India's national initiative to strengthen the grassroots technological innovations and outstanding traditional knowledge. Its mission is to help India become a creative and knowledge-based society by expanding policy and institutional space for grassroots technological innovators. The main object of the Centre, inter-alia, are to conduct basic and applied research in Nano and soft matter sciences and specifically focused on a variety of metal and semi-conductor nanostructures, liquid crystal, membranes and hybrid materials.

A. SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting convention:

The financial statements are drawn up in accordance with historical accounting conventions and on the going concern concept. Accrual method of accounting is followed to record Income and Expenditure.

The guidelines as per the uniform Format of Accounts for Central Autonomous Institutions, as applicable and to the extent practicable, are followed in the presentation of the financial statements of the Institute.

2. Basis of Accounting:

The financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting in conformity with the generally accepted accounting principles in India (Indian GAAP) as applicable and the relevant provision of the Bombay public trust act.1950 and in accordance with the guidelines on accounting for the central autonomous bodies, issued by Ministry of Finance. The accounting policies consistently applied by the foundation and the accounting policies not referred to otherwise are in conformity with Indian GAAP.

3. Revenue recognition:

All income and expenditure are recognized on accrual basis except in case of specific and conditional Grants. The un-spent amount of such Grant is liable to be re-directed as per the direction of the Donor organizations Accordingly the unspent amounts as on the date of balance sheet are shown as liability Government grants/subsidies are accounted on realization basis. Benefit sharing on the MVIF support is variable considering the business risk and uncertainty associated with its collection/recovery.

Interest earned, administrative fund of projects and other income during the year has been credited to innovation funds.

4. Investment:

Investments are stated at cost and interest from investment are accounted on accrual basis.

5. Fixed Assets:

Fixed assets other than acquired from Earmarked Funds are stated at Written down value. Fixed Assets are accounted at cost of acquisition, inclusive of inward freight, duties, taxes and incidental expenses related to acquisition.

Fixed assets received by way of non-monetary grants (other than toward the corpus fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to capital reserve. Fixed assets received by way of Earmarked Fund (other than toward the corpus fund), are adjusted at values stated, by corresponding credit to Earmarked Funds.

6. Depreciation:

Depreciation providedon written down value as per rates and method specified in the Income Tax Act, which is coincide with useful life of assets. In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered as per Income Tax Act.

7. Government Grants/ Subsidies:

Government grants of the nature of contribution toward capital of setting up projects are treated as capital reserve. Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown as deduction from the cost of the related assets. Government grants/subsidy are accounted on realization basis. Plan grant received for during the year are credited to revenue account except grant utilized for acquisition of capital assets during the year is credited to respective "Capital Fund" account. During FY2018-19, Fixed Assets amounting to Rs 8374311/- is acquired out of DST Grant.

8. Income Tax:

The institute is registered under section 12A of the Income Tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income Tax.

9. Retirement Benefits:

No provision has been made in respect of the Leave Encashment and Gratuity liability in the accounts as required by AS15. However, the same is accounted on cash basis as and when the liability is discharged.

10. Allocation/Transfer To Earmarked Project Funds:

The Institute has a policy to transfer interest earned on investments relating to project funds, to earmarked project funds, to recognize the interest attributable to those funds. To meet exigencies in





project related expenditure, an allocation called "Overhead/Benefit sharing" is maintained under Ear marked funds and allocation of funds to any project is made out of the said allocation.

11. Earmarked Fund:

Funds/ grant received for the specific project are credited to separate account and the utilization of the same also debited to respective funds/grand accounts. Outstanding of those funds/grants shows amounts still to be incurred on running projects. Further grant is yet to be released in respect of project which shows debit balance.

12. Fellowship and scholarships:

Sponsored fellowship and scholarships are accounted against the sponsored project fund/grant. Fellowships and scholarship paid out of the organization funds are treated as revenue expenditure and debited and debited to "Establishment Expenses".

13. Expenditure on Technology Acquisition:

Payments made for acquisition right in innovated products from the innovators for making it available to public at large at low cost or no cost are changed to revenue in the year of payment as recurring expenditure as "Technology acquired under technology Acquisition fund.

B.NOTES ON ACCOUNTS:

- CONTINGENT LIABLITIES: Letter of credits outstanding as on 31/03/2019 was Rs 221600/- towards Outstanding TDS demand at CPC Portal.
- 2. Claims against the centre not acknowledged as debts Rs.Nil (Previous year Rs.Nil).
- 3. Foreign currency transactions are translated at the rates prevailing on the date of transaction. During financial year 2018-19 Rs.33, 11,016/- (USD 46771) paid for ASEAN Science Week.
- 4. Balance shown under Saving Bank Accounts Include amount held by Bank under "Auto sweep accounts".
- 5. Fixed assets acquired out of grant-in-aid/allocation fund available amounting to Rs. 3,27,83,712/-(P. Y. Rs NIL/-). No Depreciation is provided on fixed assets acquired out of Earmarked/project funds.
- 6. Income tax: The centre is registered under section 12A of the Income tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income tax.
- 7. Figures are rounded off to the nearest rupee
- 8. The financial statement is being represented in line with requirement of DST Auditor requirement of previous year figures to be presented without regrouping.

9. Schedules 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the balance sheet as at 31/03/2019 and the income and expenditure account for the year ended on that date.

For Joy Baxi & Associates Chartered Accountants Firm Registration No. 115785W

J.S. Somane

CA Snehal Somani Partner

Membership No.127087

Place: Gandhinagar

Date:

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF



गांधीनगर - 382650, गुजरात, भारत

दूरभाष : + 91 2764 261131 /32/38/39

फैक्स : +91 22 39167115

वेबसाइटः www.nifindia.org.in

ईमेलः info@nifindia.org

Gandhinagar, 382650, Gujarat, India

Phone: 02764-261131/32/38/39

Fax: 91 22 3916 7115

Website: www.nifindia.org.in email: info@nifindia.org